नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, रविवार, 20 जुलाई 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 64 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

समस्तीपुर में घूस लेते रंगे हाथ पकड़ी गई महिला थानाध्यक्ष

सरगना समेत तीन गिरफ्तार, प्रिंटर और नकली नोट बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। पाकुड़ जिला पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने जाली नोट छापने और चलाने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए अपराधियों के पास से जाली नोट, नोट छापने की मशीन, अन्य उपकरण, दो मोटरसाइकिल और तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने बताया कि गिरोह का सरगना बादशाह खान है, जो पाकुड़िया थाना क्षेत्र के राजपोखर गांव का निवासी है। उसके साथ गिरफ्तार दो अन्य आरोपी दीपक पंडित और चमकलाल पंडित गोड्डा जिले के सुंदरपहाड़ी थाना अंतर्गत धमनी गांव के रहने वाले हैं।

यूट्यूब से सीखी तकनीक, हाट-बाजारों में खपाते थे नकली नोट

पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्होंने यूट्यूब से नकली नोट छापने की तकनीक सीखी और फिर बाजार में 100 और 500 रुपये के जाली नोट खपाने लगे। गिरोह हाई-क्वालिटी प्रिंटर और अन्य उपकरणों की मदद से नकली नोट तैयार करता था।

गुप्त सूचना पर की गई छापेमारी

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पाकुड़िया के राजपोखर गांव में नकली नोट छापे जा रहे हैं। इसी आधार पर पाकुड़िया थाना पुलिस ने छापेमारी की। छापे में नकली नोट छापने की मशीन, दर्जनों 100 और 500 के नकली नोट, मोबाइल फोन और दो बाइक बरामद की गई।

सुनियोजित कार्रवाई, जांच जारी

एसपी निधि द्विवेदी ने बताया कि पुलिस इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि गिरोह ने किन-किन क्षेत्रों में नकली नोट चलाए हैं और इस रैकेट में और कौन-कौन शामिल हो सकता है। पत्रकार वार्ता में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विजय कुमार, मुख्यालय डीएसपी जितेंद्र कुमार, पाकुड़िया थाना प्रभारी मनोज कुमार महतो, अवर निरीक्षक सन्नी सुप्रभात और पप्पू कुमार सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए इसे अपराध के आर्थिक नेटवर्क पर सीधा हमला करार दिया है।

मुख्य सचिव अलका तिवारी ने बेलगड़िया टाउनशिप का किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। झारखंड की मुख्य सचिव अलका तिवारी धनबाद दौरे के दूसरे दिन बेलगड़िया टाउनशिप पहुंची और क्षेत्र का निरीक्षण कर स्थानीय सुविधाओं व विकास कार्यों की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय निवासियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं भी सुनीं और समाधान का भरोसा दिलाया। मुख्य सचिव ने बेलगड़िया फेज-5, आंगनबाड़ी केंद्र के लिए चिन्हित भूमि, नवीन प्राथमिक विद्यालय झरिया विहार, स्वास्थ्य उपकेंद्र बेलगड़िया, उत्क्रमित मध्य विद्यालय छत्तातर, आरएसपी कॉलेज, निर्मित तालाब, पार्क निर्माण के लिए चिन्हित स्थल, मेगा स्किल डेवलपमेंट सेंटर और मल्टी स्किल डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट के लिए चिन्हित भूमि का निरीक्षण किया।

छात्राओं से संवाद और पौधारोपण

निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव ने विद्यालय की छात्राओं से संवाद किया और उनकी पढ़ाई व सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने बेलगड़िया परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। मुख्य सचिव ने कहा कि बेलगड़िया के लोगों का कौशल विकास कर उन्हें रोजगार से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है। इसके सकारात्मक परिणाम जल्द दिखेंगे।

देवघर एम्स के पहले दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। 31 जुलाई को देवघर एम्स में आयोजित होने वाले पहले दीक्षांत समारोह में देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शामिल होंगी। राष्ट्रपति के आगमन की सूचना मिलते ही देवघर जिला प्रशासन और एम्स प्रबंधन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस भव्य आयोजन को लेकर जिला प्रशासन और एम्स प्रबंधन के बीच समन्वय स्थापित कर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

देवघर एम्स का यह पहला दीक्षांत समारोह है, जिसे भव्य और ऐतिहासिक बनाने की तैयारियां की जा रही हैं। कार्यक्रम का आयोजन एम्स के ऑडिटोरियम में होगा, जहां लगभग एक हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था है। एम्स प्रबंधन ने सभी अधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियां सौंप दी हैं, और तैयारियां पूरे जोर-शोर से चल रही हैं। दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 48 छात्रों को डिग्री प्रदान करेंगी। इनमें से चार मेधावी छात्रों को विशेष सम्मान मिलेगा, जिसमें एक छात्र को गोल्ड मेडल, एक को सिल्वर मेडल, एक को ब्रॉन्ज मेडल और एक अन्य छात्र को

डिग्री दी जाएगी। शेष छात्रों को एम्स प्रबंधन और विशिष्ट अतिथियों द्वारा डिग्री वितरित की जाएगी। देवघर के उपायुक्त रवि कुमार ने बताया कि राष्ट्रपति 31 जुलाई को एम्स के दीक्षांत समारोह में भाग लेंगी और इसके बाद अपने गंतव्य के लिए प्रस्थान करेंगी। फिलहाल, बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूजा करने को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। हालांकि, यदि राष्ट्रपति मंदिर में पूजा की इच्छा जताती हैं, तो जिला प्रशासन इसकी भी पूरी तैयारी करेगा। राष्ट्रपति के आगमन को देखते हुए जिला प्रशासन ने परिवहन और पुलिस विभाग को वाहनों की आवाजाही और सुरक्षा व्यवस्था के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों ने सभी संबंधित विभागों को समन्वय बनाकर तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

झारखंड में अत्यधिक बारिश का खेती पर बुरा असर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड में इस वर्ष अभी तक जोरदार मानसूनी बारिश हुई है। 1 जून से 18 जुलाई तक राज्य में सामान्यतः होने वाली 371।2 एमएम बारिश की जगह 615।7 एमएम बारिश हो चुकी है। राज्य के ज्यादातर जिलों में हुई सामान्य से अधिक बारिश का अब खराब असर खेतीबाड़ी पर पड़ रहा है।

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की भी अत्यधिक बारिश के चलते खराब हो रहे तिलहन, दलहन, मोटे अनाज की खेती को दुर्भाग्यपूर्ण बतातीं हैं। कृषि मंत्री ने कहा कि राज्य में अति वृष्टि की वजह से कहां-कहां कितनी फसलों को नुकसान पहुंचा है, इसका आकलन कर रिपोर्ट भेजने का निर्देश सभी डीसी को जारी किया जा रहा है। कृषि मंत्री ने माना कि धान और मक्का की फसल पर ज्यादा असर नहीं पड़ा है, लेकिन दालें, तिलहन और मोटे अनाज की फसल के साथ-साथ सब्जियों की खेती प्रभावित हुई है। कृषि मंत्री ऐसी स्थिति को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहती हैं कि जरूरत पड़ी तो रांची में भी उच्चस्तरीय बैठक बुलाएंगे। कृषि निदेशालय से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड में इस वर्ष 28 लाख 26 हजार 252 हेक्टेयर में खरीफ की फसल लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसमें से 4 लाख 81 हजार 523 हेक्टेयर में ही आच्छादन हुआ है जो कुल लक्षित रकबे का 17.04% है। कृषि निदेशालय से मिले आंकड़े बताते हैं कि राज्य में दलहन की फसल का आच्छादन लक्ष्य का महज 13.09% ही हुआ है। वहीं तिलहन की फसल भी निर्धारित लक्ष्य की तुलना में 18.71% भूभाग में ही लगाई जा सकी है।

मोटे अनाज जिसे श्री अनाज या मिलेट भी कहा जाता है, उसकी बुआई पर भी भारी वर्षा का असर पड़ा है और लक्ष्य की तुलना में महज 15.35% भाग में ही आच्छादन हो पाया है। मक्का में आच्छादन का प्रतिशत लक्ष्य का जरूर 35% से अधिक हो चुका है। धान की बात करें तो आच्छादन लक्ष्य का 15% हुआ है लेकिन इन दिनों तेजी से धान रोपाई की सूचना अलग-अलग जिलों से मिल रही है।

राज्य में सामान्य से 66 प्रतिशत अधिक हुई है मानसूनी बारिश

रांची के मौसम केंद्र निदेशक अभिषेक आनंद ने बताया कि 01 जून से 18 जुलाई तक राज्य में सामान्यतः होने वाली औसत 371.2 एमएम बारिश की तुलना में इस वर्ष 615.7 ख्रख्र वर्षा हो चुकी है जो सामान्य वर्षापात से करीब करीब 66% अधिक है। मौसम केंद्र द्वारा पूर्वानुमान में जुलाई महीने के बाकी बचे 11-12 दिनों में भी अच्छी बारिश की संभावना व्यक्त की गई है।

बिहार के मुख्यमंत्री ने गंगा के बढ़ते जलस्तर का लिया जायजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में लगातार हो रही बारिश और नेपाल से छोड़े गए पानी के कारण गंगा नदी रौद्र रूप में आ गई है। राजधानी पटना में गंगा कई घाटों पर खतरे के निशान को पार कर चुकी है, जिससे दियारा और निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। जल संसाधन विभाग ने हाई अलर्ट जारी किया है और बांधों की 24 घंटे निगरानी शुरू कर दी है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में तैनात हैं। गंगा के जलस्तर में आई तेजी से वृद्धि के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को स्थिति का जायजा लियाउन्होंने जेपी गंगा पथ से गंगा के बढ़ते जलस्तर का मुआयना किया। आपदा की स्थिति में निपटने के लिए किये गए एहतियाती इंतजामों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अधिकारियों को राहत कार्य के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया। वे सबसे पहले नित्तन घाट पहुंचे, जहां उन्होंने गंगा के जलस्तर का जायजा लिया। इसके बाद वे गांधी घाट गये और वहां भी स्थिति का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री के साथ कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे, जिन्होंने उन्हें गंगा के जलस्तर और संभावित बाढ़ की स्थिति

से अवगत कराया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को पूरी तरह से सतर्क रहने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि गंगा का जलस्तर लगातार हर दो घंटे पर एक सेंटीमीटर बढ़ रहा है, जो चिंताजनक है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से लगातार स्थिति पर नजर रखने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया। उधर, गांधी घाट, दीघा घाट, दानापुर और मनेर जैसे प्रमुख घाटों पर गंगा का जलस्तर खतरे के निशान को छू रहा है। जल संसाधन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार पटना के प्रमुख घाटों पर गंगा का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर चुका है या उसके करीब है। पिछले दो दिनों में जलस्तर में ढाई फुट की वृद्धि हुई है। जिससे दियारा, दानापुर और मनेर में पानी फैलने लगा है। पटना में बाढ़ से निपटने के लिए 119 ऐसे स्थलों का चयन किया गया है जो ऊंचे स्थानों पर है। यहां से बाढ़ आने की स्थिति में राहत शिविर, सामुदायिक रसोई केंद्र या अन्य आपदा राहत सेवाएं चलाई जाएगी। वहीं बाढ में घिरे लोगों को बचाने के लिए 245 नाविकों की टीम तैयार रखी गई है। साथ ही नाव, गोताखोर को एहतियाती इंतजामों के तहत रखा गया है। साथ ही पटना के सभी नुमंडल अधिकारियों, अंचलाधिकारियों और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों को भी अपने क्षेत्रों पर नजर रखने का निर्देश दिया गया है।

कुंदन कृष्णन ने अपने विवादित बयान पर मांगी माफी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के अपर पुलिस महानिदेशक (मुख्यालय) कुंदन कृष्णन अपने विवादित बयान को लेकर बैकफुट पर आ गए हैं। उन्होंने किसानों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगते हुए कहा है कि उनका उद्देश्य किसानों की भावनाएं आहत करना नहीं था। यह सफाई उन्होंने बिहार पुलिस के आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर जारी एक वीडियो संदेश के माध्यम से दी। दरअसल, बीते दिनों एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में एडीजी कुंदन कृष्णन ने कहा था कि मई-जून के महीनों में हत्या की घटनाएं बढ़ जाती हैं, क्योंकि इन महीनों में किसानों के पास कोई विशेष कार्य नहीं होता। इस बयान के बाद सियासी गलियारों में हलचल मच गई थी। विपक्षी दलों के साथ-साथ केंद्रीय मंत्री एवं लोजपा-रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने भी इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने इस टिप्पणी को किसानों का अपमान बताते हुए बयान वापस लेने और माफी मांगने की मांग की थी। बढ़ते विरोध के बीच एडीजी ने अपनी सफाई में कहा कि मेरे बयान को मीडिया के कुछ वर्गों द्वारा तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत किया गया, जिससे गलतफहमी और विवाद की स्थिति उत्पन्न हुई। मेरा उद्देश्य कभी भी किसानों को गलत ठहराना नहीं था। मैं किसानों का गहरा सम्मान करता हूं और अगर मेरे बयान से किसी की भावनाएं आहत हुई हैं, तो मैं उसके लिए खेद प्रकट करता हूं। बयान को लेकर उत्पन्न विवाद ने बिहार की राजनीति में गर्मी ला दी थी। अब जबकि एडीजी ने माफी मांग ली है, यह देखना होगा कि इससे राजनीतिक विवाद थमता है या नहीं। वहीं, किसान संगठनों ने भी इस बयान को लेकर नाराजगी जताई थी और बयान वापसी की मांग की थी।

लहेरी थाना चैराहा 7 दिन बंद, स्मार्ट सिटी का बड़ा फैसला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। लहेरी थाना चैराहे पर कच्ची सड़क की वजह से लोगों को हो रही परेशानी को देखते हुए बिहारशरीफ स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने बड़ा फैसला लिया है। आज प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में हुई बैठक में लहेरी थाना चैराहे का जंक्शन सुधार का काम तुरंत शुरू करने का निर्देश दिया गया है। बैठक में तय किया गया कि लहेरी थाना से भरावपर के बीच स्थित लहेरी थाना चैराहे पर जंक्शन इम्प्रूवमेंट का काम किया जाएगा जिसके लिए चैराहे पर नई सड़क का निर्माण होगा। इस काम के दौरान 21 जुलाई से 28 जुलाई तक यानी 7 दिनों तक इस रूट पर आम लोगों का आना-जाना बंद रहेगा। प्रबंध निदेशक ने संबंधित ठेकेदार को सख्त निर्देश दिया है कि यह काम 7 दिन के अंदर ही पूरा कर लिया जाए।

इलाज के दौरान जदयू नेता की मौत

बिहारशरीफ। इसलामपुर थाना क्षेत्र के हैदरचक गांव में कुछ दिन पूर्व मारपीट में जख्मी जदयू नेता इंद्रदेव प्रसाद की मौत पटना में इलाज के दौरान हो गई। बताया जाता है कि इसलामपुर थाना क्षेत्र के हैदरचक गांव मे बीते 12 जूलाई को आपसी रंजिश को लेकर नीपू कुमार नामक युवक ने नशे की हालत मे इंद्रदेव प्रसाद को लाठी डंडे से मार कर उन्हें बुरी तरह से जख्मी कर दिया था। घटना के बाद परिजनों के द्वारा जख्मी इंद्रदेव प्रसाद को इलाज के लिए इसलामपुर सरकारी अस्पताल लाया गया। जहां स्थानीय चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार करने के बाद जख्मी इंद्रदेव प्रसाद को पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया गया था। जहां इलाज के दौरान इंद्रदेव प्रसाद की मौत हो गई।

चंदन मिश्रा हत्याकांड में आठ पुलिसकर्मी निलंबित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। चर्चित गैंगस्टर चंदन मिश्रा हत्याकांड में लापरवाही बरतने के आरोप में पटना पुलिस के आठ जवानों पर कार्रवाई की गई है। इनमें एक दारोगा और दो सिपाहियों समेत कुल आठ पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया गया है। यह कार्रवाई पटना के एसएसपी कार्तिकेय शर्मा द्वारा की गई है। बताया गया है कि हत्या के वक्त इलाके में गश्त नहीं होने और पुलिस की सतर्कता में भारी चूक सामने आने के बाद यह निर्णय लिया गया। गौरतलब है कि बीते दिनों पटना के बहुचर्चित पारस अस्पताल परिसर में घुसकर चार हथियारबंद बदमाशों ने गैंगस्टर चंदन मिश्रा पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दी थी। इस हमले में चंदन मिश्रा की मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना के बाद हमलावर आसानी से फरार हो गए थे। यही नहीं, हमलावरों का एक फोटो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वे हथियार लहराते हुए बाइक पर नजर आए थे। इस घटना ने राजधानी पटना में पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे। इधर, हत्या के बाद फरार पांचों आरोपितों को बिहार एसटीएफ और बंगाल पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में शुक्रवार देर रात कोलकाता के न्यू टाउन इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया है। सभी आरोपित एक फ्लैट में छिपे हुए थे। पुलिस ने मोबाइल लोकेशन के आधार पर उन्हें ट्रैक कर पकड़ा। पकड़े गए आरोपितों में चार शूटर बताए जा रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर राज्य में कानून-व्यवस्था और पुलिस की जवाबदेही को लेकर बहस छेड़ दी है।

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT

DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY

GLOBAL VISION

(A Complete Solution in Professional Services)

: Regd. Office/ Head Office :

Manaitand, Near Water Tank

Dhanbad, Jharkhand- 826001

Command Office : Jagat Trade Centre, Patna

Contact No.- 9835333441, 8210823092

E-Mail : globalvision96@yahoo.in

करंट की चपेट में आकर मां-बेटे की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के बरियारपुर थाना क्षेत्र स्थित रत्नपुर केवल गांव में शुक्रवार देर शाम करंट लगने से मां और उसके सात वर्षीय बेटे की मौत हो गई। हादसे के वक्त महिला अपने तीन बच्चों के साथ जलावन लेने निकली थी। इस घटना में दो अन्य बच्चे बाल-बाल बच गए। मृतका की पहचान पिंकी देवी (30) के रूप में हुई है। उनके पति मिलन राय ने बताया कि बारिश के बीच पत्नी पिंकी देवी तीनों बेटों के साथ घर के पीछे जलावन लेने गई थी। उसी दौरान वहां लगे बिजली के पोल में करंट फैल गया। बड़ा बेटा हंस राज (7) जब पास गया तो उसे जोर का झटका लगा और

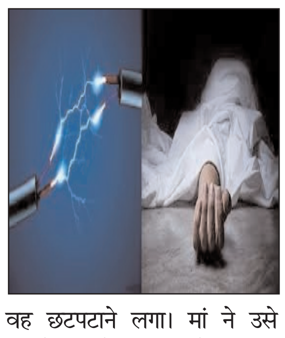

वह छटपटाने लगा। मां ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन वह भी करंट की चपेट में आ गई। घटना की सूचना मिलते ही बरियारपुर थाने की थानाध्यक्ष चांदनी सवारियां पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेजा गया।

घूस लेते रंगे हाथ पकड़ी गई महिला थानाध्यक्ष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समस्तीपुर। समस्तीपुर महिला थाने की प्रभारी थानाध्यक्ष पुतुल कुमारी को निगरानी विभाग की टीम ने शनिवार को 20 हजार रुपये घूस लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई निगरानी डीएसपी राजेश कुमार के नेतृत्व में की गई। टीम ने महिला थाना परिसर में छापेमारी कर आरोपित थानाध्यक्ष के साथ उसके चालक गुड्डू कुमार को भी हिरासत में ले लिया।

पुतुल कुमारी मूल रूप से मोतिहारी जिले की रहने वाली हैं। निगरानी विभाग के अनुसार, मुफस्सिल थाना क्षेत्र के छतौना गांव निवासी राजीव रंजन ने 10 जुलाई को विभाग में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि गांव की पूजा कुमारी नामक महिला ने उनके खिलाफ समस्तीपुर महिला थाना में आवेदन दिया था। इसी को लेकर थानाध्यक्ष ने उन्हें नोटिस भेजा और मामला निपटाने के लिए 40 हजार रुपये की मांग की गई। अंततः सौदा 20 हजार में तय हुआ। राजीव रंजन ने बताया कि 8 जुलाई को जब वह थाने पहुंचे तो उनके साथ दुर्व्यवहार भी किया गया। इसके बाद उन्होंने निगरानी विभाग से संपर्क किया। शिकायत की जांच में आरोप सही पाए जाने पर विजिलेंस टीम ने पूरी रणनीति के साथ ट्रैप बिछाया। शनिवार को राजीव रंजन के साथ टीम महिला थाना पहुंची और जैसे ही थानाध्यक्ष ने 20 हजार रुपये लिए, उन्हें मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया।

संक्षिप्त समाचार

पक्की सड़क बनने से मोहल्ले की बढ़ी सुविधा

दरभंगा, एजेंसी। शहर के वार्ड नंबर दो स्थित सुंदरपुर छठी पोखर मोहल्ले में नल-जल का पानी चालू हो गया है। साथ ही एनएच 27 तेनु गाछी से वार्ड नंबर चार के परमेश्वर चौक जाने वाली सड़क का कालीचरण किया गया है। इससे मोहल्ले के लोग खुश हैं और आपके अपने अखबार 'हिन्दुस्तान के प्रति आभार जताते हैं। बता दें कि आपके अपने अखबार 'हिन्दुस्तान में गत 19 अप्रैल को 'बोले दरभंगा पेज पर सुंदरपुर छठी पोखर मोहल्ले के लोगों की परेशानियों से संबंधित खबर प्रमुखता से प्रकाशित हुई थी। इसमें वाहनों के टायर की रगड़ से नवनिर्मित ढलाई सड़क से सीमेंट के धूल की तरह उड़ने की बात लोगों ने बताई। इसके बाद संवेदक एजेंसी ने सड़क का कालीकरण कर दिया है। मोहल्ले के प्रमोद यादव, राजेश पासवान, कैलाश यादव, जयप्रकाश ठाकुर, नीलाबंर महतो, भगवान लाल ठाकुर आदि बताते हैं कि 'हिन्दुस्तान में खबर प्रकाशित होने पर भूमि सुधार व राजस्व मंत्री सह नगर विधायक संजय सरावगी ने संज्ञान लिया। इसके बाद मुख्यमंत्री ग्राम सड़क उन्नयन योजना से बनी इस सड़क का कालीकरण किया गया है। साथ ही नल-जल योजना भी चालू हो गयी है। पार्षद प्रतिनिधि भगवान लाल ठाकुर ने कहा कि सड़क बड़ी हद तक दुरुस्त हो गयी है, पर कई जगहों पर काम करने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि नल-जल योजना के चालू होने से वार्ड के 60 फीसदी लोगों को पेयजल की सुविधा मिली है। बाकी 40 फीसदी को भी जल्द ही पानी मिलेगा। इसके लिए भी आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

त्रिमुहानी संगम का होगा विकास : संजय झा

दरभंगा, एजेंसी। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद संजय झा ने कहा कि त्रिमुहानी संगम धाम का विकास मेरी प्राथमिकताओं में है। इसके लिए हम जल्द वहां जाएंगे। ये बातें उन्होंने मां श्यामा मन्दिर न्यास समिति के उपाध्यक्ष प्रो. जयशंकर झा की ओर से त्रिमुहानी संगम धाम आने का आग्रह करने पर कही। पटना में मुलाकात के दौरान न्यास समिति के उपाध्यक्ष प्रो. झा द्वारा नवनिर्मित मां श्यामा अतिथि गृह के लोकार्पण के लिए किए गए आग्रह पर भी उन्होंने सहर्ष सहमति जताई। साथ ही प्रो. झा ने मिथिला संस्कृत शोध संस्थान के सम्यक विकास के लिए मुख्यमंत्री की प्रगति यात्रा को वरदान बताते हुए राज्यसभा सांसद की ओर से इस क्रम में किए गए प्रयासों की सराहना की। कला संस्कृति युवा विभाग के राज्य परामर्शदात्री सदस्य उवल कुमार ने कहा कि शोध संस्थान की स्थापना से लेकर अभी तक की लंबी यात्रा में आज तक इतनी बड़ी राशि किसी भी मुख्यमंत्री के कार्यकाल में नहीं दी गई थी। उन्होंने कहा कि इस प्रस्तावित भवन का शिलान्यास मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा कराया जाना समीचीन प्रतीत होता है। इसके लिए राज्यसभा सांसद का सहयोग अपेक्षित है। मौके पर जदयू जिलाध्यक्ष ईश्वर मंडल, वार्ड पार्षद नवीन सिन्हा, राजीव सिंह, विनोदानंद झा सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।

मिथिला की सबसे बड़ी तकनीकी क्रांति : सांसद

दरभंगा, एजेंसी। देश में तकनीकी शिक्षा महत्वपूर्ण अंग है, जिसे हर घर के बच्चे तक पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार संकल्पित है। 10 करोड़ की लागत से बना आईटी पार्क इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। यह मिथिला की सबसे बड़ी तकनीकी क्रांति है। ये बातें दरभंगा सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डॉ. गोपाल जी ठाकुर ने मोतिहारी में पीएम मोदी की ओर से आईटी पार्क के लोकार्पण के बाद इसे विधिवत छात्र-छात्राओं को समर्पित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि अब यहां के बच्चों को संसाधन और समय की बचत होगी। सांसद डॉ. ठाकुर ने आईटी पार्क के अधिकारियों तथा इसी परिसर से सटे आईटीआई के प्रिंसिपल और शिक्षकों से विस्तार से जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि इसमें विभिन्न कंपनियों के 150 लोग एक साथ तकनीकी रूप से काम कर सकेंगे। सांसद डॉ. ठाकुर ने कहा कि अभी तक 14 कम्पनियों ने इसमें अपना निबंधन कराया है। मौके पर पार्टी नेता उदय शंकर चौधरी, पूर्वी के जिलाध्यक्ष विनय पासवान, निभा देवी, लक्ष्मी झा, माधव आजाद, रजनीश सुंदरम, सुबोध चौधरी आदि मौजूद थे।

पटना में बढ़ा गंगा का जलस्तर, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ टीमें तैनात : 119 ऊंचे स्थल चिन्हित किए गए

पटना, एजेंसी। पटना में गंगा नदी का जलस्तर लगातार तेजी से बढ़ रहा है, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा गहराने लगा है। नदी किनारे के कई इलाकों में पानी पहुंचने की आशंका बनी हुई है, जिससे प्रशासन हाई अलर्ट मोड पर आ गया है। गांधी घाट, दीघा घाट, दानापुर और मनेर जैसे प्रमुख घाटों पर गंगा का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर चुका है या फिर उसके बहुत करीब पहुँच चुका है। गांधी घाट पर तो जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर रिकॉर्ड किया गया है, जबकि दीघा और दानापुर जैसे अन्य घाटों पर भी हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं।

गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन विभाग पूरी तरह सतर्क हो चुका है। जल स्तर की लगातार निगरानी की जा रही है। निचले इलाकों में स्थिति पर नजर बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। पटना जिले में 119 ऊंचे स्थानों की पहचान

आपदा की स्थिति में कॉल करें, 245 रेस्क्यू बोट तैयार

बाढ़ की स्थिति को ध्यान में रखते हुए पटना जिले में 119 ऐसे ऊंचे स्थानों को चिन्हित किया गया है, जहां आवश्यकता पड़ने पर राहत शिविर, सामुदायिक रसोई केंद्र या अन्य आपदा राहत सेवाएं चलाई जा सकती है।

245 नाविकों को रखा गया तैयार, राहत-बचाव के लिए नावें चिन्हित - संभावित आपदा की स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाते हुए 245 नाविकों को तैयार कर लिया है। इन नाविकों के माध्यम से जरूरत पड़ने पर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में नावों से राहत और बचाव कार्य किया जाएगा। साथ ही, गोताखोरों की भी तैनाती की व्यवस्था की गई है।

एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें तैनात - पटना जिले में एसडीआरएफ की दो टीमें पहले से ही सक्रिय रूप में मौजूद हैं। इसके अलावा दीदारगंज में एनडीआरएफ की एक टीम को भी स्टैंडबॉय मोड पर रखा गया है, जिसे आपात स्थिति में प्रभावित इलाकों में भेजा जाएगा। ये टीमें किसी भी आकस्मिक स्थिति में राहत और बचाव कार्यों को अंजाम देंगी।

प्रशासनिक निगरानी और सतर्कता बढ़ाई गई - प्रभावित इलाकों की निगरानी के लिए सभी अनुमंडल अधिकारियों, अंचलाधिकारियों और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंप दी गई है। ये अधिकारी संभावित बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का निरीक्षण कर रहे हैं। साथ ही जल संसाधन विभाग की टीमें भी तटबंधों की लगातार निगरानी कर रही हैं ताकि बाढ़ की स्थिति से समय रहते निपटा जा सके।

पशुचारा और प्लास्टिक शीट्स की व्यवस्था- बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुओं की देखभाल के लिए चारे की व्यवस्था कर दी गई है। साथ ही, अस्थायी शरण के लिए प्लास्टिक शीट्स की उपलब्धता को भी सुनिश्चित किया गया है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को असुविधा न हो।

24×7 जिला आपदा नियंत्रण केंद्र एक्टिव

पटना जिला आपदा नियंत्रण केंद्र को 24×7 एक्टिव रखा गया है। इसका फोन नंबर - 0612-2210118 है, जिस पर कोई भी नागरिक आपात स्थिति में संपर्क कर सकता है। इस नियंत्रण कक्ष से लगातार जलस्तर की निगरानी की जा रही है और सभी संबंधित विभागों से समन्वय बनाकर राहत और बचाव कार्यों को अंजाम दिया जा रहा है।

आरा में लव अफेयर में महिला ने की खुदकुशी, पुलिस ने चिता से उठाया शव

रात में तीन लड़के मिलने आए थे, सौतेले बेटे ने देख लिया था

आरा (भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर में एक महिला ने पंखे से लटककर खुदकुशी कर ली। दोनों हाथ पर जले और गले पर जख्म के निशान मिले हैं। पुलिस को सूचना दिए बगैर परिजन अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट पर पहुंच गए। इस बीच किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची टीम ने चिता से शव को उठाकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा।

मृतका की पहचान पोसवां गांव निवासी अमरेंद्र पासवान की पत्नी सुनीता देवी(30) के तौर पर हुई है। घटना गड़हनी थाना क्षेत्र की है। सौतेले बेटे विकास कुमार ने बताया कि पापा काम के सिलसिले में बाहर रहते हैं। फोन पर किसी लड़के से बातचीत करती थी। किससे बात करती थी ये नहीं पता नहीं है। उसका प्रेम-प्रसंग था। कुछ लड़कों के साथ मैंने देखा था। इस वजह से उसने जान दे दी।

बहन को खाना लेकर भेजा था

विकास कुमार ने आगे कहा, मेरी मां गौरी देवी की मौत 16 साल पहले बीमारी से हो गई थी। उस समय मैं छोटा था। पिता ने सुनीता देवी से 13 साल पहले दूसरी शादी की थी। सौतेली बहन रेणु कुमारी(7) शुक्रवार शाम करीब 7 बजे खाना लेकर दालान पर आई थी। मैंने पूछा कि तुम क्यों आई हो। इस पर उसने कहा कि मां ने भेजा है। घर में सांप निकला है। मुझे कुछ गड़बड़ लगा। जिसके बाद मैं घर पहुंचा। जैसे ही दरवाजा खोला तो तीन लड़के निकलकर भागे। कुछ दूर उसका

पीछा भी किया, लेकिन वो पकड़ में नहीं आया। घर आकर सौतेली मां सुनीता देवी को डांटा और कहा कि मैं पापा का सारी बात बताऊंगा। इतना बोलकर बहन को लेकर सोने के लिए दालान पर चला गया। राता में उसने फांसी लगा ली। सुबह 3-4 बजे के करीब मैं घर पहुंचा तो देखा की पंखे से लटकी हुई है। फिर मैंने अपने पिता को फोन करके जानकारी दी।

शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा- वहीं, गड़हनी थानाध्यक्ष कमलजीत ने बताया कि मृतका का पति बाहर रहता है। आत्महत्या करने के बाद उसके शव को परिजन गांव से चार किलोमीटर दूर दाह-संस्कार के लिए ले गए थे। ग्रामीण द्वारा पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पाकर पुलिस वहां पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

बीमारी से पहली पत्नी की हुई थी - मृतका के पति ने पहली शादी गौरी देवी से थी। 16 वर्ष पूर्व बीमारी के कारण उसकी मौत हो गई थी। पहली पत्नी से तीन पुत्र विकास, राहुल और जयप्रकाश है। इसके बाद उसने चांदी थाना क्षेत्र के लोदीपुर गांव निवासी सुनीता देवी से दूसरी शादी की थी। उससे दो पुत्री रेनू, राधा और एक पुत्र कुंदन उर्फ आशीष है।

सुपौल में कार ने बाइक सवार हेडमास्टर को मारी टक्कर

सिर, नाक, हाथ-पैर में चोटें, हायर सेंटर रेफर, स्कूल से घर लौटने के दौरान हादसा

सुपौल, एजेंसी। सुपौल के डगमारा थाना क्षेत्र में सिकरहट्टा-मझारी सड़क पर कार ने बाइक सवार स्कूल प्रधानाध्यापक को टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों ने घायल को अनुमंडलीय अस्पताल निर्मली पहुंचाया। घायल की पहचान कुमार त्रिपुरारी शरण के रूप में हुई है। वे नथु कोसी +2 उच्च विद्यालय डगमारा में कार्यरत है। एसडीएच निर्मली के डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि प्रधानाध्यापक को सिर, नाक, हाथ और पैर में चोटें आई हैं। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

स्कूल से घर लौटने के दौरान हादसा-तब हुआ जब

प्रधानाध्यापक स्कूल से घर लौट रहे थे। विपरीत दिशा से आ रही कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर से बाइक क्षतिग्रस्त हो गई और प्रधानाध्यापक सड़क पर गिर पड़े। डगमारा थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। कुमार त्रिपुरारी शरण नगर पंचायत निर्मली के वार्ड नंबर-6 की प्रोफेसर कॉलोनी के रहने वाले हैं।

अररिया के व्यक्ति से चाकूबाजी कर मोबाइल-रुपए लूटे थे, दोनों का आपराधिक रिकॉर्ड

दानापुर रेलवे स्टेशन पर यात्री से लूटपाट, 2 गिरफ्तार

दानापुर, पटना, एजेंसी। दानापुर रेल पुलिस ने प्लेटफॉर्म पर लूटपाट के मामले में दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान खगौल निवासी साहिल कुमार उर्फ छोटू और राहुल कुमार के रूप में हुई है। घटना 12 जुलाई की शाम की है। पीड़ित गौरव सिंह शयमपुर अररिया के रहने वाले हैं। वह दिल्ली जाने वाली ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। प्लेटफॉर्म नंबर 4-5 पर टॉयलेट के लिए अंधेरे वाली जगह पर गए। इसी दौरान दो बदमाशों ने उनका मोबाइल छीनने का प्रयास किया। विरोध करने पर आरोपियों ने चाकू से हमला कर दिया। बदमाश मोबाइल और 2200 रुपए लेकर फरार हो गए।

रेल एसपी अमरतेंदु शेखर ठाकुर ने बताया कि पुलिस ने वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर दोनों आरोपियों को पकड़ा। उनके

पास से लूटा गया मोबाइल और एक अन्य चोरी का मोबाइल भी बरामद हुआ है। दोनों आरोपियों का आपराधिक इतिहास है। साहिल के खिलाफ खगौल थाने में दो मामले दर्ज हैं। राहुल के खिलाफ खगौल थाना और आरपीएफ थाने में एक-एक मामला दर्ज है। पूछताछ के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

बढ़ते अपराध पर सवाल पूछने पर भड़के स्वास्थ्य मंत्री

सीवान में मंगल पांडेय ने पत्रकार से कहा-पहले 1993 से 2005 का इतिहास पढ़िए, फिर सवाल पूछिएगा

0**सीवान, एजेंसी।** सीवान पहुंचे सूबे के स्वास्थ्य सह विधि मंत्री मंगल पांडेय ने चुनावी साल में सरकार की उपलब्धियों को गिनाने के लिए प्रेस वार्ता बुलाई थी। जहां योजनाओं और विकास कार्यों पर वो चर्चा कर रहे थे। मंत्री जी तब असहज हो उठे जब एक पत्रकार ने सीवान सहित पूरे बिहार में बढ़ते अपराध पर सवाल पूछ लिया।

सवाल सुनते ही मंत्री जी तिलमिला उठे और पत्रकार पर ही भड़कते हुए न सिर्फ सवाल टाल दिया बल्कि धमकी भरे लहजे में उंगली उठाते हुए कहा-पहले 1993 से 2005 का इतिहास पढ़िए, फिर सवाल पूछिए। मंत्री जी के इस व्यवहार ने प्रेस की स्वतंत्रता पर सवाल खड़ा कर दिया है। एक ओर वे खुद को विधि मंत्री कहते हैं, वहीं दूसरी ओर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को ही डराने और धमकाने का

प्रयास करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 2005 के पहले वे जब ट्रेन से हाजीपुर से सिवान आते थे तो लोग शाम छह बजे के बाद स्टेशन से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं करते थे। 2005 से पहले राजनेताओं के घर पर रहते थे अपराधी बातों-बातों में मंत्री जी ने यह भी कहा कि 2005 से पहले राजनेताओं के घर अपराधी रहते थे। लेकिन पुलिस कार्रवाई करती थी, अपराधी भागते थे पकड़े जाते थे। यानि, अनजाने में ही मंत्री जी ने विपक्ष के कार्यकाल में प्रशासनिक कार्रवाई को स्वीकार कर लिया। जबकि आमतौर पर वे राजद शासनकाल को 'अपराध का स्वर्ण युग' बताते हैं।

विरोधाभास यहीं नहीं रुका। मंत्री जी अक्सर कहते हैं कि राजद सरकार में अपराधी थानों पर कब्जा कर लेते थे और पुलिस मूकदर्शक बनी रहती थी। अब सवाल ये उठता है कि या तो तब पुलिस कार्रवाई करती थी, जैसा उन्होंने खुद कहा, या फिर प्रशासन पूरी तरह अपराधियों के अधीन था? मंत्री जी को शायद यह जानकारी नहीं थी की कुछ ही दिन पहले उनके गृह प्रखंड से महज 25 किलोमीटर दूर तीन लोगों को सरेआम दौड़ा दौड़ाकर तलवार से काट दिया गया।

गया जी में 98 को मिला पुनरीक्षण फॉर्म, 89.5 फीसदी ने जमा कराए

- **गया जी जिले में बढ़ेंगे 604 बूथ**

गया, एजेंसी। गया जी में 98 फीसदी वोटरों को पुनरीक्षण फॉर्म मिल गया है। अब 1200 वोटर पर रखना है एक बूथ डीएम ने शुक्रवार को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक वहीं 89.5 फीसदी वोटरों ने फॉर्म भरकर जमा भी कर दिया है। शुक्रवार को विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 को लेकर डीएम शशांक शुभंकर ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से गया कलेक्ट्रेट में बैठक की। उन्हें पुनरीक्षण की पूरी प्रक्रिया और फॉर्म से संबंधित रिपोर्ट की जानकारी दी गई। डीएम ने बताया कि बीएलओ के माध्य से सभी 10 विधानसभा के कुल 3262 बूथों पर कुल मतदाता 3147156 हैं।

इनमें 3095428 को फॉर्म वितरित कर दिया गया है। वहीं 2817758 ने फॉर्म भरकर जमा भी कर दिया है। जमा किए गए फॉर्म में 2710100 फॉर्म अपलोड कर दिया गया है। अबतक की रिपोर्ट में 62803 वोटर पाए गए मृत बताया गया कि बीएलओ से

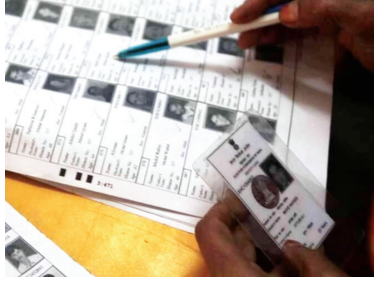

अबतक रिपोर्ट प्राप्त हुई है उसके आधार पर जिले में 62803 मृत, 60378 मतदाता स्थायी रूप से स्थानांतरित और 26824 मतदाता की दोहरी प्रविष्टि है। डीएम ने बताया कि पहले से जिले में बूथों की कुल संख्या 3262 है।

अब 1200 से अधिक निर्वाचक होने के कारण नए प्रस्तावित मतदान केंद्रों की कुल संख्या 604 है। ऐसे में कुल बूथ अब 3866 होंगे। बूथ लेबल एजेंट को सक्रिय करने की अपील डीएम ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से बूथ लेबल ऐंजेंट को सक्रिय करने की अपील की। गणना पत्रक उपलब्ध करवाने में सहयोग की बात कही। जिससे कोई भी योग्य मतदाता का नाम ना छूटे। पुनरीक्षण की प्रमुख तिथियां घर घर जाकर सर्वेक्षण- 25 जून से 26 जुलाई मतदाता सूची प्रारूप प्रकाशन- 1 अगस्त 2025 दावा एवं आपत्ति दाखिल करने की अवधि- 1 अगस्त से 1 सितंबर 2025 तक मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 30 सितंबर 2025।

बिहार के सरकारी स्कूलों में 150 छात्रों पर 5 शिक्षकों की पोस्टिंग होगी

पटना, एजेंसी। बिहार के सरकारी स्कूलों में छात्रों की संख्या के अनुपात में ही शिक्षकों की पोस्टिंग होगी। जिन स्कूलों में शिक्षक अधिक या कम हैं, वहां नया मानक लागू होगा।राज्य में करीब 3000 ऐसे स्कूल हैं जहां शिक्षकों की संख्या छात्रों के मुताबिक अधिक है। ये स्कूल शहरी इलाकों में हैं। अब शिक्षा विभाग इन स्कूलों की जांच करेगा। जिन स्कूलों मे शिक्षक ज्यादा हैं, उन्हें ग्रामीण स्कूलों में ट्रांसफर किया जाएगा। इसका उद्?देश्य शिक्षकों की संख्या को संतुलित करना है। शिक्षा विभाग ने नया मानक तय किया है। इसके अनुसार 150 छात्रों पर 5 शिक्षकों की नियुक्ति होगी। जिसके लिए शिक्षा विभाग की ओर से प्रत्येक जिले से जिलावार स्कूल की संख्या, विषयवार शिक्षक और रिक्त सीटों की संख्या की जानकारी मांगी गई है। शिक्षा विभाग विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने कहा प्रधानाध्यापक

(हेड मास्टर) और प्रधान शिक्षकों की पोस्टिंग की कवयद जारी है।

जिलावार और विषयवार रिक्त सीटों की संख्या के आधार पर म्यूचुअल - बहार के सरकारी स्कूलों में 1.20 लाख शिक्षकों का ट्रांसफर किया जा रहा है। इसमें 75599 शिक्षकों को स्कूल आवंटित कर दिया गया है। शेष 44401 शिक्षकों को रिक्त सीटों के आधार पर स्कूल आवंटित किया जाएगा। इसके बाद ही जिन जिलों में शिक्षकों की संख्या कम होगी, वहां पर पुरुष शिक्षकों का ट्रांसफर होगा। शिक्षा विभाग ने शिक्षकों को आपस में म्यूचुअल करने का निर्देश दिया है। लेकिन शिक्षकों का म्यूचुअल जिलावार और विषयवार रिक्त सीटों की संख्या के आधार पर किया जाएगा।

1 से 5वीं कक्षा तक 40 छात्रों पर 1 और 6 से 8वीं तक 35 छात्रों पर 1 शिक्षक नियुक्त किए जाएंगे - बिहार के सरकारी स्कूलों में छात्रों की संख्या के आधार पर शिक्षकों की पोस्टिंग होगी। इसके लिए मनाक निर्धारित किया गया है। जिसके मुताबिक 1 से 5वीं कक्षा तक में 40 छात्रों पर 1 शिक्षकों की नियुक्ति होगी। इसके साथ ही जिन स्कूलों में 150 छात्र होंगे, वहां पर 5 शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। इस तरह से 6 से 8वीं कक्षा तक में 35 छात्रों पर 1 शिक्षकों की नियुक्ति होगी। इस दौरान जिन स्कूलों में 105 छात्र होंगे, वहां पर 4 शिक्षक रखे जाएंगे। इससे अधिक छात्र होने पर 35 छात्रों पर 1 शिक्षक के नियम का पालन किया जाएगा। इसके साथ ही प्रत्येक स्कूल में प्रधानाध्यापक या प्रधान शिक्षक और आवश्यकता अनुसार शारीरिक शिक्षक की भी नियुक्ति होगी। इसी नियम के आधार पर ही शिक्षकों का ट्रांसफर और पोस्टिंग की प्रक्रिया हो रही है।

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने कहा कि बिहार के कई स्कूलों में 19 से 28 छात्र पर एक शिक्षक का अनुपात है। ऐसे में जिन स्कूलों में शिक्षक और छात्रों का अनुपात मानकों के विपरित है, वहां से टीचरों का ट्रांसफर किया जाएगा। विषयवार प्रत्येक स्कूल में पर्याप्त शिक्षकों की नियुक्ति होगी। शिक्षा विभाग के मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि बिहार के सरकारी स्कूलों में पढ़ाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जिन स्कूलों में शिक्षकों की कमी है, वहां शिक्षकों की पोस्टिंग हो रही है। इसके साथ ही जिन स्कूलों में छात्रों के अनुपात में शिक्षक अधिक है, वहां से शिक्षकों को हटा करके दूसरे स्कूलों में पढ़ाने की जिम्मेदारी दी जा रही है।

बेगूसराय में हथियार के साथ 4 अपराधी गिरफ्तार

कट्टा, पिस्टल और इंसास राइफल की 53 कारतूस हुये बरामद

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। हथियार के साथ एक महिला समेत चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पिस्टल, कट्टा और इंसास राइफल समेत अन्य हथियारों का 53 कारतूस बरामद हुआ है। गिरफ्तार बदमाशों में कुख्यात अपराधी प्रवीण कुमार उर्फ मुन्ना सिंह भी शामिल है।

बखरी डीएसपी कुंदन कुमार ने बताया कि अपराधियों की पहचान प्रवीण कुमार उर्फ मुन्ना सिंह, रोहित कुमार, राजकुमार सिंह के तौर पर हुई है। एक महिला की भी गिरफ्तारी हुई है। 12 जुलाई को चक्का में रूपेश कुमार उर्फ बिट्टू के साथ मारपीट हुई थी। जिसमें प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच और छापेमारी चल रही थी। गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर अपराधियों की गिरफ्तारी हुई। निशानदेही पर पड़ोसी महिला के घर से देसी कट्टा, ऑटोमेटिक सेमी पिस्टल, प्रतिबंधित हथियार इंसास की 10 गोली, 315 बोर का 40 और 0.6 एमएम का 3 कारतूस बरामद मिला है।

हत्या, रंगदारी समेत कई केस दर्ज - डीएसपी कुंदन कुमार ने आगे कहा कि प्रवीण कुमार उर्फ मुन्ना सिंह पर नावकोठी थाने में हत्या, रंगदारी और मारपीट समेत संगीन अपराध के 36 मामले दर्ज है।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड में ट्रेन की चपेट में आने से तीन हाथियों की मौत, रेलवे परिचालन हुआ बाधित

घाटशिला, एजेंसी। दक्षिण पूर्व रेलवे खड़गपुर डिवीजन के सरडीहा झाड़ग्राम सेक्शन में 143 किलोमीटर11/13 पोल संख्या के बीच में रेल ट्रेक पार कर रहे तीन हाथी ट्रेन की चपेट आ गए।

जिससे तीनों हाथी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक हाथी में एक व्यस्क व दो बच्चे शामिल है। ये घटना देर रात 12ः50 बजे हुई है। घटना की रिपोर्ट मिलते ही रात्रि एक बजे अप व डाउन लाइन पर परिचालन रोक दिया गया था। रात में ही रेलवे की टीम घटनास्थल रवाना हो गई थी। घटनास्थल से मृतक हाथियों के शव को हटाया गया। अप लाइन सुबह 6 बजकर 15 मिनट तो डाउन लाइन 7 बजकर 30 मिनट पर चालू किया गया। इस घटना पर अब तक रेलवे के खड़गपुर डिवीजन से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

रांची में बारिश के कारण स्कूल की छत ढहने से एक शख्स की मौत, रेस्क्यू जारी

रांची, एजेंसी। झारखंड में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। रांची में लगातार हो रही बारिश के बीच एक सरकारी स्कूल की इमारत की छत का एक हिस्सा गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य के फंसे होने की आशंका है। पुलिस ने यह जानकारी शुक्रवार को दी।एक अधिकारी ने बताया कि राज्य की राजधानी के पिस्का मोड़ इलाके में स्थित स्कूल के मलबे में फंसे एक व्यक्ति को बचाने के लिए रेस्क्यू अभियान जारी है।सुधदेव नगर पुलिस थाना प्रभारी मनोज कुमार ने एजेंसी को बताया कि एक सरकारी स्कूल की इमारत की छत का एक हिस्सा गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई।उन्होंने कहा कि हमें यह जानकारी मिली कि एक और व्यक्ति अंदर फंसा हुआ है, इसलिए हमने बचाव अभियान के लिए अपनी टीम भेजी है। मनोज कुमार ने बताया कि मृतक एक बुजुर्ग व्यक्ति है। जब छत का हिस्सा गिरो तो वह स्कूल के बरामदे में सो रहा था।उन्होंने बताया कि पुलिस घटना की जांच कर रही है और आगे की जानकारी का इंतजार है। आपको बता दें कि झारखंड में पिछले कई दिनों से भारी बारिश हो रही है।

जामताड़ा में सड़क सुरक्षा का नया नियम : समाहरणालय में बिना हेलमेट प्रवेश निषेध

जामताड़ा, एजेंसी। जामताड़ा जिले में सड़क सुरक्षा को मजबूत करने के लिए प्रशासन ने नया नियम लागू किया है। समाहरणालय परिसर में बिना हेलमेट के प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया गया है। यह नियम सभी सरकारी कर्मचारियों और आम नागरिकों पर समान रूप से लागू है। समाहरणालय के गेट पर अनाधिकृत वाहन प्रवेश का नोटिस लगा दिया गया है। गेट पर तैनात पुलिसकर्मी इस नियम का कड़ाई से पालन करवा रहे हैं। जिले में यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। आम नागरिकों के वाहनों को गेट के बाहर ही खड़ा करवाया जा रहा है। जामताड़ा के डीसी रवि आनंद और एसपी राजकुमार मेहता ने सड़क सुरक्षा की बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए हैं। बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्हें कार्यालयों में प्रवेश से भी रोका जाएगा।जिला परिषद अध्यक्ष राधा रानी सोरेन ने इस पहल का समर्थन किया है। उन्होंने समाहरणालय परिसर में पार्किंग व्यवस्था की मांग की है। प्रशासन का मानना है कि यह कदम सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाएगा और दुर्घटनाओं में कमी आएगी।

टाटानगर-बक्सर एक्सप्रेस में आरपीएफ की कार्रवाई, चित्तरंजन स्टेशन पर 8500 रुपए की अवैध शराब के साथ बिहार का युवक पकड़ाया

जामताड़ा, एजेंसी। चित्तरंजन स्टेशन पर 17 जुलाई को आरपीएफ ने अवैध शराब की तस्करी का एक मामला पकड़ा। टाटानगर-बक्सर एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 18183) में एएसआई पलाश कुमार मोदक और उनकी टीम ने एक संदिग्ध यात्री को पकड़ा। बिहार के समस्तीपुर जिले के रोसरा निवासी राजन कुमार (28) को कोच डी-5 के बाथरूम के पास से गिरफ्तार किया गया। उसके काले बैग से 750 मिलीलीटर की 11 बोतल रॉयल स्टैग व्हिस्की बरामद हुई। प्रत्येक बोतल की कीमत 780 रुपए है। कुल जब्त शराब की मात्रा 8.250 लीटर और कीमत 8,580 रुपए है। पूछताछ में पता चला कि आरोपी आसनसोल से ट्रेन में सवार हुआ था और पटना जा रहा था। उसके पास शराब ले जाने के कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले। एसआई अशोक कुमार की देखरेख में यह कार्रवाई दोपहर करीब 12 : 56 बजे की गई। गवाहों की मौजूदगी में दोपहर 1 : 10 से 1 : 20 बजे के बीच शराब जब्त की गई। जब्त शराब और आरोपी को शाम 3 : 20 बजे आबकारी विभाग, जामताड़ा को सौंप दिया गया।

गिरीडीह में पत्थर खदान में डूबा किसान, खेत में काम के बाद नहाने के दौरान हुआ हादसा

गिरिडीह, एजेंसी। गिरीडीह जिले के हिरोडीह थाना क्षेत्र के दूनीसेर गांव में शुक्रवार को एक दुखद घटना सामने आई। खटोरी पंचायत के 50 वर्षीय किसान अर्जुन सिंह एक पुरानी पत्थर खदान में डूब गए।अर्जुन सिंह रोजाना की तरह अपने खेत में हल चला रहे थे। खेत का काम खत्म करने के बाद वे बैल को धोने और खुद नहाने के लिए गांव के पास स्थित पुरानी पत्थर खदान में गए। खदान में पानी काफी गहरा था। नहाते समय वे अचानक गहरे पानी में चले गए। कुछ ही पलों में वे पानी में डूब गए।आसपास मौजूद लोगों को जब तक घटना की जानकारी मिली, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। सूचना मिलते ही हिरोडीह थाना पुलिस टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से अर्जुन सिंह की तलाश की जा रही है। अभी तक उनका कुछ पता नहीं चल सका है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे खतरनाक और जलजमाव वाले पुराने खदानों की पहचान कर उन्हें सुरक्षा घेरे में लिया जाए। इससे भविष्य में इस तरह की घटनाएं नहीं होंगी।

देवघर कांवरिया पथ पर किन्नर समाज का सेवा शिविर समाज को दे रहा संदेश

देवघर, एजेंसी। श्रावणी मेले के दौरान विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों की ओर से श्रद्धालुओं की सेवा के लिए शिविर लगाए गए हैं। इन शिविरों के माध्यम से श्रद्धालुओं को निशुल्क ठंडा पानी, जूस, बैठने की जगह, दवा आदि मुहैया कराई जा रही है। इस क्रम में देवघर कांवरिया पथ पर किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर राजेश्वरी नंद गिरी उर्फ रोज मौसी की ओर सेवा शिविर लगाया गया है।

रोज मौसी किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनने के बाद राजेश्वरी नंद गिरी के रूप में जानी जाती हैं और वह पूरे देश के साथ-साथ झारखंड के किन्नर समाज के लिए काम करती हैं। रोज मौसी द्वारा लगाए गए शिविर में धार्मिक नियमों का विशेष ख्याल रखा जाता है और श्रद्धालुओं की सेवा की जाती है।श्रद्धालुओं के बीच फल, शरबत, पानी, दवा आदि का निशुल्क वितरण किया जा रहा है।

सेवा शिविर के माध्यम से किन्नर समाज ने दिया संदेश : वर्षों से किन्नर समाज के लिए कार्य कर रहीं रोज मौसी बताती हैं कि उनका प्रयास देवघर जिला में सफल होता दिख रहा है। देवघर और संथाल परगना क्षेत्र के रहने वाले किन्नर मुख्य धारा से जुड़कर लोगों की सेवा कर रहे हैं। किन्नरों के प्रति पूर्व में जो लोगों की भावना थी अब उसमें धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है। लेकिन प्रदेश और पूरे देश में आज भी किन्नर समाज उपेक्षित है। रोज मौसी बताती हैं कि इस शिविर के माध्यम से देश और दुनिया से देवघर आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को वह संदेश देना चाहती हैं कि किन्नर पहले इंसान हैं और फिर उसके बाद वह किन्नर हैं। इसलिए उनके साथ इंसानों जैसा व्यवहार किया जाए।

किन्नर कल्याण बोर्ड का गठन करें सरकार : रोज मौसी ने कहा कि वह अपनी ओर से किन्नर समाज को मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन यदि उन्हें सरकार से सहयोग मिले तो वह किन्नर समाज के लिए और भी बेहतर कार्य करेंगी। उन्होंने किन्नरों के कल्याण के लिए सरकार से मांग करते हुए कहा कि सरकार किन्नर कल्याण बोर्ड का गठन करें, ताकि किन्नर अपनी समस्या खुलकर सरकार के सामने रख सकें। रोज मौसी से जुड़कर समाज के लिए काम कर रहीं मुस्कान किन्नर और रोशनी किन्नर ने बताया कि आज भी झारखंड और देश के कई क्षेत्रों में किन्नरों का तिरस्कार किया जाता है। किन्नरों को गलत-गलत शब्दों से संबोधित किया जाता है। यदि किन्नर अपने साथ हुए दुर्व्यवहार की शिकायत पुलिस प्रशासन या जिला प्रशासन के पास लेकर जाती हैं तो वहां पर बैठे कर्मचारी भी उन्हें सम्मान नहीं देते हैं।

भोलेनाथ का अर्धनारीश्वर रूप : रोज मौसी के साथ काम कर रही किन्नरों ने कहा कि देवघर और आसपास के जिलों में रोज माता के प्रयास से किन्नरों की समस्याओं का समाधान हो रहा है, लेकिन झारखंड और देश के अन्य क्षेत्रों में आज भी किन्नर परेशानियों से जूझ रहे हैं। किन्नर समाज के लोगों ने कहा कि किन्नर भगवान भोलेनाथ के अर्धनारीश्वर के रूप हैं। किन्नर कोई अपने से नहीं बनता, बल्कि भगवान के द्वारा ही उन्हें किन्नर के रूप में पैदा किया जाता है। लेकिन किन्नरों को ना तो परिवार का प्यार मिलता है और ना ही समाज का। देवघर के किन्नरों ने कहा कि जैसे देश के अन्य लोगों को सुविधा मिलती है उसी तरह से किन्नरों को भी सुविधाएं मिलनी चाहिए।

कांवरिया पथ पर किन्नर समाज के द्वारा लगाए गए शिविर के माध्यम से लोगों को यह जानकारी दी जा रही है कि किन्नर धार्मिक आस्था के साथ जुड़े हुए हैं और वह भी आम लोगों की तरह समाज में रहना चाहते हैं। किन्नरों के शिविर कैंप में आने वाले श्रद्धालुओं ने कहा कि जिस तरह से थके-हारे श्रद्धालुओं की सेवा किन्नरों के द्वारा की जा रही है इससे लोगों में किन्नरों के प्रति सम्मान बढ़ेगा और नजरिया भी बदलेगा।

नर सेवा ही नारायण सेवा : वहीं सेवा शिविर में होने वाले खर्च को लेकर शिविर के संयोजक एवं संचालकों ने बताया कि सामाजिक स्तर पर जो भी चंदा या फिर किन्नरों को गिफ्ट मिलते हैं उसी धन से कांवरियों की सेवा की जा रही है। इसके अलावा समाज के नेक लोगों के सहयोग से भी कांवरियों की सेवा की जा रही है। यह सेवा शिविर इसलिए अन्य सेवा शिविर से अलग है, क्योंकि यहां पर इस सोच के साथ सेवा की जाती है कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। इस शिविर के माध्यम से इंसानों को इंसानों के प्रति प्रेम रखने का संदेश भी दिया जाता है। गौरतलब है कि आज भी झारखंड जैसे राज्यों में किन्नरों को स्वास्थ्य सेवा, सामाजिक न्याय सहित विभिन्न परेशानियों से जूझना पड़ता है। जरूरत है समाज में रह रहे किन्नरों को सम्मान दिया जाए, ताकि किन्नर भी अपनी जिंदगी आम लोगों की तरह जी सकें।

यौन शोषण के आरोपित ट्रेनी डीएसपी को हेमंत सरकार ने किया सस्पेंड, गृह विभाग ने जारी किया नोटिफिकेशन

रांची, एजेंसी। शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने होटलों में प्रवेश के लिए फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल करने के आरोपित लोहरदगा के प्रशिक्षु डीएसपी अमित कुमार सिंह को राज्य सरकार ने निलंबित कर दिया है।

निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय डीआईजी रांची के कार्यालय में होगा। इस अवधि में उन्हें केवल जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा। उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही भी चलेगी। गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है।जारी अधिसूचना के अनुसार एक युवती ने ई-मेल के माध्यम से आरोपित प्रशिक्षु डीएसपी अमित कुमार सिंह के विरुद्ध उक्त शिकायत की थी। इस शिकायत की जांच झारखंड पुलिस की एडीजी प्रशिक्षण सह अधुनिकीकरण ने की थी। जांच में आरोपों को सत्य पाया गया।

यह तथ्य भी सामने आया कि आरोपित प्रशिक्षु डीएसपी ने शिकायतकर्ता पर अपनी शिकायत वापस लेने तथा साक्ष्य मिटाने के लिए दबाव बनाया।

एडीजी ने जांच में उनके कृत्य को निंदनीय माना और अपनी जांच रिपोर्ट में लिखा है कि आरोपित डीएसपी ने अपने पद की गरिमा को भी धूमिल किया है। यही वजह है कि उन्हें झारखंड सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2016 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

दूसरी ओर, तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने छत्तरपुर, पलामू में पदस्थापित जिस चिकित्सा पदाधिकारी को अनधिकृत अनुपस्थिति के आरोप में निलंबित किया था, उन्हें आरोपमुक्त कर दिया गया है। जांच के बाद स्वास्थ्य विभाग ने चिकित्सा पदाधिकारी डॉ। मृत्युंजय सिंह को आरोप से बरी करते हुए उन्हें निलंबनमुक्त कर दिया है।

दुस्साहस ! गुमला में पशु तस्करों ने की पुलिस को कुचलने की कोशिश, बैरिकेडिंग तोड़ हुए फरार

गुमला, एजेंसी। झारखंड के गुमला से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां पशु तस्करों ने रायडीह थाना की पुलिस को कुचलने का प्रयास किया। लेकिन पुलिस गाड़ी की रफ्तार को देखकर किनारे हो गयी। इसके बाद तस्कर रायडीह थाना के सामने लगे बैरिकेडिंग को तोड़कर फरार हो गये।

बताया जा रहा है कि मामले में जब पुलिस ने गाड़ी का पीछा किया, तो पशु तस्कर गाड़ी को घने जंगल के पास मुख्य सड़क पर खड़ी कर भाग गये। तस्कर घने जंगल में घुस गये, जिस वजह से पुलिस उन्हें खोज नहीं पायी। हालांकि, पुलिस ने तस्करों द्वारा गाड़ी में लोड पशुओं को वाहन समेत जब्त कर लिया है।

मालूम हो कि छत्तीसगढ़ से झारखंड में हो रहे अवैध गोवंशीय पशुओं की तस्करी रोकने के लिए रायडीह थाना की पुलिस ने कमर कस ली है। हर दिन मवेशी तस्करी के खिलाफ अभियान चलाकर पुलिस मवेशियों को जब्त कर रही है। इसी कड़ी में रायडीह पुलिस ने गुरुवार को एक पिकअप वाहन में तस्करी के लिए ले जा रहे 13 अवैध गोवंशीय पशुओं को जब्त किया है। इसके साथ ही मवेशियों को तस्करी के लिए ले जाने वाले पिकअप वाहन को भी पुलिस ने जब्त कर थाना में रखा है।

हालांकि, पशु तस्कर पुलिस की गिरफ्त से भागने में सफल रहे। इस संबंध में रायडीह थानेदार कुंदन कुमार सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की गयी। कुंदन के मुताबिक, छत्तीसगढ़ की ओर से एक पिकअप वाहन में अवैध गोवंशीय पशुओं को वध करने के लिए तस्कर झारखंड के बूचड़खाना में लेकर जा रहे हैं। इसकी सूचना मिलते ही एक पुलिस टीम का गठन किया गया। साथ ही रायडीह थाना के सामने जांच अभियान शुरू किया गया।

इस बीच देखा गया कि छत्तीसगढ़ से एक पिकअप वाहन आ रही है। पुलिस ने वाहन रोकने का इशारा किया गया। तो वाहन चालक सामने पुलिस को देखकर बैरिकेडिंग तोड़कर गाड़ी को लेकर भागने लगा। तभी रायडीह पुलिस ने उस पिकअप वाहन का पीछा किया। पुलिस को पीछा करते देख तस्कर ने जोड़ाजाम जंगल के पास गाड़ी खड़ी कर दी और जंगल में भाग गया।

वहीं, पुलिस द्वारा पिकअप वाहन की तलाशी ली गयी, तो देखा गया कि वाहन में 13 अवैध गोवंशीय पशुओं ठूंस ठूंस कर भरे पड़े थे।

सब्जी दुकानदारों ने एसडीओ को दी आत्मदाह की चेतावनी, कहा 21 जुलाई को कार्यालय के बाहर देंगे अपनी जान

गुमला, एजेंसी। गुमला शहर के जशपुर रोड से सब्जी दुकानों को हटाने के बाद आक्रोशित दुकानदारों ने आत्मदाह की चेतावनी दी है। दुकान हटाने के बाद दुकानदारों ने गुमला प्रशासन से कहा है कि आप हमें नौकरी दें या फिर जशपुर रोड में 10-10 फीट पर सब्जी दुकान लगाने की अनुमति व जगह दें। इस संबंध में कल गुरुवार को जशपुर रोड के सब्जी विक्रेताओं ने एसडीओ गुमला को लिखित ज्ञापन सौंपकर सभी सब्जी विक्रेताओं को 20 से 25 हजार रुपये की नौकरी देने व नौकरी नहीं देने पर जशपुर रोड में 10 फीट छोड़कर सब्जी दुकान लगाने का आदेश देने की मांग की है।

सब्जी विक्रेताओं ने आवेदन में कहा है कि सभी सब्जी विक्रेताओं ने नगर परिषद से 10-50 हजार रुपये लोन लिया है। जब से प्रशासन ने सब्जी बिक्री करने वाले स्थान पर जेसीबी से खुदाई कराया गय है। तब से सब्जी विक्रेता भुखमरी की कगार में है। ऐसे में वे कैसे लोन भरेंगे और कैसे अपनी जीविकोपार्जन करेंगे। वे सभी लोन भरने में असमर्थ हैं। अगर हमारी मांगे नहीं मानी गयी, तो हमलोग एसडीओ कार्यालय के समक्ष आत्मदाह करेंगे। उक्त सड़क में सब्जी की बिक्री होती है। वहीं हनुमान मंदिर टंगरा में बने शेड में सब्जी की बिक्री नहीं हो पाती थी। जिसकी वजह से हम सभी सड़क के किनारे सब्जी बेचने को मजबूर हैं। ताकि हम अपने परिवार का जीविकोपार्जन कर सके।

दुकानदारों ने कहा अगर 19 जुलाई तक प्रशासन हमारे मांग पर कोई निर्णय नहीं लेता है, तो 21 जुलाई को सभी सब्जी विक्रेता उपायुक्त कार्यालय के समक्ष आत्मदाह करेंगे। क्योंकि लोन से हम सभी ऐसे ही मरेंगे, तो आत्मदाह कर ही अपनी जान देने का निर्णय लिया है। जिसकी सारी जवाबदेही जिला प्रशासन की होगी।

ज्ञापन सौंपने वालों में देवकी देवी, गायत्री, गुलाफो देवी, उपेंद्र कुमार महतो, पूनम देवी बी, आभा रानी, मीना देवी, सीता देवी, पूनम देवी, कलावती देवी, विमला देवी, किशोर साहू, माया कुजूर, संगीता देवी, वीणा देवी, संध्या देवी, केशो देवी के हस्ताक्षर है।

जमशेदपुर में युवक पर फायरिंग, बाल-बाल बचा

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर के गोलमुरी थाना क्षेत्र के टुइलाडुंगरी इलाके में शुक्रवार देर रात एक युवक पर फायरिंग की सनसनीखेज घटना सामने आई है। टुइलाडुंगरी निवासी रौशन नामक युवक अपने एक दोस्त के साथ बाइक से घर लौट रहा था, तभी टुइलाडुंगरी मोड़ के पास पहले से घात लगाए बैठे बाइक सवार बदमाशों ने उस पर गोलियां चला दीं। गनीमत रही कि रौशन को गोली नहीं लगी और वह सुरक्षित बच निकला।

घटना की सूचना मिलते ही गोलमुरी थाना की पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल से गोली के खोखे बरामद किए हैं जिन्हें फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। साथ ही, पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि हमलावरों की पहचान पुख्ता की जा सके।

पुलिस सूत्रों के अनुसार हमलावरों की पहचान कर ली गई है और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। प्रारंभिक जांच में यह मामला आपसी रंजिश का बताया जा रहा है। पुलिस रौशन के पुराने विवादों की भी पड़ताल कर रही है। मामले की तह तक जाने के लिए इलाके के कुछ संदिग्ध युवकों से पूछताछ भी की जा रही है। इस घटना के बाद टुइलाडुंगरी इलाके में दहशत का माहौल बन गया है। स्थानीय लोगों में भय और आक्रोश दोनों देखा जा रहा है। उन्होंने शहर में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं पर चिंता जताई है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि ऐसे अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए ताकि शहर में कानून-व्यवस्था बनी रहे और आम लोग खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें।

चतरा में वज्रपात से घायल महिला को गोबर में लपेटा

कोडरमा, एजेंसी। चतरा जिले के टंडवा थाना क्षेत्र के हेसातू गांव में वज्रपात से घायल महिला को परिवार वालों और ग्रामीणों ने गोबर में लपेटकर घंटों तक जीवित करने की कोशिश की, लेकिन समय पर इलाज नहीं मिलने के कारण उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, गांव के बेलेश्वर भुइयां की 56 वर्षीय पत्नी उगनी देवी अपने आठ माह के पोते को गोद में लेकर घर के बाहर बैठी थीं। इस दौरान बारिश के साथ वज्रपात हुआ और दोनों उसकी चपेट में आ गए। घटना के तुरंत बाद ग्रामीणों ने बच्चे को बाइक से निजी अस्पताल भेज दिया, लेकिन साधन के अभाव में घायल महिला को गोबर में लपेटकर रखा गया। ग्रामीणों का मानना था कि इससे वह जीवित हो सकती है।

डेढ़ घंटे बाद पहुंचा एंबुलेंस : मिली जानकारी के मुताबिक करीब डेढ़ घंटे बाद जब एंबुलेंस गांव पहुंचा, तब तक उगनी देवी की मौत हो चुकी थी। इसके बाद एंबुलेंस बिना मरीज को लिए लौट गई। इस दर्दनाक घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, घटना ने गांव में फैले अंधविश्वास और सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली को उजागर कर दिया है। फिलहाल वज्रपात में घायल आठ माह के पोते का अस्पताल में इलाज जारी है। उसकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है। घटना के बाद गांव में घटना को लेकर शोक और चर्चा का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की मांग की है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

सरकार के गजट और विभागीय सूचना में अंतर से कंफ्यूजन, कर्मचारियों में बढ़ी नाराजगी

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अधीन राज्य स्तर पर क्षेत्रीय शिक्षा कार्यालयों में कार्यरत सभी कर्मचारियों की सेवा अब जिला स्तरीय मानी जायेगी। जानकारी के अनुसार, इस ओर माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने पहल शुरू की है। इसके लिए सबसे पहले सितंबर 2024 में अधिसूचना प्रकाशित की गई। वहीं, मई 2025 में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के आदेश बाद सरकार के प्रभारी सचिव उमाशंकर सिंह की ओर से गजट जारी हुआ है।

बताया जा रहा है कि इसके बाद माध्यमिक शिक्षा निदेशक राजेश प्रसाद ने 11 जुलाई 2025 को सूचना जारी कर क्षेत्रीय स्तर पर सभी शिक्षा कार्यालयों से जुड़े कर्मचारियों को जिला एवं प्रमंडल संवर्ग (नौकरी करने) का चयन करने के लिए उनसे लिखित आवेदन मांगा है। आवेदन देने की समय सीमा 45 दिन तय की गई है। इधर, माध्यमिक शिक्षा निदेशक की ओर से जारी सूचना के बाद क्षेत्रीय शिक्षा संवर्ग के कर्मचारियों में भ्रम की स्थिति बन गई है।

इसे लेकर कर्मचारी बता रहे हैं कि गजट में केवल प्रमंडल चयन करने का उल्लेख है। वहीं, माध्यमिक शिक्षा निदेशक की ओर से जारी सूचना में जिला का भी चयन करने का उल्लेख से कर्मचारियों में भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई है। सूचना पत्र की क्रम संख्या चार में स्पष्ट किया गया है कि जिला संवर्ग का चयन करने वाले कर्मी का प्रमंडल के अंतर्गत जिला का आवंटन निदेशालय द्वारा किया जायेगा। जबकि सरकार के गजट में ऐसा कोई उल्लेख नहीं है। गजट में सभी कर्मचारियों को जिला स्तरीय संवर्ग घोषित कर इसका लाभ लेने का निर्देश है। गजट में प्रमंडल स्तर पर चयन को लेकर कर्मचारियों से सिर्फ एक अवसर मांगा गया है। बता दें कि हजारीबाग जिले के क्षेत्रीय शिक्षा कार्यालय जैसे क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक (आरजेडीई), जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ), जिला शिक्षा अधीक्षक (डीएसई), अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी (एसडीईओ), तीन क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी (आरईओ) बरही, बड़कागांव व सदर एवं जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान (डायट) मिलाकर कार्यरत क्षेत्रीय शिक्षा कर्मचारी (महिला/पुरूष) की संख्या 25 से अधिक है।वहीं, उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के सात जिले हजारीबाग, चतरा, कोडरमा, रामगढ़, धनबाद, गिरिडीह एवं बोकारो मिलाकर कार्यरत क्षेत्रीय शिक्षा कर्मचारी (महिला/पुरूष) की संख्या 150 से अधिक है। कर्मचारी सरकार के जारी गजट एवं विभागीय निदेशक की जारी सूचना में अलग-अलग दिशा-निर्देश पर पहले तो भ्रम की स्थिति में है। दूसरी ओर मन ही मन आंदोलित हो गए हैं।

सीएसआर समिति की बैठक

उपायुक्त ने लक्ष्य प्राप्ति में प्रगति करने का दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में सीएसआर समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने सीएसआर मद से संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की तथा विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों से वार्षिक कार्ययोजना के आधार पर चल रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी ली।

उपायुक्त ने सभी कंपनियों को निर्देशित किया कि किसी भी योजना के क्रियान्वयन से पूर्व जिला प्रशासन की स्वीकृति प्राप्त करना अनिवार्य है, अन्यथा वह योजना सीएसआर मद में मान्य नहीं होगी। उन्होंने कहा कि योजनाओं की शुरूआत से लेकर पूर्ण होने तक की संपूर्ण जानकारी का प्रतिवेदन संबंधित विभाग एवं जिला योजना कार्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

उपायुक्त ने बैठक में स्पष्ट किया कि सभी कंपनियां अपने-अपने क्षेत्रों में टीबी प्रभावित मरीजों को पौष्टिक आहार एवं आवश्यक सहयोग प्रदान करना सुनिश्चित करें। साथ ही, सभी बैंकों को सीएसआर मद के तहत दिए गए लक्ष्य की प्राप्ति में प्रगति करने का निर्देश दिया गया।

उपायुक्त ने उप विकास आयुक्त एवं जिला योजना पदाधिकारी को निर्देश दिया कि सभी कंपनियों और बैंक प्रतिनिधियों के साथ बैठकर पिछड़े जनजातीय समूह, स्वास्थ्य आदि के क्षेत्रों में विकासात्मक गतिविधि के क्रियान्वयन की रूपरेखा तैयार की जाए। उन्होंने सभी कंपनियों को उनके द्वारा संचालित योजनाओं की गति तेज करने का भी निर्देश दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त, जिला योजना पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी, सभी संचालित कंपनियों तथा विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

दनुआ घाटी में टायर लदा ट्रक दुर्घटनाग्रस्त

चौपारण (हजारीबाग)। जीटी रोड स्थित दनुआ घाटी में टायर से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में ट्रक चालक घायल हो गया, जिसे तत्काल प्राथमिक उपचार के लिए भेजा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक सड़क के दूसरी ओर जा पहुंचा और उसमें लदे सभी टायर बिखर कर सड़क पर फैल गए, जिससे यातायात बाधित होने की स्थिति बन गई।

सूचना मिलते ही चौपारण पुलिस मौके पर पहुंची और तत्परता दिखाते हुए न केवल सड़क को सुरक्षित किया, बल्कि मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए खुद टायरों को समेटने और दोबारा लोड करने में मदद की। पुलिस ने घंटों मेहनत कर सड़क से टायर हटवाए और जाम की स्थिति को नियंत्रित किया।

पुलिस द्वारा लोगों से अपील भी की गई कि यदि किसी ने अनजाने में टायर उठा लिए हों तो वे निडर होकर वापस लौटा दें। चौपारण पुलिस की सक्रियता से यातायात शीघ्र ही सामान्य हो सका। खबर लिखे जाने तक ट्रक के टायरों की गिनती और दुर्घटना की विस्तृत जांच जारी थी।

गंगा और सोन के जलस्तर में वृद्धि से निचले इलाके में पानी फैला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। जिले के दानापुर और मनेर प्रखंड के कई गांव इन दिनों गंगा और सोन नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। निचले इलाकों में बाढ़ का पानी घुसने से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। स्थानीय प्रशासन की ओर से राहत या बचाव कार्य की कोई ठोस पहल अब तक नहीं की गई है।

गंगा और सोन नदी के उफनते जलस्तर की वजह से मनेर प्रखंड के किता चौहत्तर पूर्वी पंचायत अंतर्गत छिहत्तर और महावीर टोला गांव को जोड़ने वाली मुख्य सड़क पूरी तरह डूब गई है। इसके चलते इन गांवों का संपर्क मनेर मुख्यालय से कट गया है। गांव की महिलाएं, पुरुष, बुजुर्ग और बच्चे जरूरत के लिए जान जोखिम में डालकर बाढ़ के पानी से होकर आने-जाने को मजबूर हैं।इस बीच, हाथी टोला, इस्लामगंज और दूधैला जैसे निचले इलाकों में सोन सोता नदी का जलस्तर भी लगातार बढ़ रहा है।

दूधैला में निमार्णाधीन पुल का एप्रोच मार्ग बाढ़ के पानी में डूब चुका है, जिससे हल्दी छपरा से चलने वाले ऑटो बंद हो गए हैं। अब ऑटो सेवा दूधैला से ही शुरू हो रही है, जिससे मनेर आने-जाने वाले छात्र-छात्राओं को भारी परेशानी हो रही है। इसी तरह कई अन्य गांवों में भी बाढ़ का पानी तेजी से फैल रहा है, जिससे लोगों में भय का माहौल है। छिहत्तर गांव के ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल नाव की व्यवस्था कराने की मांग की है ताकि लोगों की आवाजाही सुनिश्चित की जा सके। शेरपुर क्षेत्र में बन रहे सोन दिघवारा-शेरपुर पुल के पाये भी जलस्तर बढ़ने से डूबने लगे हैं।

स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि बाढ़ का पानी तेजी से दियारा क्षेत्र के कई निचले गांवों की ओर बढ़ रहा है, जिससे आवागमन की समस्या और गंभीर हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द राहत और बचाव के ठोस इंतजाम नहीं किए गए, तो हालात और भी बिगड़ सकते हैं।

चिकित्सक की लापरवाही से मरीज की गयी जान, हंगामा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नोखा (रोहतास)। रोहतास जिले के नोखा में संचालित न्यू जीवन ज्योति नर्सिंग होम में शनिवार को डिलीवरी के दौरान एक महिला की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि महिला की मौत चिकित्सक की लापरवाही से हुई है। घटना के बाद नर्सिंग होम में अफरा-तफरी मच गई और परिजनों ने जमकर हंगामा किया। वहीं, आरोपित चिकित्सक मौके से फरार हो गया।

मृतका की पहचान अमेठी गांव निवासी सुहागन देवी के रूप में हुई है। उन्होंने ऑपरेशन के दौरान जुड़वां बच्चों को जन्म दिया था।

मृतका की ननद सरस्वती देवी ने बताया कि भाभी का पहले इलाज सासाराम के एक निजी अस्पताल में चल रहा था, लेकिन न्यू जीवन ज्योति नर्सिंग होम के चिकित्सक ने नॉर्मल डिलीवरी का आश्वासन देकर उन्हें नोखा बुला लिया। उन्होंने कहा कि डिलीवरी से पहले भाभी पूरी तरह सामान्य थीं। ऑपरेशन के बाद करीब तीन घंटे तक उन्हें अंदर ही रखा गया और परिजनों को मिलने नहीं दिया गया। इसके बाद अचानक चिकित्सकों ने महिला की मौत की सूचना दी।

महिला की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और उन्होंने नर्सिंग होम में जमकर हंगामा किया। इसी दौरान चिकित्सक चुपचाप नर्सिंग होम छोड़कर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने पर नोखा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझा-बुझाकर शांत कराया। थाना अध्यक्ष दिनेश कुमार मालकार ने बताया कि अभी तक पीड़ित परिवार की ओर से कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिलने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

यह कोई पहला मामला नहीं है जब किसी अवैध या बिना पंजीकृत नर्सिंग होम में लापरवाही से जान गई हो। जिले में ऐसे कई नर्सिंग होम चल रहे हैं, जिन्हें प्रशिक्षित डॉक्टरों की जगह झोलाछाप चिकित्सकों द्वारा संचालित किया जा रहा है।

उपायुक्त ने विभिन्न विकास योजनाओं का किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। जिले की उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी समीरा एस शनिवार को पांकी पहुंची।यहां उन्होंने सर्वप्रथम पांकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होंने चिकित्सकों एवं कर्मियों का बायोमैट्रिक अटेंडेंस,दवा भंडारण, अटेंडरों के बैठने वाले स्थानों, कोल्ड चेन का मेंटेनेंस,प्रसव गृह की स्थिति,जन औषधि केंद्र, बाथरूम की साफ सफाई,बिजली उपकरणों की स्थिति एक्स-रे मशीन से किये जा रहे एक्स-रे आदि की जांच की।इस दौरान उन्होंने डेंटल ओपीडी में डेंटल एक्स-रे मशीन और आई ओपीडी में रीफरैक्शन मशीन की खरीद करने की बात कही।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने संबंधितों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रत्येक वार्ड एवं बाथरूम का विशेष साफ-सफाई कराने के निर्देश दिये।उन्होंने कहा कि मॉनसून में सर्पदंश के मामले अधिक आते हैं।ऐसे में पर्याप्त संख्या में एंटीवेनम तैयार रखें ताकि सर्पदंश के मरीजों को मेदिनीनगर जाने की आवश्यकता ना पड़े,उनका समय बचे व तत्काल पांकी में इलाज सुनिश्चित हो।मौके पर उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन,सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी,सिविल सर्जन डॉ अनिल समेत अन्य उपस्थित रहे।

पांकी पहुंची उपायुक्त द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका अवासीय विद्यालय का भी निरीक्षण किया गया।इस दौरान डीसी सीधे बच्चियों के क्लासरूम पहुंची,उनसे सवाल-जवाब कर पढ़ाई के स्तर की जांच की।होस्टल की जांच के दौरान बच्चियों द्वारा रूम में पंखा नहीं होने को रेखांकित किया,बताया गया कि डबल डेकर बेड होने के कारण एहतियातन पंखा हटाया गया है,इसपर डीसी ने वाल पंखा लगाने की बात कही।वहीं होस्टल में पर्याप्त रोशनी नहीं होने संबंधी विषय पर डीसी द्वारा वार्डन से कारण पूछा गया,बताया गया कि होस्टल में कुछ निर्माण कार्य होने के

कारण यह अस्थाई व्यवस्था है।इसी तरह डीसी ने अभ्यास पुस्तिका समेत छात्रों के बीच किए जाने वाले किट वितरण की जानकारी ली।उपायुक्त ने किचन का भी जायजा लिया,इस दौरान उन्होंने मेन्यू पर होने वाले खर्च की विवरणी की मांग की साथ ही छात्रों को निर्धारित मेन्यू के अनुसार ही भोजन कराने पर बल दिया।इसके पश्चात डीसी ने पांकी जलापूर्ति का भी निरीक्षण किया।यहां ग्रामीणों ने उपायुक्त से प्रतिदिन जलापूर्ति नहीं होने के संबंध में शिकायत की गयी।इस पर एजेंसी द्वारा बताया गया कि नियमित विद्युत आपूर्ति नहीं होने के कारण कभी-कभी जलापूर्ति बाधित हो जाती है।

इसपर उपायुक्त ने एजेंसी के प्रतिनिधि को विद्युत विभाग के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर प्रतिदिन जलापूर्ति सुनिश्चित करने की बात कही।उन्होंने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता को पांकी में प्रतिदिन नियमित जलापूर्ति हो,इस दिशा में सभी आवश्यक कार्य करने को लेकर निर्देशित किया।मौके पर उप विकास आयुक्त,पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता, सहायक एवं कनीय अभियंता उपस्थित रहे।

बीच सड़क पर युवक की चाकू से गोदकर हत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सीवान। जिले में रिश्तों को शर्मसार करने वाली एक दर्दनाक वारदात सामने आई है। बहन से प्रेम करने से रोकना एक युवक को इतना महंगा पड़ा कि उसकी जान ही चली गई। शनिवार को दिनदहाड़े शहर के व्यस्त पकड़ी मोड़ पर एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई।

मृतक की पहचान बड़हरिया थाना क्षेत्र के तिंभेड़िया गांव निवासी हृदयानंद यादव के 18 वर्षीय पुत्र रवि कुमार के रूप में हुई है। रवि के बड़े भाई सूरज यादव के अनुसार, गांव के ही युवक आकाश का उनकी चचेरी बहन से प्रेम संबंध था। रवि इस रिश्ते के खिलाफ था और उसने आकाश को चेतावनी दी थी कि वह उनकी बहन से दूर रहे। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में लंबे समय से विवाद चल रहा था।

शनिवार को रवि देवघर जाने की तैयारी के तहत सीवान बाजार में कपड़े खरीदने आया था। उसी दौरान पकड़ी मोड़ के पास पहले से घात लगाए आकाश, विकास और उनके अन्य साथियों ने उसे घेर लिया। उन्होंने पहले धमकी दी और फिर ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल रवि को मौके पर मौजूद युवकों ने तत्काल सिवान सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर मिलते ही सदर अस्पताल में कोहराम मच गया। गुस्साए परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया और शव को बाइक पर रख गांव ले गए। इसके बाद शव को सड़क पर रखकर जाम कर दिया। आक्रोशित ग्रामीणों ने आगजनी की और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। घटना की पुष्टि करते हुए सदर एसडीपीओ ने बताया कि पकड़ी मोड़ पर चाकूबाजी की घटना में एक युवक की मौत हुई है। परिजनों के मुताबिक, हत्या का कारण प्रेम संबंधों को लेकर चल रहा विवाद है।

साइबर ठगी करते पुलिस ने दो अपराधियों को दबोचा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। पुलिस अधीक्षक डॉ विमल कुमार, गिरिडीह को गुप्त सूचना प्राप्त हुई की गिरिडीह के अहिल्यापुर थाना अन्तर्गत पंदनिया मोड़ से मारगोमुण्डा जाने वाली मुख्य सड़क के समीप नावाडीह गाँव से सटे डंगाल के पास कुछ साइबर अपराधी द्वारा फोन के माध्यम से ठगी किया जा रहा है। उपरोक्त सूचना के आधार पर आबिद खाँ पुलिस उपाधीक्षक साईबर क्राईम गिरिडीह के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी दल के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। वंही गिरफ्तार अभियुक्तों ने अपने स्वीकारोक्ति बयान में बताया कि ये साइबर ठगी करने हेतु दिल्ली जल बोर्ड अपडेट. ऐपक, इलेक्ट्रिसिटी

आठ मोबाइल सहित नौ सिम जब्त

बिल अपडेट .ऐपक, एनडीएमसी (न्यूज दिल्ली म्युनिसिपल कौंसिल) बिल अपडेट.ऐपक आदि का . ऐपक फाइल भेज कर लोगों के साथ ठगी करते है। इस संदर्भ मे साइबर थाना कांड सं0-27/2025 दर्ज किया गया है।

गिरफ्तार अभियुक्तों में मनीष कुमार मंडल उम्र करीब 19 वर्ष पिता-कैलाश मंडल मिथुन कुमार मंडल उम्र करीब 19 वर्ष पिता-राजू मंडल दोनों ग्राम-खिजुरियाटाड़ थाना-मारगोमुण्डा जिला-देवघर के है। वंही इस मौके पर बरामद सामानो का विवरण मोबाइल 08 सिम-09 अभियुक्तों के विरूद्ध दर्ज शिकायतः मनीष कुमार मंडल एवं मिथुन कुमार मंडल के पास से बरामद मोबाइल नम्बर पर कुल 07 शिकायत दर्ज हैं। इस अभियान के छापामारी दल में आबिद खॉ पुलिस उपाधीक्षक साईबर क्राईम गिरिडीह ,पुनि अजय कुमार, गिरिडीह साइबर थाना प्रभारी पुनि गुंजन कुमार, सअनि गजेन्द्र कुमार,थाना प्रभारी गांडेय एवं अहिल्यापुर पुलिस लाइन से प्राप्त सशस्त्र बल शामिल थे।

सेंट्रल जेल में छापेमारी

पूर्णिया। पूर्णिया सेंट्रल जेल में शनिवार सुबह जिला प्रशासन और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने सघन छापेमारी की। इस अभियान का नेतृत्व जिलाधिकारी अंशुल कुमार और पुलिस अधीक्षक स्वीटी सहरावत ने किया। छापेमारी का यह सिलसिला सुबह 7 बजे शुरू होकर लगभग चार घंटे तक चला। इस दौरान जेल के सभी वार्डों की गहन तलाशी ली गई, जिससे कैदियों में खलबली मच गई।

जिलाधिकारी अंशुल कुमार ने बताया कि इस कार्रवाई का उद्देश्य जेल में किसी भी आपत्तिजनक वस्तु की मौजूदगी की जांच और सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण करना था। इस अभियान में अपर समाहर्ता, एसडीएम समेत कई वरीय प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में पुलिस बल शामिल रहे।

जांच के दौरान किसी भी तरह की आपत्तिजनक सामग्री से मोबाइल, तंबाकू या अन्य प्रतिबंधित वस्तुएं बरामद नहीं हुईं।

ओमीलाल आजाद को दी गई श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । माले नेता राजेश सिन्हा ने कहा कि गिरिडीह विधानसभा में लाल झंडा के विधायक चार हुए जिसमें एक कॉमरेड ओमिलाल आजाद थे और कॉमरेड चतुरानन मिश्रा जो तीन बार विधायक गिरिडीह विधानसभा से थे, दोनों के कार्य को भी याद किया गया। सीपीआई नेता ओमीलाल आजाद जो गिरिडीह विधानसभा से 1985 में विधायक बने थें उनका देहावसान 18 जुलाई की सुबह जमशेदपुर में हुआ है। शालीनता और दूरदर्शी विचार के धनी कॉमरेड ओमीलाल आजाद जी को लोग प्यार से ओमी दा कहा करते थें।आज पपरवाटांड स्थित पार्टी कार्यालय में इन्हें याद करते हुए सच्ची श्रद्धांजलि दी गई, माले नेता राजेश सिन्हा ने कहा कि मजदूरो की आवाज थे कॉमरेड ओमिलाल आजाद,कल जिला कमिटी की ओर से पूर्व विधायक राजकुमार यादव और पूर्व विधायक विनोद सिंह के अलावा पूरा जिला कमिटी ने श्रद्धांजलि अर्पित की थी। माले के राजकुमार राय,दिलीप राय कन्हैया सिंह, दिलीप राय,ने कहा कि लाल झंडा के सिपाही ओमिलाल आजाद जी अब हमारे बीच नहीं रहे किन्तु उनकी यादें आज भी गिरिडीह से जुड़ी है।

लिपिक मोर्चा की बैठक में लिये गये कई निर्णय

योग्य लिपिकों को प्रोन्नति एमएसीपीएस प्रदान करें:ओमव्रत झा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड राज्य मुफस्सिल लिपिक मोर्चा के शिक्षा विभाग के लिपिकों का बैठक +2 उच्च विद्यालय गिरिडीह में संघ के जिला अध्यक्ष ओमव्रत झा के अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें जिला अंतर्गत विभिन्न सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में पदस्थापित लिपिकों ने भाग लिया। बैठक में कई मांगे प्रदान एवं समस्याओं का निवारण करने पर विचार करते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी को मांग पत्र समर्पित करने का निर्णय लिया गया। जिसमें योग्य लिपिकों को प्रोन्नति एमएसीपीएस प्रदान करने, स्वस्थ एवं व्यक्तिगत निजी कारणों तथा पारस्परिक स्थानांतरण हेतु समर्पित किए गए स्थानांतरण अभ्यावेदन के आधार पर लिपिकों का स्थानांतरण सहित कई मांगें शामिल हैं।

योग्य लिपिकों का सेवा संपुष्टि किया जाए।कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग झारखंड के अधिसूचना संख्या 1749 दिनांक 27/03/2010 के कंडिका 3क के अनुसार नवनियुक्त लिपिकों के नियुक्ति पत्र में नियुक्त पद/मूल पद का नाम ' निम्न स्तरीय लिपिक के स्थान पर 'निम्न वर्गीय लिपिक किया जाए कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग झारखंड के संकल्प संख्या 3286 दिनांक 04/04/2014 (गजट संख्या 210 दिनांक 12/05/2014) के अनुसार तीन वर्ष पूर्ण करने वाले योग्य लिपिकों को ग्रेड पे 2000/- प्रदान किया जाए।

बैठक में संघ के प्रदेश सचिव विकास कुमार सिंहा प्रदेश कोषाध्यक्ष अनूज कुमार सिंह, प्रदेश उपमहासचिव सह गिरिडीह जिला सचिव, अवधेश कुमार यादव, जिला अध्यक्ष ओमव्रत झा, जिला कोषाध्यक्ष, विशाल कुमार, शैलेंद्र मिश्रा, अनिल मिश्रा, सुभाष मुर्मू, अशोक कुमार, मोहम्मद कलाम, इत्यादि सैकड़ों लोग शामिल हुए।

बीएलओ एवं सुपरवाइजरों की बैठक में कार्यों की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। प्रखंड मुख्यालय स्थित मनरेगा सभा भवन में शुक्रवार को सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजर की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक की अध्यक्षता अवर निर्वाचन पदाधिकारी रोसड़ा राजेश कुमार ने किया। बैठक दौरान अवर निर्वाचन पदाधिकारी मतदाता सूची में सुधार, नए नाम जोड़ने, मृत मतदाताओं के नाम हटाने तथा बीएलओ की जिम्मेदारियों को लेकर समीक्षा किया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी आलोक कुमार सिंह ने सभी बीएलओ को समय पर घर-घर जाकर मतदाता सत्यापन कार्य पूरा करने का निर्देश दिया।

उन्होंने निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार पारदर्शिता एवं निष्पक्षता से कार्य करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने बताया कि बीएलओ की भूमिका लोकतांत्रिक व्यवस्था में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करना ही निष्पक्ष और सफल चुनाव की नींव होती है।

बाल विकास परियोजना पदाधिकारी प्रियंका ने महिला बीएलओ को विशेष रूप से प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे ईमानदारी से कार्य करें और ग्रामीण महिलाओं को मतदान के प्रति जागरूक भी करें। बैठक के अंत में सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजर को आवश्यक प्रशिक्षण सामग्री भी वितरित किया गया। मौके पर अवर निर्वाचन पदाधिकारी रोसड़ा राजेश कुमार,प्रखंड विकास पदाधिकारी आलोक कुमार सिंह, अंचलाधिकारी बिना भारती, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी प्रियंका, पंचायती राज पदाधिकारी राजू कुमार एवं एईआरओ सभी पंचायतों के बीएलओ, सुपरवाइजर एवं अन्य संबंधित कर्मी मौजूद थे।

सलूजा गोल्ड इंटरनेशनल स्कूल में फायर मॉक ड्रिल कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । सलूजा गोल्ड इंटरनेशनल स्कूल ने अपने वार्षिक आपदा प्रबंधन कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को फायर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। अचानक आग लगने की घटना होने पर अग्निकांड से बचने व नुकसान रोकने के लिए अग्निशमन विभाग के अधिकारी रंजीत कुमार पांडेय व कर्मचारियों द्वारा स्कूली बच्चों को मॉक ड्रिल कर बच्चों को आग बुझाने के तरीकों को समझाया। कहा गया कि तरीके से प्रयास करने पर आग पर काबू पाया जा सकता है। अग्निशमन पदाधिकारी शशिभूषण सिंह ने स्कूल के शिक्षकों, छात्र-छात्राओं और कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा व बचाव का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया। वहीं स्कूल के प्रार्चाया ममता शर्मा ने इस प्रशिक्षण की आवश्यकता और महत्व के बारे में बताया, कहा कि इस प्रशिक्षण द्वारा विद्यालय के सभी छात्र व कर्मचारी अपनी सुरक्षा के साथ-साथ दूसरों की सुरक्षा के गुर सीखेंगे। अग्निशमन विभाग की टीम ने सभी प्रशिक्षुओं को एलपीजी गैस सिलेंडर से होने वाली दुर्घटना और उसके

तात्कालिक नियंत्रण चरणबद्ध तरीके से प्रदर्शन किया। आपदा प्रबंधन के सदस्यों ने इस मोचक ड्रिल में सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के दौरान अग्निशमन दल ने छात्रों एवं विद्यालय स्टाफ को आग लगने के संभावित कारणों जैसे बिजली का शॉर्ट सर्किट, गैस रिसाव, असावधानीपूर्वक ज्वलनशील वस्तुओं का प्रयोग आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों क आग लगने की प्रक्रिया, उससे होने वाले नुकसान और उससे बचाव के उपायों को सरल एवं प्रभावी ढंग से समझाया। इसके पश्चात फायर ब्रिगेड अधिकारी द्वारा गैस सिलेंडर में आग लगने की स्थिति में प्राथमिक उपायों का लाइव डेमो के माध्यम से स्थानीय एवं सहज रूप से उपलब्ध वस्तुओं से आग पर काबू पाने के बारे में दिखाया गया। इसके अतिरिक्त उन्होंने आग बुझाने के यंत्र के सही उपयोग की प्रक्रिया को चरणबद्ध रूप से प्रदर्शित किया और सभी को इसके उपयोग में आने वाली सावधानियों से अवगत कराया।

दमकल सहायक अधिकारी रंजीत कुमार पांडेय ने बताया कि आग लगने पर लिफ्ट की बजाय सीढ़ियों का ही प्रयोग करें।

उन्होंने ये बताया कि आग लगने जैसी आपातकालीन स्थिति में दमकल विभाग के हेल्प लाइन नंबर 101 और 112 पर कॉल करके सूचना दें। घबराएं नहीं, धैर्य से काम लें।

इस प्रायोगिक अभ्यास में विद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अन्य स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अग्नि सुरक्षा संबंधी दिशा-निदेर्शों को गंभीरता से सुना और स्वयं भी ह्णआग बुझाने के यंत्रह्व का प्रयोग कर इसका अभ्यास किया। विद्यालय के प्रबंध निर्देशक जोरावर सलूजा ने अग्निशमन दल को विद्यार्थियों को इस आपदा प्रबंधन के गुर सीखाने और उन्हे विस्तृत तरीके से समझाने के लिए आभार प्रकट किया और कहा की आपदा प्रबंधन की ये ट्रेनिंग निश्चित रूप से आपतकालीन स्तिथि में विद्यार्थियों के काम आएगी, जिससे वे अपना और दूसरों का बचाव कर पाएंगे।

बिहार बना निवेश का नया हॉटस्पॉट

नीतीश सरकार के प्रयासों से उद्योगों को लग रहे पंख

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार अब केवल कृषि आधारित राज्य नहीं रहा, बल्कि देश का एक नया औद्योगिक केंद्र बनकर उभर रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य में तेजी से औद्योगिक विकास हो रहा है। 13 करोड़ से अधिक आबादी और देश के सबसे युवा राज्य होने के कारण बिहार का कंज्यूमर मार्केट बहुत बड़ा है और सरकार इसे और विस्तारित करने के लिए सतत प्रयास कर रही है। पहले यह धारणा थी कि बिहार में बड़े पैमाने पर निवेश संभव नहीं है, लेकिन नीतीश सरकार की स्पष्ट और अनुकूल औद्योगिक नीतियों की वजह से ये धारणा बदल गई है। आज बिहार फूड प्रोसेसिंग, कपड़ा, पर्यटन, आईटी और बायोफ्यूल्स जैसे क्षेत्रों में निवेश का पसंदीदा स्थल बन चुका है। बिहार बिजनेस कनेक्ट 2024 इसका बड़ा उदाहरण है जिसमें 1 लाख 80 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों पर हस्ताक्षर हुए और 423 कंपनियों ने भाग लिया। बिहार स्टार्टअप नीति युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित कर रही है। इस नीति के तहत 10 वर्षों के लिए 10 लाख रुपये तक की ब्याजमुक्त सहायता दी जा रही है। राज्य सरकार भूमि अधिग्रहण के लिए भी सहायता दे रही है जिससे गया और पटना जैसे शहर इंडस्ट्री हब के रूप में तेजी से विकसित हो रहे हैं। बिहार में उद्योग लगाने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए सरकार ने सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम लागू किया है। निवेशकों को मात्र 7 दिनों के भीतर भूमि आवंटन किया जा रहा है। साथ ही प्लग एंड प्ले इंडस्ट्रियल शेड जैसे सुविधाएं दी जा रही है जिससे उद्योग जल्द शुरू किए जा सके।

बिहार सरकार निवेशकों को पूंजी सब्सिडी, बिजली शुल्क में छूट, रोजगार सृजन अनुदान, टैक्स राहत, ब्याज प्रतिपूर्ति, पेटेंट सहायता जैसी सुविधाएं ओर विशेष अनुदान जैसे लाभ भी प्रदान कर रहा है। बिहार इथेनॉल उत्पादन प्रोत्साहन नीति लागू करने वाला देश का पहला राज्य है। यहां 8 इकाइयों में उत्पादन शुरू हो चुका है और 60 और इकाइयां भविष्य में शुरू होने वाली हैं। बॉयोफ्यूल्स को प्रोत्साहन देने के लिए नीति बनाई गई है जिसके तहत 5 करोड़ तक की सब्सिडी दी जाती है। बिहार की लेदर एंड टेक्स्टाइल नीति के तहत 10 करोड़ रुपये और लॉजिस्टिक्स सेक्टर के लिए नीति के तहत उद्यमियों को 25 करोड़ तक की सब्सिडी और 60 करोड़ तक की ब्याजमुक्त प्रतिपूर्ति देती है। टेक्सटाइल, लॉजिस्टिक्स, आईटी और पर्यटन के क्षेत्र में भी राज्य सरकार विशेष सब्सिडी और नीतियों से निवेश को बढ़ावा दे रही है।

भाजपा ने बिहार को बनाया तालिबान : तेजस्वी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर विपक्ष लगातार राज्य की मौजूदा एनडीए सरकार पर निशाना साध रहा है। इस बीच प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने बढ़ते अपराध के साथ ही भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे को लेकर हमला बोला है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हेंडल एक्स पर लिखा कि भाजपा ने बिहार को बनाया तालिबान! गया में डॉक्टर को मारी गोली, पटना में दो गुटों में खुली गोलीबारी, पटना में महिला को मारी गोली, रोहतास में व्यवसायी की हत्या, मोदी-नीतीश भाजपाई सरकार बेबस, डीके टैक्स संरक्षित, गुंडे अपराधी बेधड़क! इसके साथ ही तेजस्वी ने शनिवार को एक गाना लॉन्च किया जिसमें भाजपा के कई वादों को उठाया गया है। इस गाने को उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर शेयर किया है। उन्होंने एक्स पर गाने का वीडियो शेयर करते हुए उसके कैप्शन में लिखा है, 'मोदी जी ओ मोदी जी, आदरणीय मोदी जी, आपके झूठ और जुमलों से तंग आकर बिहारवासियों ने आपको यह गाना समर्पित किया है। इस गाने में जहां बंद पड़ी चीनी मिल के फिर से शुरू करने के वादे नहीं निभाने का जिक्र किया गया, वहीं यह भी कहा गया कि बिना चुनाव के पीएम मोदी नहीं आते हैं। इसके अलावा बिहार में पुल टूटने और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति को लेकर भी निशाना साधा गया है।

राजद प्रमुख लालू यादव ने भी पीएम मोदी के बिहार दौरे को लेकर तंज कसते हुए एक्स पर लिखा कि जुमला सुनाने बिहार क्या मतदाता सूची में हेरा-फेरी के बाद आओगे? बिहारी, हेराफेरी तो होने देंगे नहीं'। बता दें कि पीएम मोदी ने शुक्रवार को मोतिहारी के गांधी मैदान में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए विपक्ष पर जोरदार हमला किया था। इस दौरान उन्होंने 7200 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया था।

अपराध को लेकर हर किसी को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी : चिराग पासवान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में बढ़ती आपराधिक घटनाओं को लेकर केंद्रीय मंत्री एवं लोजपा (रा) प्रमुख चिराग पासवान ने शनिवार को नीतीश सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने पुलिस और प्रशासन से जिम्मेदारी निभाने की मांग करते हुए वैशाली में एक बच्ची की हत्या का जिक्र कर कड़ी कार्रवाई करने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा है कि सरकार और पुलिस को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी अन्यथा अपराध की घटनाओं पर लगाम नहीं लगेगी। चिराग पासवान ने कहा कि हर किसी को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। चाहे हमारी सरकार हो या किसी और की, अपराध को ऐसे मैनेज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जब सौगात लेकर आ रहे हैं तो उनकी प्राथमिकताएं अलग हैं। वे बिहार को एक विकसित राज्य बनाने की सोच के साथ कार्य कर रहे हैं जहां तक कानून-व्यवस्था की बात है तो ये सभी जानते हैं कि ये राज्य सरकार का विषय है। ऐसे में प्रधानमंत्री को चिंता नहीं है, यह कहना जायज नहीं है जिस तरीके से हाल के दिनों में आपराधिक घटनाएं बढ़ी हैं जिस तरीके से पारस अस्पताल में घुसकर हत्या की गई इसे जायज नहीं ठहराया जा सकता है।

देश के लिए मिसाल है बिहार में महिलाओं का सशक्तिकरण : ललन सिंह

अब अस्पतालों व प्रखंड कार्यालयों के अलावा आवासीय विद्यालयों की रसोई भी संभालेंगी जीविका दीदियां : मंत्री श्रवण कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। केन्द्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के बिना किसी भी परिवार, समाज, राज्य या देश के विकास की परिकल्पना नहीं की जा सकती। बिहार आज विकास के रास्ते पर इसलिए अग्रसर है कि जब नीतीश कुमार ने वर्ष 2005 में बिहार के मुख्यमंत्री का पद संभाला तो उन्होंने सबसे पहले राज्य में महिला सशक्तिकरण की नींव रखी थी।

पंचायती राज मंत्री ललन सिंह शनिवार को सचिवालय स्थित अधिवेशन भवन में 'महिला सहभागिता से विकसित बिहार की परिकल्पना' विषय पर आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन का आयोजन भारतीय लोक प्रशासन संस्थान और जीविका ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी व पृथ्वी विज्ञान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह, केन्द्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह और बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने भी सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर बिहार सरकार के विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली के महानिदेशक एसएन त्रिपाठी, ग्रामीण विकास विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह समेत राज्य व केंद्र सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी और राज्यभर से आयीं जीविका समूह की दीदियां मौजूद थीं। केन्द्रीय मंत्री ललन सिंह ने कहा कि आज देशभर में 9.2 प्रतिशत की विकास दर के साथ बिहार तीसरे स्थान पर है। इसका मुख्य कारण है महिला सशक्तिकरण। उन्होंने कहा कि महिलाओं की आबादी 50 प्रतिशत है। महिलाओं की शक्ति को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सबसे पहले पहचाना और उन्हे न केवल समाज की मुख्यधारा में लाने के प्रयास तेज किए बल्कि उनमें नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए उन्हें आर्थिक रूप से सम्पन्न बनाने का बीड़ा भी उठाया। उन्होंने सबसे पहले पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया। बाद के दिनों में नीतीश कुमार ने स्वयं सहायता समूहों के जरीये महिलाओं को सशक्त करने की रणनीति बनाई। आज बिहार में 11 लाख स्वयं सहायता समूह हैं और इन समूहों से राज्य की 1.40 करोड़ से भी अधिक महिलाएं जुड़ी हैं। ललन सिंह ने कहा कि बिहार की लड़कियों को शिक्षा से जोड़ने के लिए उन्होंने स्कूली छात्राओं के लिए साइकिल और पोशाक योजना की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि महिलाओं की मांग पर ही मुख्यमंत्री ने वर्ष 2016 में बिहार में पूर्ण शराबबंदी का फैसला लिया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए

भाजपा ने तेजस्वी यादव को बताया 'क्रेडिट चोर'

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए सत्ता और विपक्ष के बीच पोस्टर वार से लेकर सोशल मीडिया तक सियासी जंग तेज हो गई है। इसी कड़ी में भाजपा ने तेजस्वी यादव को 'क्रेडिट चोर' बताते हुए पोस्टर जारी किया तो तेजस्वी ने गाने के जरिए उस पर पलटवार किया। भाजपा ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पेज पर पोस्टर जारी कर लिखा कि बिहार के लोग मस्त, क्रेडिट चोर तेजस्वी पस्त। पोस्टर में दावा किया गया है कि बिहार सरकार ने एक करोड़ रोजगार, 1100 रुपये पेंशन, 125 यूनिट फ्री बिजली और 35 फीसदी महिला आरक्षण जैसे बड़े फैसले लिए हैं, लेकिन तेजस्वी यादव इन उपलब्धियों का क्रेडिट लेने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा के इस पोस्टर वार पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने अलग ही अंदाज में पलटवार किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें एक महिला मोतिहारी में मोदी सरकार पर तंज कसते हुए गाना गा रही है। गाने के बोल हैं, 'मोतिहारी की चाय फीकी है, वह मोदी जी चीनी मिल अपने लगवाए नहीं वह मोदी जी। तेजस्वी ने इस वीडियो को पोस्ट करते हुए लिखा, 'मोदी जी, आपके झूठ और जुमलों से बिहार तंग आ चुका है, बिहारियों ने आपके लिए यह गाना समर्पित किया है।'

मोदी जी के राज में कानून का राज : ललन सिंह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जदयू के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने शनिवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पीएम मोदी के शासन में देश में कानून का राज है। उन्होंने पटना में मीडिया से बातचीत करते हुए लालू यादव, तेजस्वी यादव, राहुल गांधी और ममता बनर्जी पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि दिल्ली का नेता प्रधानमंत्री बनने का सपना देख रहा है और बिहार में जो नेता है, वह मुख्यमंत्री बनने का सपना देख रहा है। सच्चाई यह है कि ये सभी जमीन घोटाला में फंसे हुए हैं। इसलिए चिंता छोड़ दीजिए मोदी जी के राज में कानून का राज है। कानून सम्मत कार्रवाई होगी। गड़बड़ करिएगा तो अंदर जाइएगा। ललन सिंह ने लालू यादव पर चुटकी लेते हुए कहा कि लालू जी बिहार का विकास इतना किए थे कि पूरा शहर चकाचक हो गया था। सड़क का नाम नहीं था..गड्ढा ही गड्ढा था..बिजली कहीं नहीं थी., लालटेन से लोग काम चलाते थे, कानून व्यवस्था गड़बड़ था, लालू के राज में 6 बजे के बाद कोई घर से नहीं निकलता था। बिहार में अपहरण का उद्योग चल रहा था। उन्होंने कहा कि लालू जी तो बोलबे न करेंगे, लालू जी तो बिहार में अपना राज कायम करके मजा ले ही लिए। लालू परिवार का पूरा सदस्य जमीन घोटाला में फंसा हुआ है। वही पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी तीखा हमला बोलते हुए ललन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री जी मां दुर्गा का नाम लेंगे कि मां काली का नाम लेंगे कि जय श्री राम का नाम लेंगे। ममता बनर्जी से पूछ कर लेंगे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी सात्विक आदमी हैं, पूरे मनोयोग से देश की सेवा कर रहे हैं, उनके लिए सभी देवी देवता समान हैं। ममता जी ना सोंचे कि बंगाल में क्या हो रहा है? बंगाल में प्रतिदिन हालत बिगड़ता जा रहा है। बंगाल में सरकार ममता दीदी का है या तृणमूल कार्यकर्ताओं का यह समझ से परे है। ललन सिंह ने मीडिया से कहा कि आप सभी पत्रकार हैं, हम आपसे भी आग्रह करेंगे कि एक दिन बंगाल का टिकट कटा लें। यदि टिकट कटाने में दिक्कत होगी तो हम कटवा देंगे। बंगाल में कोई इलाका में घूमकर चले आईए वहां 100 आदमी से पूछियेगा 90 प्रतिशत आदमी कहेगा कि बंगाल में आतंक की सरकार है, बंगाल में जंगल राज है।

तेजस्वी ने 'वोटबंदी' के खिलाफ देश के 35 दिग्गज नेताओं को अंग्रेजी में लिखा पत्र

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने राज्य में चल रहे मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण को वोटबंदी बताते हुए इसे लेकर देश के 35 बड़े नेताओं को अंग्रेजी में पत्र लिखा है। उन्होंने अंग्रेजी में यह पत्र इस लिए लिखा है। ताकि दक्षिण भारतीय और गैर हिंदीभाषी नेत भी इसे पढ़ सके जिन नेताओं को पत्थर भेजा गया है उनमें लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव आदि प्रमुख हैं। उन्होंने बीजेपी सरकार के इशारे पर चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची पुनरीक्षण की आड़ में मतदान के अधिकार एवं लोकतंत्र पर किए जा रहे हमले के विरुद्ध देश के नेताओं को पत्र लिखा है। हम सब मिलकर इस प्रक्रिया का तब तक विरोध करेंगे जब तक यह पारदर्शी एवं समावेशी न हो। उन्होंने अपने पत्र में लिखा है, मैं आपको गहरी पीड़ा और तात्कालिकता के साथ लिख रहा हूं। बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण का तमाशा और त्रासदी बड़े पैमाने पर मताधिकार से वंचित करके लोकतंत्र की नींव हिला रही है। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि कैसे भारतीय चुनाव आयोग जैसी 'स्वतंत्र संस्था' हमारी चुनावी प्रक्रिया की अखंडता में जनता के विश्वास को खत्म करने पर अड़ी हुई है। इस देश का हर व्यक्ति, चाहे उसकी पृष्ठभूमि या स्थिति कुछ भी हो, अपने वोट पर गर्व करता है। देश के शासन में भागीदारी करने की क्षमता अत्यंत सशक्त बनाती है। उन्होंने लिखा है कि अब लाखों मतदाताओं को, बिना किसी गलती के, अधिकारहीन और अपमानित किया जा रहा है। 16 जुलाई 2025 के इसीआई प्रेस नोट के अनुसार लगभग 4.5% आबादी 'अपने पते पर मतदाता नहीं मिलने' के नाम पर पहले ही मतदान से बाहर हो चुकी है। यह उन 4% लोगों के अतिरिक्त है जो 'संभवतः' मर चुके हैं या स्थायी रूप से स्थानांतरित हो गए हैं। इन आंकड़ों के आधार पर जमीनी पत्रकार और इस प्रक्रिया पर नजदीकी से नजर रख रहे राजनीतिक वैज्ञानिकों का अनुमान है कि मताधिकार से वंचित लोगों की संख्या 12% से 15% के बीच है। यह हमारे देश के इतिहास में अभूतपूर्व है। जैसा कि सर्वोच्च न्यायालय ने भी कहा है एसआईआर का समय संदिग्ध है। चुनाव आयोग ने इस प्रक्रिया की घोषणा और क्रियान्वयन बेतरतीब और मनमानी तरीके से करके खुद के लिए कोई उपकार नहीं किया है। वे पारदर्शी नहीं रहे हैं। वे अपने नियम बना और तोड़ रहे हैं। इससे भी बुरी बात यह है कि वे पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग करने वाले हर व्यक्ति को निशाना बना रहे हैं।

सांस्कृतिक विरासत को संजोने का जिम्मा फिर गुरु और शिष्य पर

योजना के माध्यम से कला प्रेमियों को एक सशक्त मंच प्रदान कर रही बिहार सरकार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार की मिट्टी में रची-बसी अनगिनत लोककलाएं, दुर्लभ संगीत विधाएं, विलुप्तप्राय चित्रकला और शास्त्रीय परंपराएं अब नए सिरे से जीवंत होने जा रही हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में कला संस्कृति एवं युवा विभाग ने राज्य की सांस्कृतिक जड़ों को संरक्षित करने और युवा प्रतिभाओं को इस विरासत से जोड़ने के लिए एक अनूठी पहल 1नपकन्ममुख्यमंत्री गुरु-शिष्य परंपरा योजना की शुरुआत की है। इस योजना का उद्देश्य केवल कलाओं का संरक्षण ही नहीं, बल्कि कला प्रेमियों को एक सशक्त मंच प्रदान करना भी है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए इस योजना के लिए 1.11 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। इसके तहत दुर्लभ और लगभग विलुप्त हो चुकी लोकगाथाओं, लोकनाट्य, लोकनृत्य, लोकसंगीत, लोकवाद्ययंत्र, शास्त्रीय कलाओं और पारंपरिक चित्रकलाओं को फिर से जीवित करने का संकल्प लिया गया है। खास बात यह है कि इन सभी क्षेत्रों में दो वर्षों तक प्रशिक्षित करने के लिए अनुभवी गुरुओं और युवा शिष्यों के बीच पारंपरिक गुरु-शिष्य पद्धति को अपनाया जाएगा। नीतीश सरकार की यह योजना न सिर्फ सांस्कृतिक धरोहर को संजोने का माध्यम बनेगी, बल्कि ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों की छुपी हुई प्रतिभाओं को आगे लाने का भी अवसर देगी। योजना के अंतर्गत चयनित 20 गुरु प्रत्येक को 15,000 रुपये प्रतिमाह, संगतकार को 7,500 रुपये और 160 शिष्यों को 3,000 रुपये प्रतिमाह छात्रवृत्ति दी जाएगी। खास बात है कि प्रशिक्षण की समाप्ति पर भव्य दीक्षांत समारोह का आयोजन होगा, जिसमें प्रशिक्षु अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे और उन्हें सम्मानित भी किया जाएगा। यह योजना राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में संस्कृति के पुनर्जागरण की नींव रखेगी और आने वाली पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक पहचान से जोड़ने का कार्य करेगी। इस योजना के अंतर्गत दो वर्षों तक चयनित कलाओं में नियमित प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को हर माह कम से कम 12 दिन अनिवार्य रूप से उपस्थित रहना होगा।

पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय में यूजी वोकेशनल कोर्स में नामांकन 24 से

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना ने स्नातक वोकेशनल कोर्स में नामांकन के लिए संशोधित तिथि जारी कर दी है। विश्वविद्यालय के अधीन अंगीभूत, सरकारी और संबद्ध कॉलेजों में शैक्षणिक सत्र 2025-28 के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 13 जून से शुरू हो चुकी है। अब अभ्यर्थी 21 जुलाई 2025 तक आवेदन कर सकेंगे। 22 जुलाई को फॉर्म में सुधार का अंतिम मौका मिलेगा। पहली मेधा सूची 24 जुलाई को प्रकाशित होगी जबकि इस सूची पर 27 जुलाई तक नामांकन किया जा सकेगा। कॉलेजों को 28 जुलाई तक नामांकन की वैधता की पुष्टि करनी होगी। दूसरी मेधा सूची 30 जुलाई को जारी होगी और इस पर 3 अगस्त तक नामांकन लिया जाएगा। कॉलेजों को 4 अगस्त तक वैधता सत्यापित करनी होगी। नए सत्र की शुरुआत और विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण 5 अगस्त 2025 से होगा। विश्वविद्यालय में वोकेशनल कोर्स में दस हजार सीटें हैं जबकि आवेदन 4800 ही आवेदन प्राप्त हुए हैं। डीन ने प्रो राजीव रंजन ने बताया कि छात्रों को 21 जुलाई तक आवेदन का मौका दिया गया। सीट से कम आवेदन प्राप्त हुए हैं। सत्र विलंब नहीं हो सके। इस वजह अब तिथि नहीं बढ़ाई जाएगी।

नाबार्ड से ग्रामीण संपर्क को मिली रफ्तार, 4820 किमी सड़कों का हुआ निर्माण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। नाबार्ड की सहायता से राज्य की ग्रामीण सड़कों का बड़ी संख्या में निर्माण कराया जा रहा है। इस योजना के तहत विभिन्न जिलों में स्वीकृत सड़कों के निर्माण की जिलावार प्रगति रिपोर्ट जारी की गई है। इसके मुताबिक 2023 सड़कों के निर्माण के लिए प्रशासनिक स्वीकृति दी गई थी जिनमें से अब तक 1853 सड़कों का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। इन सड़कों की लंबाई 4 हजार 820 किमी से अधिक है। ग्रामीण कार्य विभाग की तरफ से जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक नालंदा जिला इस योजना के तहत सबसे आगे है जहां 214 सड़कों की स्वीकृति में से 199 सड़कों का निर्माण पूरा हो चुका है। नालंदा में 370 किलोमीटर से अधिक का निर्माण हो चुका है। वहीं गया में 129 सड़कों की स्वीकृति दी गई थी जिनमें से 120 सड़कों का निर्माण हो चुका है और कुल 365.78 किलोमीटर लंबाई की सड़कें बन चुकी हैं। वहीं पटना जिले में 166 सड़कों की स्वीकृति दी गई थी जिनमें से 156 सड़कों का निर्माण हुआ है। यहां 328 किमी से अधिक सड़कों का निर्माण हुआ है। वहीं, औरंगाबाद में 244.86 किलोमीटर, दरभंगा में 235.39 किमी, पूर्वी चंपारण में 230.77 किमी, मुंगेर में 202.75 किमी, रोहतास में 176.46 किमी, जहानाबाद में 169.61 किमी, सीतामढ़ी में 151.35 किमी, मुजफ्फरपुर में 139.68 किमी सड़कों का निर्माण हो चुका है। वहीं, गोपालगंज, किशनगंज और नवादा में लगभग काम पूर्ण हो चुका है। ग्रामीण कार्य विभाग के मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि नाबार्ड सहायता प्राप्त राज्य योजना के तहत ग्रामीण सड़कों के निर्माण में बिहार ने जो उपलब्धि हासिल की है, वह राज्य के निरंतर विकास और मजबूत बुनियादी ढांचे की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है। स्वीकृत 2023 परियोजनाओं में से 1853 सड़कों का समयबद्ध और सफल निर्माण इस बात का प्रमाण है कि राज्य सरकार की नीतियां जमीनी स्तर पर प्रभावशाली तरीके से लागू हो रही हैं।

संगीत की तान के साथ सावन के गीतों पर जमकर थिरकी महिलाएं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना में सावन मिलन समारोह की धूम है। पटना के होटल प्रेम रेजिडेंसी में प्रगति मंच की ओर से सावन संगम का आयोजन किया गया। रजनी सिंह एवं सोनी गुप्ता ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया था जिसमें महिलाओं ने हरे रंग की साड़ी और चूड़ी पहनकर उत्साह से भाग लिया। गीत, संगीत की धुन पर मस्ती के बीच सावन मिलन उत्सव मनाया गया जहां हरे परिधानों में सजी महिलाओं ने सावन गीतों पर नृत्य किया। सावन के महीने में महिलाओं द्वारा सावन मिलन समारोह का आयोजन उत्साह और पारंपरिक संस्कृति का प्रतीक है। इस दौरान महिलाओं ने हरे रंग के आकर्षक परिधान पहने, मेहंदी लगवाई और सावन के गीतों पर झूमकर सावन की मस्ती का आनंद लिया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे पूर्व मंत्री समीर महासेठ ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर बिहार राज्य महिला आयोग की सदस्य पिंकी कुशवाहा एवं समाजसेवी वीणा मानवी भी उपस्थित रहीं। पूर्व मंत्री समीर महासेठ ने सभी महिलाओं को सावन की शुभकामनाएं दीं और हमेशा प्रसन्न रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सावन का बड़ा ही महत्व है। भगवान शिव की महिमा इस माह में बरसती है जिसे सभी आशीर्वाद के रुप में प्राप्त करते हैं। पिंकी कुशवाहा व वीणा मानवी ने भी उपस्थित सभी महिलाओं को सावन की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम की आयोजक रजनी सिंह ने बताया कि सावन महिलाएं के लिए विशेष महत्व रखता है। हम सभी भक्ति के साथ सावन की हरियाली को अपनी संस्कृति का प्रतीक मानते हैं। आयोजक सोनी गुप्ता ने बताया कि सावन में सजने संवरने का खास महत्व होता है। यही वजह है कि हम सावन में श्रृंगार रस की धारा में डूबते हैं। आज सावन संगम के दौरान गीत, संगीत के साथ नृत्य का दौर चला। साथ ही रैंप वॉक, क्वीज व फनी गेम भी हुए।

इनर ह्वील क्लब गया सिटी ने इंस्टालेशन सेरोमनी मनाया

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गया जी। हर साल की तरह इस बार भी इंस्टालेशन सेरेमनी का आयोजन इनर ह्वील क्लब ऑफ गया जी सिटी द्वारा किया गया है। इसकी मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष रश्मि गुप्ता आमंत्रित थीं। इसकी शुरुआत जिलाध्यक्ष के साथ विष्णुपद मन्दिर में डस्टबीन और व्हील चेयर दान किया गया है। इसमें अध्यक्ष सीमा भदानी, सःध्यक्ष स्मिता भदानी सेक्रेटरी मन्दाकिनीजी, पी पी रीना प्रसाद, स्वीटी आदि शामिल थीं। फिर वहां से इंस्टालेशन सेरेमनी में सारे अतिथिगण पी डी सीकिरण प्रकाश, अंजना पोद्दार, गीता अग्रवाल और क्लब ऑफ सनराइज की अध्यक्ष निभाजी, क्लब ऑफ ओजस्वी की अध्यक्ष प्रिया डालमिया जी शामिल थीं। सारे अतिथियों को तिलक लगाकर पौधे देकर उन्हें सम्मानित किया गया। फिर दीप प्रज्ज्वलन में सारे अतिथि शामिल हुए। सी जी आर शिखा रानी के द्वारा जिला अध्यक्ष रश्मि गुप्ता का परिचय दिया गया है। फिर पी पी मुक्ता अग्रवाल के द्वारा जिलाध्यक्ष के समक्ष सिमा भदानी को इंस्टालेशन कोट पहनाया गया है। फिर सभी पदस्थापित सदस्यों को जिलाध्यक्ष के द्वारा बैच पहनाया गया है इसके बाद सभी पदस्थापित सदस्यों ने अपना - अपना कार्य बताया।

संपादकीय

भारत ने एससीओ में दिखाया पाकिस्तान का असली चेहरा

आतंकवाद अब पूरी दुनिया में शांति और स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बन गया है। इसे जड़ से खत्म करने के लिए सामूहिक प्रयास के दावे तो बहुत किए जाते हैं, लेकिन धरातल पर ऐसा कुछ होता नजर नहीं आ रहा है। इसका कारण है कुछ देशों की कथनी और करनी में अंतर, जो कई अवसरों और मंचों पर साफ नजर आता है। इस मामले में भारत की नीति और नीयत पूरी तरह स्पष्ट है कि आतंक को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं, पाकिस्तान जैसे मुल्क दोहरे मापदंड अपना कर एक तरफ खुद को आतंकवाद से पीड़ित बताते हैं, दूसरी ओर अपनी जमीन पर आतंकियों की फौज भी तैयार कर रहे हैं।इन तथ्यों का आकलन शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की हालिया बैठकों में आतंक के मुद्दे पर भारत और पाकिस्तान के रुख से किया जा सकता है। चीन के तियानजिन में बीते मंगलवार को हुई एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दो टूक कहा कि इस समूह को आतंकवाद से निपटने के अपने स्थापना उद्देश्य पर कायम रहना चाहिए। भारत आतंकवाद के खात्मे के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस दिशा में सामूहिक प्रयासों को मजबूत करने के लिए नए विचारों और प्रस्तावों पर सकारात्मक रुख अपना रहा है। एससीओ की स्थापना के मूल उद्देश्य में आतंकवाद, अलगाववाद और चरमपंथ से निपटने के मुद्दे भी शामिल थे। हालांकि, इस संगठन में शामिल पाकिस्तान और चीन की दखल से इन मुद्दों को हाशिये पर धकेलने का प्रयास किया जाता रहा है। इसके पीछे नापाक मंसूबे छिपे हुए हैं, जो आतंकियों का वित्त पोषण कर उन्हें हथियार की तरह इस्तेमाल करने से प्रेरित हैं। भारत कई बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान के इन खतरनाक इरादों को बेनकाब कर चुका है। हालांकि पाकिस्तान हमेशा इससे इनकार करता आया है।एससीओ सम्मेलन में भी उसने पहलगाम आतंकी हमले में अपनी भूमिका नहीं कबूली। जबकि, कंधार विमान अपहरण से लेकर मुंबई हमले, संसद पर हमला तथा उरी, पठानकोट और पहलगाम हमले में उसका हाथ होने की बात साक्ष्यों के साथ जाहिर हो चुकी है। वैश्विक आतंकवाद वित्त पोषण निगरानी संस्था एफएटीएफ की हालिया रपट में भी इस बात का उल्लेख किया गया है कि पहलगाम आतंकी हमला बिना वित्त पोषण के संभव नहीं था।इससे पहले जून में हुए एससीओ के रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले का हवाला देते हुए कहा था कि कुछ देश अपनी नीतियों में सीमापार आतंकवाद को एक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं और आतंकियों को पनाह दे रहे हैं। इसके बाद जब सम्मेलन का संयुक्त घोषणा-पत्र तैयार किया गया, तो उसमें पहलगाम आतंकी हमले का कोई जिक्र नहीं था और भारत ने इसका कड़ा विरोध किया था।इससे पाकिस्तान और चीन के मंसूबों का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। अगर ये देश वास्तव में आतंकवाद को खत्म करने की इच्छा रखते हैं, तो संयुक्त घोषणा-पत्र में पहलगाम हमले की निंदा करने से गुरेज क्यों किया गया? दोराय नहीं कि ऐसे दोहरे मापदंड को खत्म करना बेहद जरूरी है और एससीओ जैसे मंच को ऐसी ताकतों की खुलेआम आलोचना करनी चाहिए। अब जरूरी है कि आतंकवाद के वित्त पोषकों और प्रायोजकों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए ईमानदारी से प्रयास किए जाएं।

भारत का रूस के साथ व्यापार, खासतौर से तेल आयात, अब अमेरिका और पश्चिमी देशों को बहुत अखरने लगा है। उन्?होंने भारत पर तलवार लटका दी है। यह किसी 'अग्निपरीक्षा' से कम नहीं है। भारत पर अपनी ऑयल स्?ट्रैटेजी को बदलने का भारी दबाव है। रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते भारत का रूसी तेल आयात पश्चिमी देशों के बयानबाजी का केंद्र बना हुआ है। नाटो के महासचिव मार्क रुटे और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसे नेताओं ने भारत, चीन और ब्राजील को रूस के साथ व्यापार जारी रखने पर सेकेंडरी सैंक?शनंस और भारी टैरिफ की चेतावनी दे दी है। इन धमकियों को रूस पर दबाव डालने की रणनीति का हिस्?सा माना जा रहा है ताकि वह शांति वार्ता के लिए गंभीर हो। हालांकि, भारत ने अब तक रूस से अपने तेल आयात में कटौती नहीं की है। अपनी ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को उसने सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखा है।

अमेरिका-यूरोप ने लटका दी है तलवार... रूस के कारण भारत की 'अग्निपरीक्षा'

(अमित शुक्ला)

भारत और रूस के बीच व्यापारिक रिश्ते पश्चिमी देशों को परेशान कर रहे हैं। विशेष रूप से तेल के आयात को लेकर अमेरिका और पश्चिमी देश कुछ ज्?यादा ही चिंतित हैं। नाटो के महासचिव ने भारत, चीन और ब्राजील को व्यापार जारी रखने पर प्रतिबंधों की चेतावनी दी है। ट्रंप भी धमकी दे रहे हैं।

भारत का रूस के साथ व्यापार, खासतौर से तेल आयात, अब अमेरिका और पश्चिमी देशों को बहुत अखरने लगा है। उन्?होंने भारत पर तलवार लटका दी है। यह किसी 'अग्निपरीक्षा' से कम नहीं है। भारत पर अपनी ऑयल स्?ट्रैटेजी को बदलने का भारी दबाव है। रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते भारत का रूसी तेल आयात पश्चिमी देशों के बयानबाजी का केंद्र बना हुआ है। नाटो के महासचिव मार्क रुटे और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसे नेताओं ने भारत, चीन और ब्राजील को रूस के साथ व्यापार जारी रखने पर सेकेंडरी सैंक?शनंस और भारी टैरिफ की चेतावनी दे दी है। इन धमकियों को रूस पर दबाव डालने की रणनीति का हिस्?सा माना जा रहा है ताकि वह शांति वार्ता के लिए गंभीर हो। हालांकि, भारत ने अब तक रूस से अपने तेल आयात में कटौती नहीं की है। अपनी ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को उसने सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखा है।

वहीं, इकोनॉमिक थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव का मानना है कि भारत को रूस से तेल खरीदने के अपने फैसले पर अडिग रहना चाहिए। उसे अमेरिका के दबाव को खारिज कर देना चाहिए। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव के अनुसार, रियायती रूसी कच्चे तेल ने ग्?लोबल उथल-पुथल के बावजूद भारत को महंगाई कंट्रोल में रखने और मैक्रोइकॉनोमिक स्थिरता बनाए रखने में भूमिका निभाई है। उनका तर्क है कि बाहरी दबाव में अपनी नीति बदलने से अमेरिकी धमकियां खत्म नहीं होंगी, बल्कि यह केवल और अधिक मांगों को दावत देगा। श्रीवास्तव ने यह भी जोड़ा कि वाशिंगटन के साथ एक व्यापार सौदा भी संरक्षण की गारंटी नहीं देगा। कारण है कि ट्रंप बाद में टारगेट बदल सकते हैं।

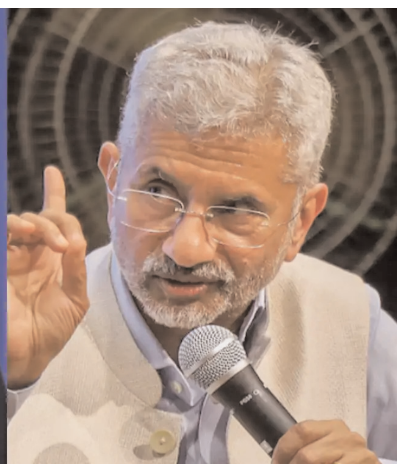

भारत पर लटक रही है तलवार

अमेरिका के साथ चल रहे व्यापार युद्ध और टैरिफ की अनिश्चितताओं के बीच भारत का रूस के साथ व्यापार फिर से पश्चिमी देशों की बातों में छाया हुआ है। ये बातें रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर हो रही हैं। नाटो के सेक्रेटरी जनरल मार्क रूटे ने बुधवार को कहा कि अगर भारत, चीन और ब्राजील जैसे देश रूस के साथ व्यापार करना जारी रखते हैं तो उन्हें सेकेंडरी सैंक्शंस का बहुत बुरा असर झेलना पड़ सकता है। रूटे ने वाशिंगटन में कहा कि रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को फोन करके कहना चाहिए कि उन्हें शांति वार्ता को लेकर गंभीर होना पड़ेगा। नहीं तो इसका ब्राजील, भारत और चीन पर बहुत बुरा असर पड़ेगा।

कुछ हफ्ते पहले भारत में अमेरिका के एक बिल को लेकर चिंता जताई गई थी। इस बिल में रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव है। हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी धमकी दी थी कि अगर 50 दिनों के अंदर रूस-यूक्रेन के बीच शांति समझौता नहीं होता है तो रूसी सामान खरीदने वालों पर 100 प्रतिशत की दर से 'कड़े' सेकेंडी टैरिफ लगाए जाएंगे।

पुति?न पर दबाव बनाने की रणनी?ति

इंडस्ट्री के जानकारों और एक्सपर्ट्स का मानना है कि ये सब पुतिन पर दबाव बनाने की रणनीति है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि रूस से आयात करने वाले देशों पर दबाव बनाया जा सके। भारत ने अभी तक रूस से तेल का आयात कम नहीं किया है। भारत का कहना है कि वह सबसे अच्छी कीमत पर तेल खरीदने को तैयार है, बशर्ते कि तेल पर कोई सैंक्शन न लगा हो। अभी रूसी तेल पर सीधे तौर पर कोई सैंक्शन नहीं है। लेकिन, अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने 60 डॉलर प्रति बैरल की कीमत सीमा तय की है। इसके अनुसार, अगर रूसी तेल की कीमत इस स्तर से ऊपर जाती है तो पश्चिमी शिपर्स और इंश्योरेंस कंपनियां रूसी तेल के व्यापार में शामिल नहीं हो सकती हैं। भारत और चीन रूसी तेल के सबसे बड़े आयातक हैं।

भारत सरकार अमेरिकी सांसदों और ट्रंप प्रशासन के साथ बातचीत कर रही है ताकि भारत की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर अपनी चिंताएं बता सके। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 88 प्रतिशत आयात करता है। रूस लगभग तीन सालों से भारत के तेल आयात का मुख्य स्रोत रहा है। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद पश्चिमी देशों ने रूसी तेल से किनारा कर लिया। इसके बाद रूस ने इच्छुक खरीदारों को अपने तेल पर छूट देनी शुरू कर दी। भारतीय रिफाइनर ने तुरंत इस मौके का फायदा उठाया। नतीजा ये हुआ कि रूस, जो पहले भारत को तेल की थोड़ी-बहुत सप्लाई करता था, अब भारत के लिए कच्चे तेल का सबसे बड़ा स्रोत बन गया है।

इसने पारंपरिक पश्चिम एशियाई सप्?लायर्स को पीछे छोड़ दिया है। समय के साथ छूट में बदलाव आया है। लेकिन, पश्चिमी देशों के दबाव और रूस के तेल व्यापार पर लगे सीमित सैंक्शंस के बावजूद भारत में रूसी तेल का प्रवाह मजबूत बना हुआ है। रूस के साथ बढ़ते तेल व्यापार ने रूस को भारत के सबसे बड़े व्यापारिक भागीदारों की लिस्ट में भी ला दिया है।

अभी इसे कई चुनौतियों से जूझना होगा

(अरविंद रावल)

आंकड़े बताते हैं कि भारत में अमीरों की संख्या बढ़ना भले ही बाजारवाद की दृष्टि से गर्व करने वाली बात हो, पर हकीकत यही है कि हमारे देश की एक बड़ी आबादी आज भी सरकार पर निर्भर है। ऐसे में, स्वाभाविक ही टेस्ला को कई चुनौतियों से जूझना होगा। एलन मस्क निस्संदेह दुनिया के बड़े उद्योगपतियों में शुमार हैं और विश्व भर में उनकी कंपनियों के उत्पाद बिकते हैं। मगर भारत के ऑटो बाजार में उनका उतरना शायद ही फायदेमंद हो सकेगा।असल में, भारतीय बाजार की रीढ़ मध्यमवर्गीय लोग हैं। ये वे लोग हैं, जिनकी सालाना आमदनी पांच लाख रुपये से लेकर 20 लाख रुपये तक है। अधिक कमाने वाले लोग बेशक महंगी गाड़ियों का शौक रखते होंगे, लेकिन अधिकतर लोगों की पसंद सस्ती और टिकाऊ गाड़ियां होती हैं। इसके विपरीत, एलन मस्क की टेस्ला कार अत्याधुनिक तकनीकी से लैस है, जिसके कारण इसकी शुरुआती कीमत 60 लाख रुपये रखी गई है। भारतीय सड़कों पर इतनी महंगी गाड़ियां गिनी-चुनी ही दिखती हैं। फिर, यहां तकनीक को कितने लोग आत्मसात कर पाए हैं? कई तो सिर्फ इसलिए किसी नई तकनीक से तौबा कर लेते हैं, क्योंकि उनको लगता है कि इसमें उनकी अतिरिक्त ऊर्जा खर्च होगी। इसी कारण भारत में सस्ती गाड़ियां ज्यादा बिकती हैं। टाटा ने लखटकिया कार की संकल्पना भी इसी कारण से की थी। बाजार में आमतौर पर पांच से दस लाख तक की गाड़ियां ही ज्यादा दिखती हैं। ऐसे में भला 60-70 लाख रुपये की कितनी गाड़ियां टेस्ला कंपनी बेच सकेगी?एलन मस्क का भारतीय बाजार में अपनी बहुप्रतीक्षित टेस्ला कार बेचने का सपना देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में पूरा हुआ है। वह लंबे समय से अपनी इलेक्ट्रिक कार भारतीय बाजार में उतारना चाहते थे, लेकिन ऊंचे सीमा शुल्क के कारण उनकी कार की कीमतें भारत के लिहाज से काफी ज्यादा हो रही थीं, जिसके कारण उनका विचार लगातार टलता गया। चूंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में वह अमेरिकी प्रशासन का हिस्सा थे, इसलिए उनके लिए राहें शायद आसान हो गईं। फिर भी, यदि उनको भारतीय ऑटो क्षेत्र में नेतृत्व करना है, तो मध्यवर्गीय लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखकर कारें बनानी होंगी। हां, जब यहां प्रतिव्यक्ति आय में बढ़ोतरी होगी या लोग इस लायक बन जाएंगे कि महंगी गाड़ियां आसानी से खरीद सकें, तब शायद टेस्ला की इलेक्ट्रिक गाड़ियों की मांग बढ़ जाए। तब तक तो एलन मस्क को भारतीय उपभोक्ताओं की मानसिकता को समझकर ही आगे कदम बढ़ाना चाहिए।

बादल जब उमड़ते हैं, वे जीवन की नई संभावनाएं लेकर आते हैं

(अनन्या मिश्रा)

बादल हमें यह भी सिखाते हैं कि हर घटना का एक उचित समय होता है। इसके लिए धैर्य की आवश्यकता होती है। यह वह धैर्य है जो अध्यात्म की नींव है। 'कालः कर्षति भूतानि', समय ही सबका निर्माता है।

क्या आपने कभी पहली वर्षा की उस गंध को महसूस किया है, जो तपती हुई धरती से उठती है? जैसे वर्षों पुराना कोई वादा पूरा हो गया हो? जैसे आकाश ने धरती को फिर से स्मरण किया हो? बादल जब उमड़ते हैं, तो वे जीवन की नयी संभावनाएं लेकर आते हैं। वर्षा केवल खेतों की नहीं, अंतरात्मा की भी सिंचाई करती है। वह बताती है कि ठहराव के बाद गति और सूखे के बाद हरियाली भी संभव भी वही प्रत्यास्थिता है, कि हम कितनी भी बार टूटें, फिर भी पुनः खिल सकते हैं। जैसे धरती जल को पीती नहीं, आत्मसात करती है; वैसे ही साधक प्रत्येक अनुभव को पीड़ा नहीं, प्रज्ञा में बदलता है। इसी प्रकार, जब बादल बिना किसी कारण के छा जाते हैं, और आसमान को घेर लेते हैं, वह अनिश्चितता नहीं, प्रतीक्षा होती है। उस प्रतीक्षा में आनंद छिपा होता है। श्रीमद्भगवद्गीता में कहा गया है कि जो योगयुक्त होता है, वह सहजता से आनंद को प्राप्त करता है। ठीक वैसे ही, जब हम जीवन की वर्षा का स्वागत करना सीख लेते हैं, बिना भय, बिना आशंका, तो वही साधारण क्षण एक महान अनुभव बन जाता है। वर्षा जब गिरती है, तो वह सबको

है। जैसे बादल धीरे-धीरे आकार लेते हैं, वैसे ही साधना से भीतर की अनुभूति पूर्णता की ओर बढ़ती है। यही तो वेदों का संदेश है, कि ऋतुओं के परिवर्तन में ही ब्रह्म की गति है, और जब पहली बूंद गिरती है, तो वह चेतना की पुकार होती है।

वेदों में वर्षा को 'ऋतस्य गर्भः' कहा गया है, वह जो ऋतु (नियम, गति, धर्म) को जन्म देती है। प्रकृति की यह स्थायी पुनरावृत्ति हमारे भीतर की चेतना को एक नया प्रारंभ देती है। वर्षा का हर आगमन हमें यह सिखाता है कि हर अंत के बाद एक नव आरंभ संभव है। जब भूमि महीनों तक तपकर कठोर हो जाती है, तो वह पहली बूँद को आत्मसात कर फूल जाती है। हम भी जीवन में कई बार ऐसे कठिन काल से गुजरते हैं, जहां भावनाएं सूख जाती हैं, संबंध बंजर हो जाते हैं, और विश्वास की भूमि दरकने लगती है। लेकिन यदि धैर्य रखा जाए, तो भीतर का आकाश भी बादलों से भर सकता है। यह वर्षा केवल बाहर नहीं, भीतर भी घटती है।

मनोविज्ञान में एक सिद्धांत है, 'रिलायंस' (प्रत्यास्थिता), जिसका अर्थ है- कठिन परिस्थितियों से पुनः उठ खड़ा होने की क्षमता। यह वही है जो वृक्षों के सूखने के बाद पुनः हरे-भरे पत्तों से पूर्ण कर देता है। हमारी आत्मा में एकसमान छूती है, यह समदृष्टि हमें सिखाती है कि आत्मिक दृष्टि किसी में भेद नहीं करती।

बादल हमें यह भी सिखाते हैं कि हर घटना का एक उचित समय होता है। इसके लिए धैर्य की आवश्यकता होती है। यह वह धैर्य है जो अध्यात्म की नींव है। 'कालः कर्षति भूतानि', समय ही सबका निर्माता है। साधना में भी यही होता है, हम जब भीतर की आग को सहते हैं, तब कोई अदृश्य शक्ति धीरे-धीरे बादलों को हमारे अंतरिक्ष में एकत्र करती है, और जब भीतर के तप की घड़ी पूरी होती है, तब वर्षा गिरती है। कभी वह करुणा बनकर, कभी मौन बनकर, कभी आत्म-ज्ञान की बूँद बनकर सामने आती है।

वर्षा की बूँद का स्थिर स्वर हमें भीतर के मौन से परिचित कराता है, जहाँ शब्द नहीं, केवल अनुभव होता है। प्रकृति के इस चक्र में एक और रहस्य है, हर वर्षा के बाद इंद्रधनुष का उगना। वह सात रंग जो इस बात का प्रतीक है कि जीवन में हर अनुभव, चाहे वह सुख हो या दुःख, एक रंग है, और सब मिलकर ही पूर्णता बनाते हैं। यदि एक भी रंग न हो, तो इंद्रधनुष अधूरा है।

इसी प्रकार, जीवन में जो वर्षा हमें दुखी करती है, वही हमें रंगों से भर देती है।

चुनाव के आसपास बढ़ते भाषाई विवाद

नव नियुक्त राज्यसभा सांसद उज्जवल निकम ने जो बताया, वह ज्यादा महत्वपूर्ण है कि प्रधानमंत्री ने फोन पर सबसे पहले कहा कि मैं हिंदी में बात करूं या मराठी में. निगम के अनुसार पीएम ने मराठी में बात करके मनोनयन की जानकारी दी. महाराष्ट्र में इस समय मराठी पर विवाद चरम पर है। दशकों पहले अलग हुए उद्धव और राज ठाकरे मराठी भाषा के नाम पर एक साथ आ गए हैं. महाराष्ट्र में नगरीय निकायों के चुनाव होने वाले हैं. मुंबई महानगर पालिका के संभावित चुनाव मराठी विवाद के पीछे हैं. शायद इसीलिए प्रधानमंत्री ने भी मराठी भाषा में बात कर महाराष्ट्र के लोगों को संदेश दिया।

(सरयूसुत मिश्रा)

राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा में मनोनीत किए गए चारों सदस्यों को पीएम ने स्वयं दूरभाष पर सूचना दी. पीएम की यह स्टाइल है. राष्ट्रपति को जब उम्मीदवार बनाया गया था, तब भी पीएम ने ही उन्हें सबसे पहले बताया था..!!

नव नियुक्त राज्यसभा सांसद उज्जवल निकम ने जो बताया, वह ज्यादा महत्वपूर्ण है कि प्रधानमंत्री ने फोन पर सबसे पहले कहा कि मैं हिंदी में बात करूं या मराठी में. निगम के अनुसार पीएम ने मराठी में बात करके मनोनयन की जानकारी दी. महाराष्ट्र में इस समय मराठी पर विवाद चरम पर है।

दशकों पहले अलग हुए उद्धव और राज ठाकरे मराठी भाषा के नाम पर एक साथ आ गए हैं. महाराष्ट्र में नगरीय निकायों के चुनाव होने वाले हैं. मुंबई महानगर पालिका के संभावित चुनाव मराठी विवाद के पीछे हैं. शायद इसीलिए प्रधानमंत्री ने भी मराठी भाषा में बात कर महाराष्ट्र के लोगों को संदेश दिया।

चुनाव के आसपास अक्सर भाषाई राज्यों में भाषा के विवाद उत्पन्न किए जाते हैं. दक्षिण भारत के राज्यों में तो यह विवाद चलते ही रहते हैं. महाराष्ट्र से अलग होकर गुजरात बना था. लेकिन गुजरात में भाषा को लेकर उतना विवाद नहीं है, जितना कि महाराष्ट्र में मराठी को लेकर है. व्यवसाय में जहां लाभ है, वहां भाषा भुला दी जाती है।

मुंबई में ही हिंदी सिनेमा का सबसे बड़ा फिल्म उद्योग है. वहां बनी हिंदी की फिल्में पूरी दुनिया में हिंदी भाषा पहुंचाती हैं. तमिल और दूसरी भाषा की फिल्मों को भी हिंदी में डबकर इसलिए दिखाया जाता है, क्योंकि देश में हिंदी का बाजार ज्यादा है. जैसे बाजार लाभ की भाषा में सोचता है, वैसे ही सियासत भी लाभ की ही भाषा समझती है।

सियासत बातें संविधान की करती है, लेकिन लाभ के लिए आचरण संविधान विरोधी करने लगती है. मराठी भाषा के मामले में जिस तरह से मुंबई में हिंदी भाषियों को मारा-पीटा जा रहा है, वह न केवल अपराधिक कृत्य है, बल्कि संविधान विरोधी भी है।

भारत का संविधान सभी लोगों को देश के किसी भी राज्य में किसी भी स्थान पर रहने का, रोजगार करने का और जीवन यापन का अधिकार देता है. यही संविधान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का भी अधिकार देता है. इसका मतलब है, कि कोई भी व्यक्ति देश के किसी भी हिस्से में रह सकता है और अपनी भाषा में अभिव्यक्ति का उसे अधिकार है. जो हिंदी भाषी मुंबई में रहते हैं, उन पर जबरदस्ती मराठी नहीं थोपी जा सकती. इसके उलट हिंदी देश की राजभाषा है. देश के सभी हिस्से में राजभाषा की शिक्षा त्रिभाषा फॉर्मूले में देना संविधान सम्मत है।

मराठी विवाद उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे द्वारा मुंबई नगर पालिका चुनाव में राजनीतिक लाभ के लिए खड़ा किया जा रहा है. कोई भी ध्रुवीकरण शत प्रतिशत होता नहीं है. अगर मराठी ध्रुवीकरण भाषा के नाम पर कुछ सीमा तक हो भी जाता है, तो भी मुंबई में हिंदी भाषियों की संख्या पर्याप्त है. दोनों भाइयों को जितना मराठी भाषा के नाम पर एकजुटता लाभ पहुंचा सकती है, उतना ही हिंदी भाषियों में उनका जनाधार कमजोर होगा. इनका गठबंधन वैसे ही टूट गया है. मतलब कांग्रेस और एनसीपी मुंबई महानगर पालिका का अलग से चुनाव लड़ेंगी. यह सारे राजनीतिक गणित अभी धीरे-धीरे सामने आएंगे, लेकिन यह तो लगभग तय है कि कांग्रेस के साथ उनका गठबंधन नहीं होगा।

संविधान निर्माता भाषाई विवाद के दूरगामी दुष्परिणाम को जानते थे. शायद इसीलिए देश में ऐसी व्यवस्था की गई कि अगर भाषा के नाम पर राज्यों की राजनीति बहकने भी लगे तब भी राज्य की सरकार राष्ट्रीय उद्देश्य और लक्ष्य के अनुरूप काम करती रहेगी. सरदार वल्लभभाई पटेल ने अखिल भारतीय सेवाओं का जो स्ट्रक्चर खड़ा किया है,वह इतना मजबूत और प्रैक्टिकल है, कि कोई भी भाषा विवाद राज्य के प्रशासन को प्रभावित नहीं कर सकता है।

अगर भविष्य में ऐसी भी स्थिति बन जाए, कि भाषा के लिए सबसे अधिक आक्रामक राजनीति करने वाला नेता भी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठ जाए, तब भी राज्य प्रशासन को एकतरफा नहीं बनाया जा सकता. इसका कारण यह है, कि हर राज्य में अखिल भारतीय सेवाओं आईएएस और आईपीएस के कैडर में दो-तिहाई संख्या दूसरे राज्यों के अफसरों की रखी जाती है। किसी भी राज्य में जितने आईएएस अफसर हैं. उनमें तीन में एक ही अफसर उस राज्य का होगा. बाकी दो अफसर दूसरे राज्यों के होंगे. इसका मतलब है कि जो दूसरे राज्यों के दो अफसर हैं वह या तो हिंदी, अंग्रेजी भाषा के होंगे या किसी भाषाई राज्य से संबंधित होंगे. अगर राज्य का पॉलिटिकल नेतृत्व क्षेत्रीय भाषा को आक्रामकता के साथ राजनीतिक उपयोग की कोशिश करेगा तो भी राज्य का दो तिहाई प्रशासन ऐसे अफसरों के कंट्रोल में रहेगा, जो मूल रूप से उस भाषा से बिलॉन्ग नहीं करते हैं. जब इस व्यवस्था को बनाया गया था, तब संविधान निर्माताओं ने सोच लिया था, कि भाषा विवाद कभी ना कभी राज्य प्रशासन को प्रभावित कर सकते हैं।

अगर देश में आज संघवाद मजबूती के साथ काम कर रहा है, तो उसका भी एक बड़ा कारण अखिल भारतीय सेवाओं का स्ट्रक्चर कहा जा सकता है।

हिंदी संविधान के अनुसार भारत की आधिकारिक भाषा है. अंग्रेजी को एक निश्चित समय के लिए स्वीकार किया गया था, लेकिन वह सरकारी भाषा का रूप ले चुकी है. मराठी भाषा पर जो विवाद खड़ा किया जा रहा है, उससे बड़े-बड़े भाषा विवाद पहले हो चुके हैं. कई बार तो ऐसा लगने लगा था, कि कहीं देश का विखंडन भाषा के नाम पर ना हो जाए।

आजादी के बाद शुरुआती दिनों में भाषा के नाम पर बहुत विवाद हुए. अब धीरे-धीरे हमारा लोकतंत्र परिपक्व हो रहा है. हिंदी धीरे-धीरे देश के कोने-कोने में फैल रही है. इसका एक बड़ा कारण हिंदी सिनेमा और टेलीविजन के साथ ही विभिन्न राज्यों की संस्कृतियों का आदान-प्रदान और संवाद माना जा सकता है।

जिन राज्यों में पहले हिंदी भाषी अगर जाएं तो उनकी भाषा समझने वाला कोई नहीं मिलता था, वह स्थिति अब किसी भी राज्य में नहीं बची है. हिंदी भाषी पर्यटक भाषाई राज्यों में बड़ी संख्या में जाते हैं. उत्तर भारतीयों के चार धामों में से एक महत्वपूर्ण धाम रामेश्वरम तमिलनाडु में है. वहां उत्तर भारत के लोग तीर्थ यात्रा के लिए अनिवार्य रूप से जाते हैं. पहले वहां हिंदी भाषा समझने वाले नहीं मिलते थे, लेकिन अब केवल हिंदी भाषा जानने वाला संवाद शून्य नहीं रह सकता।

भाषा के नाम पर एक नई जंग विकास के रास्ते पर आगे बढ़ते भारत के लिए बाधक बन सकता है. भाषाई अंधभक्ति राज्य के हितों का संरक्षण नहीं कर सकती है. जिस तरह से हिंदी भाषी लोगों का आवागमन भाषाई राज्यों में हो रहा है, वह धीरे-धीरे भाषा के बैरियर को महत्वहीन कर देगा.

New page_page 12 29.05.2025.qxd 19-07-2025 22:02 Page 1

कौशल विकास कर रोजगार से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता : मुख्य सचिव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। झारखंड की मुख्य सचिव अलका तिवारी ने आज बेलगड़िया टाउनशिप का भ्रमण किया।

भ्रमण के दौरान मुख्य सचिव ने बेलगड़िया फेज 5, आंगनबाड़ी के लिए चिह्नित जमीन, नया प्राथमिक विद्यालय झरिया विहार बेलगड़िया, स्वास्थ्य उप केंद्र बेलगड़िया, उत्क्रमित मध्य विद्यालय छाताटांड़ बेलगड़िया, आरएसपी कॉलेज, बेलगड़िया टाउनशिप अंतर्गत निर्मित तालाब, पार्क निर्माण के लिए चिह्नित भूमि, मेगा स्किल डेवलपमेंट सेंटर बनाने के लिए चिह्नित भूमि, मल्टी स्किल डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट समेत अन्य परिसरों का निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान मुख्य सचिव ने छात्राओं के साथ सीधा संवाद किया। उन्होंने बेलगड़िया में पौधारोपण भी किया।

भ्रमण करने के बाद मुख्य सचिव ने कहा कि बेलगड़िया के लोगों का कौशल विकास कर उन्हें रोजगार से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है। बहुत जल्द इसका प्रभाव देखने को मिलेगा।

उन्होंने कहा कि सुगम यातायात के लिए जल्द ई - रिक्शा चलाए जाएंगे। धनबाद आना-जाना सरल बनाने के लिए बसों के फेरे बढ़ाए जाएंगे। इलेक्ट्रिक बस चलाने का भी वृहद प्लान तैयार किया गया है।

मुख्य सचिव ने कहा कि सरकार की मंशा है कि यहां रहने वाले लोगों को अच्छा वतावरण मिले। इसलिए सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, रोजगार, पेयजल, सुचारू बिजली व्यवस्था, सोलर स्ट्रीट लाइट, टाउनशिप में अच्छी सड़क, रोड कनेक्टिविटी, पुरानी इमारतों की रिपेयरिंग, मेंटेनेंस, साफ सफाई सहित

अन्य बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में कदम उठाए गए हैं।

इसके लिए शॉर्ट टर्म, मीडियम टर्म एवं लॉन्ग टर्म प्लानिंग की गई है। कार्य योजना बनाकर काम किया जा रहा है। इसे निर्धारित समय सीमा में संपन्न कर लिया जाएगा।

वहीं रिवाइज्ड झरिया मास्टर प्लान पर प्रकाश डालते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि भू-धंसान एवं अग्नि प्रभावित क्षेत्र के लोगों का सुरक्षित स्थान पर पुनर्वास इसकी प्राथमिकता है।

रिवाइज्ड प्लान में कई नई चीजों को समायोजित कर लोगों की समस्या का समाधान किया गया है।

मुख्य सचिव ने कहा कि बेलगड़िया भ्रमण के दौरान लोगों ने कुछ समस्याओं से रूबरू कराया। जिसमें जाति प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र, स्वास्थ्य इत्यादि के संबंध में बताया गया।

उनकी सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान कर दिया जाएगा।

भ्रमण के दौरान मुख्य सचिव अलका तिवारी के साथ खान निदेशक राहुल कुमार सिन्हा, उत्तरी छोटा नागपुर प्रमंडल, हजारीबाग, के आयुक्त पवन कुमार, उपायुक्त आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के अलावे सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, बीसीसीएल के निदेशक (तकनीकी ऑपरेशन) संजय कुमार सिंह, निदेशक (तकनीकी, प्रोजेक्ट एंड प्लानिंग) मनोज कुमार अग्रवाल, निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया, सहायक नगर आयुक्त प्रसून कौशिक, जेआरडीए सलाहकार डीएन माहापात्रा, एसडीपीओ सिंदरी सत्यम आशुतोष सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

आंगनबाड़ी केंद्र सेविका को हस्तगत कराने का निर्देश

डीडीसी ने की समाज कल्याण की संचालित योजनाओं की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू की उपायुक्त समीरा एस के निदेशानुसार उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन की अध्यक्षता में समाज कल्याण विभाग अन्तर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी व महिला पर्यवेक्षिका उपस्थित थे। उप विकास आयुक्त ने आंगनबाड़ी केन्द्र की आधारभूत संरचना से संबंधित समीक्षा के दौरान निर्मित आंगनबाड़ी केन्द्रों को हस्तगत कराने के लिए भवन निर्माण के कार्यपालक अभियंता, जिला परिषद एवं मनरेगा से भवन निर्मित को बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं महिला पर्यवेक्षिकाओं के साथ समन्वय स्थापित करते हुए 15 दिनों के अन्दर हस्तगत कराने का निर्देश दिया।

सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी जर्जर व मरम्मती योग्य भवनों का सत्यापन प्रतिवेदन भौतिक स्थिति के साथ चार दिनों के अन्दर प्रस्ताव जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने, सरकारी भवनों में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों में शौचालय, पेयजल व विद्युत की उपलब्धता के लिए प्रखण्ड विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में समन्वय बैठक आहूत करने व बैठक की कार्यवाही निश्चित रूप से जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। आंगनबाड़ी केन्द्रों में सेविका एवं सहायिका के रिक्त पदों पर चयन के लिए 15 दिनों के अन्दर तिथि निर्धारित करते हुए विभागीय नियमानुसार आमसभा आयोजित कर चयन प्रक्रिया पूर्ण करने, परियोजना से प्राप्त प्रस्ताव को जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को एक सप्ताह के अन्दर अनुमोदन कराते हुए उन्हें चयन पत्र निर्गत करने के लिए संबंधित बाल विकास परियोजना पदाधिकारी को आदेश देंगे। साथ ही सभी चयनित सेविका व सहायिका के शैक्षणिक प्रमाण पत्र की जांच कराने का निर्देश दिया। बाल विकास परियोजना पदाधिकारी दो दिनों के अन्दर नवचयनित सेविका व सहायिका को योगदान कराना सुनिश्चित करें। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नवनियुक्त आंगनबाड़ी सेविकाओं का आकलन करते हुए परियोजनावार व बैचवार जिला स्तर पर प्रशिक्षण कार्य सुनिश्चित कराएं। विभाग अथवा यूनिसेफ से सहयोग प्राप्त करते हुए एक-दो दिवसीय प्रशिक्षण सुनिश्चित करेंगे। पोषण ट्रैकर में आवश्यक गतिविधि का इन्ट्री यथा एफआरएस माह के अंत तक 70 प्रतिशत, दैनिक अनुश्रवण, वीएचएसएनडी व सीईबी, वृद्धि निगरानी, गृह भ्रमण व लाभुकों का मोबाइल सत्यापन, सेविका व सहायिका का केवाईसी इस माह के अन्त तक शत-प्रतिशत पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया। प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना के सीएएस लाभुक का सत्यापन एक सप्ताह के अन्दर हर हाल में करने व नये लाभुक का प्रविष्टि लक्ष्य के अनुरूप करने का निर्देश दिया।आंगनबाड़ी केन्द्रों पर वीएचएसएनडी एंड सीबीइ का नियमित आयोजन कराते हुए संबंधित शत-प्रतिशत इन्ट्री पोषण ट्रैकर ऐप्प पर करने का निर्देश दिया। जिन परियोजनाओं में वीएचएसएनडी एंड सीबीइ का आयोजन तथा संबंधित इन्ट्री पोषण ट्रैकर पर संतोषजनक नहीं पाया जाता है, तो उनके विरूद्ध अग्रेतर कार्रवाई की जायेगी।

सीडीपीओ एवं महिला पर्यवेक्षिकाओं के साथ बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। समाज कल्याण अंतर्गत पोषण अभियान के सभी मानकों समेत विभिन्न योजनाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा, दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश जिला उपायुक्त, रामनिवास यादव के निदेशानुसार आज जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, स्नेह कश्यप ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में बगोदर, डुमरी, धनवार, सरिया, पीरटांड़, गिरिडीह टाऊन और जमुआ परियोजना के महिला पर्यवेक्षिका के साथ बैठक की। बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने समाज कल्याण अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की अद्यतन स्थिति के साथ-साथ पोषण अभियान के सभी इंडिकेटर्स की बारी-बारी समीक्षा कर समयबद्ध तरीके से योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत उपलब्धि

हासिल करने का निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने पोषण अभियान योजना अंतर्गत सभी इंडिकेटर, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, आंगनवाड़ी केंद्रों की स्थिति, पोषण ट्रैकर ऐप में लाभार्थियों का आधार सत्यापन, और टी.एच.आर वितरण की स्थिति जैसे पहलुओं पर चर्चा की तथा संबंधित अधिकारियों को योजनाओं को समय पर और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए ताकि लाभार्थियों को अधिकतम लाभ मिल सकें। इसके साथ ही उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्रों के भौतिक स्थिति, साफ-सफाई, शौचालय और पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने बैठक में सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना समेत अन्य योजनाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा कर निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में सभी महिला पर्यवेक्षिका, जिला पोषण समन्वयक समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

अधिनियम को प्रभावी बनाने को ले बैठक

गिरिडीह । जिला भू-अर्जन पदाधिकारी ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम 2013 के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु आंतरिक परिवाद समिति की बैठक की। बैठक में आंतरिक परिवाद समिति (आईसीसी) अधिनियम के प्रावधानों को लागू करने, शिकायतों की जांच करने और एक सुरक्षित कार्यस्थल सुनिश्चित करने हेतु विचार-विमर्श किया गया। इस संबंध में जिला भू-अर्जन पदाधिकारी ने बताया कि बैठक का उद्देश्य कर्मचारियों के बीच यौन उत्पीड़न के बारे में जागरूकता बढ़ाना हैं और उन्हें यह समझाने में मदद करना कि वे कैसे शिकायत दर्ज करा सकते हैं और उन्हें क्या अधिकार प्राप्त हैं। आईसीसी अधिनियम के तहत निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार शिकायतों का निवारण करती है, जिसमें जांच, सिफारिशें और उचित कार्रवाई शामिल है। बैठक में बताया गया कि कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम से संबंधित शिकायत हेतु टॉल फ्री नंबर 15100 पर शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

कर्मचारी हितों की अनदेखी का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । झारखण्ड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ का छठा राज्य सम्मेलन 13-14 जुलाई को जमशेदपुर के भगवान बिरसा मुण्डा टाउन हॉल में हुई संपन्न सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष अमर किशोर प्रसाद सिन्हा महामंत्री डॉ० मनोज कुमार सिन्हा मुख्य संरक्षक अशोक कुमार सिंह सम्मानित अध्यक्ष अशोक सिंह नयन उप संयोजक रूपलाल महतो के नाम की घोषणा की गई आज कोलडीहा स्थित किरण पब्लिक स्कूल, में प्रेस वार्ता कर मुख्य संरक्षक अशोक कुमार सिंह ने कहा कि झारखण्ड राज्य में कर्मचारियों को प्रतिनिधित्व करनेवाला एकमात्र संस्था इस महासंघ जिसके साथ 55 संघ / युनियन सम्बद्ध हैं तथा 24 जिलों में जिला कमिटी गठित है, जो अपने आप में ऐतिहासिक है। इन्होनें कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार कर्मचारी हितों की अनदेखा कर रही है, इससे कर्मचारियों में भारी आक्रोश है। उक्त आक्रोश से समाधान हेतु राज्य सरकार से भीघ्र ही वार्ता की जायेगी। वही संबोधित करते हुए प्रदेश सम्मानित अध्यक्ष अशोक सिंह नयन ने कहा कि छठा सम्मेलन में प्रतिनिधि प्रेक्षक के साथ-साथ अतिथियों की संख्या लगभग डेढ हजार थी, जिसमें सभी संघो एवं जिला से शामिल थे, जो एक रिकॉर्ड है। यह सम्मेलन तृतीय वर्ग के सभी संवर्गों यथा पंचायत सचिव, लिपिक, राजस्व उप निरीक्षक, जनसेवक आदि के वेतन विसंगति को निराकरण कर 2400 रुपये ग्रेड-पे लागू करने एवं सुगम प्रोन्नति सभी को देने, 8 वाँ वेतन आयोग का टर्मस ऑफ रेफेरन्स में आँगनबाड़ी सेविका-सहायिका, जलसहिया, स्वास्थ्य सुहिया, एस.एस.टी., बी.टी.टी., आउटसोर्स, दैनिक मजदूरी, प्रोत्साहन राशि, पोषण सखी एवं मानदेय कर्मियों को शामिल करने, 18 महिने का बकाया महँगाई भत्ता देने, एक जनवरी 2026 से एक साथ आठवाँ वेतन आयोग की अनुशंसा राज्य एवं केन्द्र में लागू करने, चतुर्थ वर्ग के कर्मियों को तृतीय वर्ग में प्रोन्नति, कम्प्युटर ऑपरेटरों को समान कार्य, समान वेतन लागू करने आदि प्रमुख माँग केन्द्र एवं राज्य सरकार से की गई।

सशक्त पंचायत-नेत्री अभियान के तहत जिला स्तरीय कार्यशाला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। डीपीआरसी भवन, खूँटी में आज सशक्त पंचायत-नेत्री अभियान के तहत जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के माध्यम से जिले के सभी महिला मुखिया एवं महिला वार्ड सदस्यों का जिला एवं प्रखंड स्तर पर आयोजित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया।

पंचायतीराज विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में उपायुक्त आर रॉनिटा द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त आलोक कुमार, जिला पंचायती राज पदाधिकारी डॉ शिशिर कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधि मुखिया, वार्ड सदस्य एवं अन्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं की नेतृत्व क्षमता को सशक्त करना, पंचायती राज व्यवस्था में उनकी भूमिका को और अधिक प्रभावशाली

बनाना एवं ग्राम स्तर पर सुशासन को बढ़ावा देना है। कार्यशाला के दौरान महिला प्रतिनिधियों को शासन की विभिन्न योजनाओं, प्रबंधन कौशल, वित्तीय साक्षरता तथा निर्णय लेने की क्षमता को विकसित करने से संबंधित विषयों पर प्रशिक्षित किया जाएगा।

उपायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि महिला प्रतिनिधियों को सशक्त करना सामाजिक प्रगति का आधार है। इन प्रशिक्षणों के माध्यम से ग्राम पंचायतों में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व और अधिक प्रभावी एवं जागरूक बनेगा।

उन्होंने कहा कि अपनी शक्ति, अपने क्षेत्राधिकार को समझे, लोगों ने आपको यह अधिकार दिया है कि आप उनके क्षेत्र के विकास एवं उनकी समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। पंचायत स्तर की समस्याओं को पंचायत स्तर से हीं समाधान करने का प्रयास करें। महिला जन प्रतिनिधि अपना कार्य स्वयं करें, किसी और पर निर्भर ना रहे। स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी समस्याओं को महिलाएं और अच्छे से समझ सकती है, इसलिए आप अपने क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा समेत अन्य समस्याओं को समझे एवं उनका निराकरण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाऐं, यदि आपके स्तर से समस्या का समाधान संभव नहीं है तो जिला स्तर पर उन समस्याओं को रखें। उपायुक्त ने कई उदाहरण देकर भी महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर कई प्रेरणादायक बातें कहीं। खूंटी जिला को आगे बढ़ाने में महिलाओं की भूमिका को उन्होंने महत्वपूर्ण बताया।

वहीं महिला सशक्तिकरण को लेकर उप विकास आयुक्त एवं जिला पंचायती राज पदाधिकारी ने भी कई महत्वपूर्ण बातें कही। इस दौरान उपायुक्त ने मुखिया एवं वार्ड सदस्यों संग फलदार वृक्ष लगाकर पर्यवरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

कमरे में मिला युवक का खून से लथपथ अधजला शव, सनसनी

कुछ दिन पहले किराए पर लिया था मकान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गम्हरिया। आदित्यपुर थाना अंतर्गत गम्हरिया के सतवाहिनी, धीराजगंज में एक मकान से पुलिस ने शनिवार की सुबह खून से लथपथ व अर्धजले एक युवक का शव बरामद किया है।

शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान गिरिडीह निवासी राजेश कुमार चौधरी के रूप में की गई है। बताया गया है कि मृतक बीते सोमवार को ही अपनी पत्नी और बच्चों के साथ धिराजगंज निवासी गोरागों मुखी के मकान में किराए पर रहने आया था।

शनिवार की सुबह उक्त मकान के बन्द कमरे से राजेश कुमार चौधरी का शव बरामद हुआ। मृतक के घर के दरवाजे में बाहर से ताला लगा हुआ था। जबकि उसकी पत्नी और बच्चे गायब थे। घर से दुर्गंध आने के बाद स्थानीय लोगों ने उस दरवाजा को खोला।

जहां अंदर मृतक राजेश चौधरी खून से लथपथ व अधजला पड़ा था। तत्पश्चात बस्ती के लोगों द्वारा इसकी सूचना आदित्यपुर पुलिस और स्थानीय पूर्व पार्षद अभिजीत महतो को दी गई।

सूचना पर मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी विनोद तिर्की और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी समीर कुमार सवैया ने शव का पंचनामा तैयार कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एसडीपीओ ने आशंका जताई है कि मृतक की हत्या मंगलवार को की गई है। हत्या के बाद परिवार के सदस्य भी गायब है। बताया गया है कि बीते मंगलवार की रात मृतक का अपनी पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद भी हुआ था जिसकी भनक मकान मालिक को भी लगी थी।

फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ पता चल पाएगा।

फांसी लगाकर आत्महत्या

चासनाला। सुदामडीह थाना क्षेत्र के नुनूडीह बस्ती में बुधवार की शाम विवाहिता व आठ माह की प्रेग्नेंट महिला 24 वर्षीय रानी गोराई ने घर के बाथरूम में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

घटना के बाद पति अमर गोराई समेत घरवालों ने आनन-फानन में उसे जामाडोबा स्थित टाटा अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इधर सूचना मिलते ही मृतका के मायके वाले गुरुवार को अस्पताल पहुंचे और जोरदार हंगामा करते हुए रानी की हत्या का आरोप ससुराल पक्ष पर लगाया।रानी के भाई संजय कुमार ने सुदामडीह थाना में पति अमर गोराई, सास जमुना देवी व देवर समर गोराई पर दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। मृतका का भाई संजय कुमार, मां गुड़िया देवी व चाचा विजय साव का रो-रोकर बुरा हाल है। संजय ने कहा कि उनकी बहन को ससुराल वालों ने दहेज की बलि चढ़ा दिया।

मृतका के भाई संजय ने बताया कि बहन रानी का विवाह 11 जून 2023 को हिन्दू रीति-रिवाज से अमर गोराई से हुआ था। विवाह में सामर्थ्य अनुसार सामान दिया गया था। कुछ माह तक सब कुछ सामान्य रहा। लेकिन इसके बाद रानी को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाने लगा।

बीएसएल ने की सघन वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बीएसएल के नगर प्रशासन विभाग के तत्वावधान में सेक्टर 04 स्थित सूर्य मंदिर के समीप से सघन वृक्षारोपण का अभियान 19 जुलाई को निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी की अगुवाई में आरम्भ किया गया। इस मौके पर अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (माइंस) विकास मनवटी, अधिशासी निदेशक(सामग्री प्रबंधन) सीआर मिश्रा, अधिशासी निदेशक(परियोजनाएँ एवं अतिरिक्त प्रभार संकार्य) अनीष सेनगुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक (टेक्निकल) लक्ष्मी दास, मुख्य महाप्रबंधक (नगर प्रशासन) कुंदन कुमार के साथ अन्य वरीय अधिकारी एवं कर्मचारीगण तथा हॉर्टिकल्चर अनुभाग की टीम के सदस्य उपस्थित थे।

इस अभियान के तहत बीएसएल द्वारा वित्त वर्ष 2025 -26 के दौरान कुल 665000 पौधे लगाने की योजना है। बीएसएल के पर्यावरण संरक्षण एवं सस्टेनेबिलिटी विभाग के द्वारा वित्त वर्ष 2025 -26 में बोकारो इस्पात संयंत्र के अंदर 65000 पौधे लगाए जाएंगे तथा शेष 600000 पौधे टाउनशिप के आसपास में लगाने का लक्ष्य नगर प्रशासन विभाग द्वारा रखा गया है। पौधों की उचित देखभाल और बैरिकेडिंग की व्यवस्था भी बीएसएल द्वारा की जाएगी।

इस अवसर पर निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी ने वृक्षारोपण के लिए नगर प्रशासन के प्रयासों की सराहना की और सभी को इस मानसून में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण करने के लिए प्रोत्साहित किया। उल्लेखनीय है कि बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण न केवल जैव-विविधता में मदद करता है, बल्कि वृक्ष भूजल के अंदर वर्षा जल के बेहतर प्रवाह में भी मदद करता है। इसके अलावा सघन वृक्षारोपण कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन में भी मदद करता है

कार्यक्रम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । लायंस जागृति ने वन डिस्ट्रिक्ट वन एक्टिविटी के तहत बुजुर्गों को भोजन कराकर दिया मानवता का परिचय गिरिडीह लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह जागृति के तत्वावधान में वन डिस्ट्रिक्ट वन एक्टिविटी और फूड फॉर हंगर प्रोजेक्ट के अंतर्गत आज स्नेहदीप वृद्धाश्रम में एक विशेष सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्लब के सदस्यों द्वारा वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों को इडली, सांभर, नारियल चटनी और मिठाइयाँ परोसी गईं। सेवा भावना से ओतप्रोत इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के उपेक्षित एवं वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान और सहयोग की भावना को जागृत करना था।कार्यक्रम में क्लब की अध्यक्षा नीलम भदानी, सचिव रश्मि कंधवे , कोषाध्यक्ष मीना गुप्ता सहित अनिता गुप्ता, शालिनी बैसखियार, सुषमा गुप्ता, रागिनी प्रकाश, सुनीता देवी आदी उपस्थित रही। सभी ने मिलकर अपने हाथों से भोजन परोसा और बुजुर्गों के साथ आत्मीय संवाद भी किया।क्लब की ओर से यह संदेश दिया गया कि बुजुर्ग समाज की धरोहर हैं और उनकी सेवा करना हम सभी का नैतिक दायित्व है।

पांच दिवसीय खो-खो खेल प्रतियोगिता 2025 का समापन आज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। आज दिल्ली पब्लिक स्कूल गिरिडीह में सीबीएसई क्लस्टर क्क का पाँच दिवसीय खो-खो खेल प्रतियोगिता का समापन हुआ। यह खेल 15/07/2025 से 19/07/2025 तक चला। इस खेल समारोह में झारखंड एवं बिहार के लगभग 1200 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।इस समापन दिवस के अवसर पर चेयरमेन बलजीत सिंह सलूजा,

डायरेक्टर त्रिलोचन सिंह सलूजा एवं सीबीएसई पर्यवेक्षक राजेश प्रसाद सिन्हा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों को बुके एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। उपरोक्त सभी अतिथियों द्वारा खेल विजेताओं को क्रमशः ट्रॉफी एवं मेडल प्रदान किया गया। विद्यालय चेयरमैन बलजीत सिंह सलूजा ने बच्चों को खेल के महत्व पर प्रकाश डाला। बच्चों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने की शुभकामना दी। पर्यवेक्षक श्री राजेश प्रसाद सिन्हा ने खेल समारोह को सुचारू रूप से संचालित किया। वे बधाई के पात्र हैं। विद्यालय प्रिंसिपल डॉ० सोनी तिवारी विद्यालय के सर्वांगीण विकाश के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहती है। यहाँ बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ खेल-कूद पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। डॉ० सोनी तिवारी एवं उपप्राचार्य विकाश सिन्हा के दिशा निर्देश में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने दिन-रात परिश्रम कर समारोह को सफल बनाया। ये सभी बधाई के पात्र है। खेल शिक्षक अली सर ने कठिन अभ्यास कराकर विद्यालय बच्चों को विजेता बनाया। दिल्ली पब्लिक स्कूल गिरिडीह के छात्र-छात्राओं ने अंडर 14 में तृतीय स्थान प्राप्त किया एवं विद्यालय का मान बढ़ाया।कार्यक्रम के अंत में डायरेक्टर त्रिलोचन सिंह सलूजा ने धन्यवाद ज्ञापन किया एवं बच्चों के उज्जवल भविष्य की शुभकामना दी।

बीएसएल के बिजनेस एक्सीलेंस विभाग में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र के राजभाषा विभाग के द्वारा बिजनेस एक्सीलेंस विभाग में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में मनीष जलोटा, मुख्य महा प्रबंधक के साथ विभाग के वरीय अधिशासी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। मुख्य अतिथि श्री जलोटा के द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रयोग के प्रगति पर प्रसन्नता ब्यक्त करते हुए भविष्य में भी हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग करने पर बल दिया गया। बिजनेस एक्सीलेंस विभाग की हिंदी अधिकारी सुश्री देवयानी चक्रबोर्ती ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया।

कार्यक्रम का सञ्चालन राजभाषा विभाग के अधिकारी अलोक कुमार, उप महाप्रबंधक के द्वारा किया गया। श्री कुमार, उप महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) ने हिंदी का राजभाषा के रूप में महत्व, इसकी उपयोगिता, संवैधानिक महत्व के बारे में विस्तृत चर्चा की तथा साथ ही यूनिकोड का अधिकाधिक प्रयोग कर संसदीय राजभाषा समिति की अपेक्षाओं के अनुरूप हिंदी पत्राचार में वृद्धि करने की अपील की।

कार्यशाला में हिंदी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमे विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का समापन महा प्रबंधक अनुपमा तिवारी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

चेक बाउंस मामले में गिरफ्तार

गिरिडीह। श्री लंगटा बाबा स्टील प्राइवेट लिमिटेड उदनाबाद को फर्जी चेक भुगतान के मामले में अनमोल ट्रेडर्स के संचालक डुमरी के राँगामाटी निवासी रविन्द्र कुमार पांडेय को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरिडीह कोर्ट से वारंट जारी होने के बाद शुक्रवार को डुमरी थाना क्षेत्र से उनकी गिरफ्तारी हुई। आरोप है कि अनमोल ट्रेडर्स के संचालक रविन्द्र कुमार पांडेय ने श्री लंगटा बाबा स्टील प्राइवेट लिमिटेड से छड़ की खरीदारी के बदले आठ लाख सत्तर हजार पांच सौ बासठ रुपये का चेक दिया था, जो बार-बार बैंक में जमा करने के बावजूद बाउंस हो गया।

अब 9 कैरेट सोने पर भी हॉलमार्किंग जरूरी, ग्राहकों के हित में उठाया गया कदम

नईदिल्ली, एजेंसी। ग्राहकों को सोने की शुद्धता की सही जानकारी देने के लिए बीआईएस ने बड़ा कदम उठाया है। इस फैसले के बाद अब 9 कैरेट सोने पर भी हॉलमार्किंग जरूरी हो गई है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने शुक्रवार से 9 कैरेट सोने से बनी जूलरी पर भी हॉलमार्क अनिवार्य कर दिया है। अब तक 24, 23, 22, 20, 18 और 14 कैरेट तक के सोने से बने गहनों पर ही हॉलमार्किंग करना

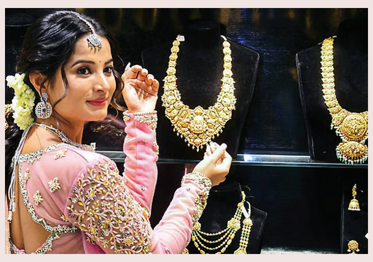

अनिवार्य था। हालांकि, सोने से बनी घड़ियों और पेन पर अब हॉलमार्क जरूरी नहीं है। हॉलमार्किंग सेंटरों को बीआईएस के नए नियमों का पालन करना होगा
ऑल इंडिया जेम्स एंड जूलरी डोमेस्टिक काउंसिल ने बताया कि अब सभी आभूषण विक्रेताओं और हॉलमार्किंग सेंटरों को बीआईएस के नए नियमों का पालन करना होगा। इसके मुताबिक, 9 कैरेट सोना (375 पीपीटी) भी अनिवार्य हॉलमार्किंग के दायरे में आ गया है।

सोने की शुद्धता की सही जानकारी देना है असली मकसद– पहले 9 कैरेट सोने के लिए यह जरूरी नहीं था, लेकिन ग्राहकों को सोने की शुद्धता की सही जानकारी देने के लिए इसे अनिवार्य किया गया है।

प्लास्टिक कचरे को हटाने का कमाल का सॉल्यूशन

- दूध की थैली जो 90 दिन में बन जाती हैं खाद

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक मिल्क फेडरेशन ने अब नंदिनी ब्रैंड के दूध के पैकेट की बिक्री प्लास्टिक की थैलियों की जगह इको-फ्रेंडली पैकेजिंग में करने का फैसला किया है। अब बेगलुरू में मिलने वाला नंदिनी दूध बायो डिग्रेडेबल पैकेट में मिलेगा। ये पैकेट मकई स्टार्च, गन्ना और अन्य प्लांट बेस्ड मटीरियल

से बनाए गए हैं। बेंगलुरू में इस पायलट प्रोजेक्ट के मॉडल की सफलता देश में दूध की थैलियों से होने वाले प्रदूषण को कम करने की राह प्रशस्त करेगी। प्लास्टिक की तुलना में ये जैविक पैकेट सिर्फ 90 दिनों में कुदरती रूप से ऑर्गेनिक खाद में भी बदले जा सकते है, जबकि पारंपरिक पॉलीथीन पैकेट्स को गलने में 500 साल तक लग सकते हैं। इस पहल की शुरुआत बैंगलोर मिल्क यूनियन लिमिटेड की ओर से एक पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर की गई थी। यह मॉडल भारत की मिल्क इंडस्ट्री के लिए मिसाल बन सकता है।

लीकेज की भी दिक्कत नहीं

केएमएफ के मैनेजिंग डायरेक्टर शिवस्वामी बी. ने बताया कि अब तक पैकेट में किसी तरह की लीकेज की शिकायत नहीं मिली, दूध की क्वालिटी बनी रही और उपभोक्ता पूरी तरह संतुष्ट दिखे। हर दिन 20-25 लाख प्लास्टिक पैकेट की खपत होती है। केएमएफ के मार्केटिंग डायरेक्टर रघुनंदन एम. ने बताया कि हर दिन 20 से 25 लाख प्लास्टिक पैकेट का इस्तेमाल होता है। बिक्री के बाद कंपनी को हर साल लगभग 15,000 मीट्रिक टन प्लास्टिक को रिसाइकिल करने में भारी खर्च करना पड़ता है।

भारत के साथ समझौते से पहले यूएस बोला-

ऑटो क्षेत्र पर टैक्स राष्ट्रीय सुरक्षा के तहत, संरक्षणवाद नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका ने भारत के इस दावे को खारिज कर दिया है कि ऑटो और ऑटो पार्ट्स पर अमेरिकी टैरिफ विश्व व्यापार संगठन के नियमों के तहत संरक्षणवादी उपाय हैं। अमेरिका ने कहा कि ये कर राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर लगाए गए हैं इसलिए भारत के पास इस मामले में जवाबी शुल्क लगाने का कोई आधार नहीं है।

जवाबी शुल्क लगाने का अधिकार सुरक्षित

भारत ने डब्ल्यूटीओ से कहा है कि वह ऑटो और ऑटो पार्ट्स पर 25 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ के मामले में जवाबी शुल्क लगाने का अधिकार सुरक्षित रखता है। भारत ने डब्ल्यूटीओ के सामने दावा किया है कि अमेरिका ने जो टैरिफ लगाया है ये संरक्षणवादी उपाय है जिनसे उसके घरेलू उद्योग को नुकसान पहुच रहा है।

ट्रंप ने वस्तुओं के आयात को समायोजित करने के लिए टैरिफ लगाए– भारत के इस दावे के जवाब में अमेरिका ने डब्ल्यूटीओ को बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन वस्तुओं के आयात को समायोजित करने के लिए टैरिफ लगाए हैं क्योंकि इनसे अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा है।

विश्व व्यापार संगठन में बोला अमेरिका- ये कदम... संरक्षणवाद नहीं– विश्व व्यापार संगठन की ओर से 17 जुलाई को जारी एक संचार में अमेरिका के हवाले से कहा गया है, ये कदम... संरक्षणवाद नहीं है। इसलिए इन उपायों के संबंध में सुरक्षा उपायों पर समझौते के तहत रियायतों को निलंबित करने के भारत के प्रस्ताव का कोई आधार नहीं है।

टैरिफ को संरक्षणवादी उपाय नहीं मानता ट्रंप प्रशासन

अमेरिका ने भारत पर आरोप लगाया कि उसने डब्ल्यूटीओ के संरक्षणवादी उपायों पर समझौते के तहत तय दायित्वों का पालन नहीं किया है। उसने कहा, अमेरिका समझौते के तहत धारा 232 के टैरिफ पर चर्चा नहीं करेगा क्योंकि हम टैरिफ को संरक्षणवादी उपाय नहीं मानते हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार 3 अरब डॉलर घटकर 696.672 अरब डॉलर पर, भारतीय रिजर्व बैंक ने जारी किए आंकड़े

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 11 जुलाई को समाप्त सप्ताह में 3.064 अरब डॉलर घटकर 696.672 अरब डॉलर रह गया। आरबीआई ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पिछले रिपोर्टिंग सप्ताह में कुल जमा 3.049 बिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 699.736 अरब डॉलर रह गया था। सितंबर 2024 के अंत में भंडार 704.885 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया था। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा आस्तियों में डॉलर के मुकाबले यूरो, पाउंड और येन जैसी अन्य मुद्राओं के उतार-चढ़ाव का भी असर शामिल होता है। विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.477 अरब डॉलर घटकर 588.81 अरब डॉलर रह गईं।

- **स्वर्ण भंडार घटकर 84.3 अरब डॉलर पर पहुंचा**– आरबीआई ने कहा कि सप्ताह के दौरान सोने का भंडार 498 मिलियन डॉलर घटकर 84.348 अरब डॉलर रह गया। साथ ही स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स (एसडीआर) 66 मिलियन डॉलर घटकर 18.802 अरब डॉलर रह गए। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारतकी आरक्षित स्थिति 24 मिलियन डॉलर घटकर 4.7111 अरब डॉलर रह गई।

भारत-अमेरिका की टीमों ने प्रस्तावित व्यापार समझौते के लिए पांचवें दौर की वार्ता पूरी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और अमेरिका की टीमों ने 17 जुलाई को वाशिंगटन में प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के लिए पांचवें दौर की वार्ता पूरी कर ली है। यह वार्ता वाशिंगटन में चार दिनों (14-17 जुलाई) तक चली। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी है। अधिकारी ने कहा, ''भारतीय टीम वापस आ रही है।'' भारत के मुख्य वार्ताकार और वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल वार्ता दल का नेतृत्व कर रहे हैं। ये विचार-विमर्श महत्वपूर्ण हैं क्योंकि दोनों पक्ष 1 अगस्त से पहले अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने पर विचार कर रहे हैं, जो भारत (26 प्रतिशत) सहित दर्जनों देशों पर लगाए गए ट्रम्प टैरिफ के निलंबन की आखिरी तारीख है। इस साल 2 अप्रैल को, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन उच्च पारस्परिक शुल्कों की घोषणा की थी। टैरिफ की ऊंची दरों को पहले 90 दिनों के लिए 9 जुलाई तक और फिर 1 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दिया गया। इस बीच अमेरिका, कई देशों के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है। समझा जाता है कि पांचवें दौर की वार्ता में कृषि और ऑटोमोबाइल से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। गैर-बाजार अर्थव्यवस्थाओं और एससीओएमईटी (विशेष रसायन, जीव, सामग्री, उपकरण और

प्रौद्योगिकी) से निपटने के तरीकों पर भी चर्चा हुई। कृषि और डेयरी उत्पादों पर शुल्क में रियायत की अमेरिकी मांग पर भारत ने अपना रुख कड़ा कर लिया है। डेयरी क्षेत्र में मुक्त व्यापार समझौते में भारत ने अब तक अपने किसी भी व्यापारिक साझेदार को कोई शुल्क रियायत नहीं दी है। कुछ किसान संगठनों ने सरकार से आग्रह किया है कि व्यापार समझौते में कृषि से जुड़े किसी भी मुद्दे को शामिल न किया जाए। भारत इस अतिरिक्त शुल्क (26 प्रतिशत) को हटाने की मांग कर रहा है। वह स्टील और एल्युमीनियम (50 प्रतिशत) और ऑटो (25 प्रतिशत) क्षेत्रों पर शुल्क में ढील की भी मांग कर रहा है। इनके विरुद्ध, भारत ने विश्व व्यापार संगठन के मानदंडों के तहत प्रतिशोधात्मक शुल्क लगाने का अपना अधिकार सुरक्षित रखा है। प्रस्तावित व्यापार समझौते में देश श्रम-प्रधान क्षेत्रों जैसे वस्त्र, रत्न एवं आभूषण, चमड़े के सामान, परिधान, प्लास्टिक, रसायन, झींगा, तिलहन, अंगूर और केले के लिए शुल्क रियायत की भी मांग कर रहा है। दूसरी ओर, अमेरिका कुछ औद्योगिक वस्तुओं, ऑटोमोबाइल, विशेषकर इलेक्ट्रिक वाहनों, वाइन, पेट्रोकेमिकल उत्पादों, कृषि वस्तुओं, डेयरी उत्पादों, सेब, वृक्ष नट्स और आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों पर शुल्क रियायत चाहता है। दोनों देश प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण के लिए बातचीत इस साल पतझड़ (सितंबर-अक्तूबर) तक पूरी करना चाहते हैं। उससे पहले, वे एक अंतरिम व्यापार समझौते पर भी विचार कर रहे हैं। इस वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में अमेरिका को भारत का वस्तु निर्यात 22.8 प्रतिशत बढ़कर 25.51 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 11.68 प्रतिशत बढ़कर 12.86 अरब डॉलर हो गया।

इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड को एक साथ मिले हैं 3 बड़े ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। रेलवे से जुड़ी इंजीनियरिंग फर्म इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड को तीन बड़े ऑर्डर मिले हैं। कंपनी ने कहा कि उसने कुल 1,869 करोड़ रुपये से अधिक के तीन प्रमुख कॉन्ट्रैक्ट हासिल किए हैं। इनमें मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) से मुंबई मेट्रो परियोजनाओं के लिए दो और मध्य प्रदेश में रेलवे परियोजना के लिए रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) से एक कॉन्ट्रैक्ट शामिल है।

क्या है डिटेल

इस कॉन्ट्रैक्ट के दायरे में पश्चिम मध्य रेलवे के इंदौर-बुदनी खंड में पिपलिया नानकार (छोड़कर) और बुदनी (सहित) के बीच एक नई ब्रॉड-गेज रेलवे लाइन के लिए सड़क, छोटे पुलों, भवनों, ट्रैक स्थापना (पटरियों, स्लीपरों और थिक वेब स्विच की आपूर्ति को छोड़कर) के निर्माण के साथ-साथ अन्य सिविल और विद्युत कार्य शामिल हैं। इसे 36 महीनों में पूरा किया जाना है, जिसमें छह महीने की अतिरिक्त दोष दायित्व अवधि भी शामिल है। इसके अलावा, एमएमआरडीए ने इरकॉन को मुंबई मेट्रो लाइन-5, पैकेज-2 के लिए सीए-239 ठेका दिया है।

क्या कहा इरकॉन ने

इरकॉन ने घोषणा की है कि उसे मध्य प्रदेश में 755.78 करोड़ (जीएसटी सहित) मूल्य की एक रेलवे अवसंरचना परियोजना के लिए आरवीएनएल से ऑर्डर प्राप्त हुआ है। यह ठेका इरकॉन-जेपीडब्ल्यूआईपीएल संयुक्त उद्यम को दिया गया है, जिसमें इरकॉन की 70 प्रतिशत हिस्सेदारी है। ऐसे में परियोजना में इरकॉन की हिस्सेदारी जीएसटी सहित 529.04 करोड़ है।

शेयर का हाल

इरकॉन के शेयर की बात करें तो एक फीसद से ज्यादा टूटकर 186.74 रुपये तक आ गया। इस शेयर के परफॉर्मे की बात करें तो कुछ साल पहले तक यह 35 रुपये के स्तर पर रहा।

व्यापार वार्ता में भारत को अपनानी होगी चतुराई

राजन बोले- कृषि व डेयरी पर समझौते में सतर्कता जरूरी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत को अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत करते समय बहुत सावधान और चतुराई से काम लेने की जरूरत है। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने शुक्रवार को यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि व्यापार समझौते में सबसे ज्यादा ध्यान कृषि क्षेत्र में देने की है, जिसे विकसीत देशों द्वारा भारी सब्सिडी दी जाती है।

पीटीआई को दिए साक्षात्कार में राजन ने कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6 से 7 प्रतिशत के दायरे में स्थिर हो गई है। वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं कारण इस पर कुछ असर पड़ सकता है।

उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि जहां व्यापार वार्ता अधिक कठिन है, वह कृषि जैसे क्षेत्र हैं, जहां प्रत्येक देश अपने उत्पादकों को सब्सिडी देते हैं। हमारे उत्पादक अपेक्षाकृत छोटे हो सकते हैं, उनकी सब्सिडी कुछ कम हो सकती है।

ऐसे में अगर कृषि उत्पादों का बिना नियंत्रण के आयात होता है तो हमारे किसानों के लिए यह मुश्किलें पैदा कर सकता है।

विकसीत देशों से निवेश बढ़ाने की जरूरत

राजन ने कहा कि उदाहरण के तौर पर, क्या हम विकसित देशों से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को प्रोत्साहित कर सकते हैं ताकि कुछ क्षेत्रों में मूल्यवर्धन बढ़ाया जा सके। जैसे कि डेयरी क्षेत्र में जिससे दूध, मिल्क पाउडर, पनीर आदि जैसे उत्पादों में सुधार हो और हमारे दुग्ध उत्पादकों को लाभ हो सके।

ट्रंप का प्रस्ताव

इस सप्ताह के शुरुआत में भारतीय टीम प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए पांचवें दौर की वार्ता के लिए वाशिंगटन में थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौता अमेरिका द्वारा इंडोनेशिया के साथ किए गए समझौते की तर्ज पर होगा। कृषि क्षेत्र में पहुंच प्रदान करना सरकार के लिए एक राजनीतिक मुद्दा साबित हो रहा है।

भारत अपना रहा कड़ा रुख– पूर्व गवर्नर ने कहा कि क्या ऐसी चीजें हैं जो हम कर सकते हैं, बजाय इसके कि हम यह कहें कि हम अन्य देशों से भारत में अधिक दूध आयात करें।

कृषि और डेयरी उत्पादों पर शुल्क में रियायत की अमेरिकी मांग पर भारत ने अपना रुख कड़ा कर लिया है। डेयरी क्षेत्र में मुक्त व्यापार समझौते में भारत ने अब तक अपने किसी भी व्यापारिक साझेदार को कोई शुल्क रियायत नहीं दी है।

एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस से बाहर निकला अडानी समूह

274 रुपये पर ट्रेड कर रहा है शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम अडानी समूह ने शुक्रवार को एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस में अपनी बाकी 10.42 प्रतिशत हिस्सेदारी 3,732 करोड़ रुपये में बेच दी। इसी के साथ समूह इस कंपनी से बाहर निकल गया है। बता दें कि इस कंपनी को पहले अडानी विल्मर के नाम से जाना जाता था। इस बीच, बीएसई पर एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस का शेयर 1.31 प्रतिशत गिरकर 274.60 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बंद हुआ।

क्या कहते हैं आंकड़े

बीएसई के आंकड़ों के अनुसार डील ओपन मार्केट में ट्रांजैक्शन के जरिये की गई। बल्क डील के आंकड़ों के अनुसार अडानी एंटरप्राइजेज की सहायक कंपनी अडानी कमोडिटीज एलएलपी (एसीएल) ने शुक्रवार को 11 किस्तों में कुल 13,54,82,400 इक्विटी शेयर बेचे, जो एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस में 10.42 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। इस लेनदेन का कुल मूल्य लगभग 3,732.54 करोड़ रुपये था और यह सौदा औसतन 275.50 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर हुआ।

किसने खरीदी हिस्सेदारी– दुबई स्थित शाजैतन इन्वेस्टमेंट एफजेडसीओ ने एग्री बिजनेस में 11.07 करोड़ से ज्यादा इक्विटी शेयर या 8.52 प्रतिशत हिस्सेदारी 3,049.99 करोड़ रुपये में खरीदी। क्वांट म्यूचुअल फंड (एमएफ), आईडीएफसी एमएफ, बंधन एमएफ, जुपिटर फंड मैनेजमेंट, मॉर्गन स्टेनली एशिया सिंगापुर, अमेरिका स्थित सस्क्वेहन्ना इंटरनेशनल ग्रुप, फ्रैंकलिन टेम्पलटन, वैनगार्ड और सिंगापुर स्थित इयूरो कैपिटल ने भी एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस के शेयर खरीदे। बता दें कि उद्योगपति गौतम अडानी द्वारा प्रवर्तित अडानी समूह ने गुरुवार को कहा था कि उसने एफएमसीजी व्यवसाय से बाहर निकलने और बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस में हिस्सेदारी बेची। एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस फॉर्च्यून ब्रांड के तहत खाद्य तेल और अन्य खाद्य उत्पाद बेचती है।

कैसे रहे जून तिमाही के नतीजे

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड का नेट प्रॉफिट 24 प्रतिशत घटकर 237.95 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने कहा कि खर्च बढ़ने से उसका मुनाफा कम हुआ है। एक साल पहले इसी अवधि में कंपनी ने 313.20 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया था।

700 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न देने वाला स्टॉक 1 ही दिन में 19 प्रतिशत टूटा

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले कुछ सालों से निवेशकों को अच्छा रिटर्न देने वाला स्टॉक एमपीएस लिमिटेड के शेयरों में शुक्रवार को भारी गिरावट देखने को मिली। यह स्टॉक कल दिन में 19 प्रतिशत से अधिक टूट गया था। कंपनी के शेयरों में गिरावट के पीछे की वजह चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के नतीजे रहे हैं।

इस बात ने बढ़ाई टेंशन–एमपीएस लिमिटेड की तरफ से दी जानकारी के अनुसार मार्च तिमाही के दौरान कुल रेवन्यू 2.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 186.30 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी के लिए चिंता की बात यह है कि उसके रिसर्च बिजनेस का रेवन्यू 118 करोड़ रुपये से घटकर 108 करोड़ रुपये हो गया है। यह डिविजन कंपनी के रेवन्यू में 59 प्रतिशत का योगदान करता है। भले ही रेवन्यू के मोर्चे पर कंपनी को संघर्ष करना पड़ा हो लेकिन प्रॉफिट 40 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी का नेट प्रॉफिट जून तिमाही के दौरान 35 करोड़ रुपये रहा है। सालाना आधार पर 21 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 50 करोड़ रुपये पहुंच गया है।

1 हफ्ते में 13 प्रतिशत टूट चुका है शेयर

कल की गिरावट के बाद कंपनी के शेयरों का भाव एक हफ्ते में 13 प्रतिशत टूट चुका है। हालांकि, इसके बाद भी यह मल्टीबैगर स्टॉक 6 महीने में 23 प्रतिशत का रिटर्न देने में सफल रहा है। वहीं, एक साल में कंपनी के शेयरों का भाव 16 प्रतिशत बढ़ा है।

कंपनी दे रही है डिविडेंड

इस कंपनी ने निवेशकों के लिए डिविडेंड का भी ऐलान किया है। कंपनी ने एक शेयर पर 50 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है। इस डिविडेंड के लिए एमपीएस लिमिटेड ने 13 अगस्त 2025 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है।

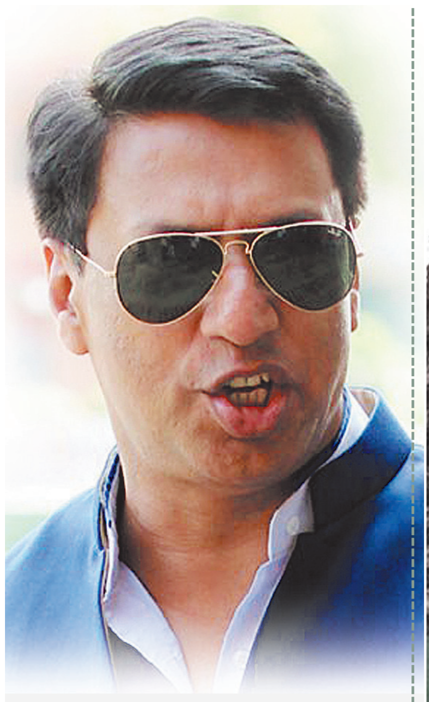

मधुर भंडारकर ने की सैयारा की तारीफ, बोले - इसने न्यूकमर्स को लॉन्च करने का हर मिथक तोड़ दिया

फिल्म सैयारा ने शुक्रवार को सिनेमाघरों में दस्तक दे दी है। यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म के जरिए अहान पांडे और अनीत पड्डा ने एक्टिंग डेब्यू किया है। मोहित सूरी के निर्देशन में बनी फिल्म को दर्शकों से जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। अहान और अनीत के अभिनय का जादू भी दर्शकों पर हो गया है।

निर्देशक मधुर भंडारकर ने फिल्म की तारीफ में पोस्ट शेयर किया है। मधुर भंडारकर ने आज अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। मधुर भंडारकर ने लिखा है, सैय्यारा ने नए कलाकारों को लॉन्च करने के हर मिथक को तोड़ दिया है। कोई बड़ा नाम नहीं, कोई बड़ा पीआर नहीं, बस रॉ टैलेंट और निर्भीक कहानी कहने का हुनर। सितारों से भरी इस इंडस्ट्री में, सैय्यारा ने साबित कर दिया कि दर्शक अप्रत्याशित के लिए तैयार हैं।

फिल्म को बताया गेम चेंजर

उन्होंने आगे लिखा है, एक बोल्ड रिमाइंडर – बात यह नहीं है कि आप किसे जानते हैं? बात यह है कि आप क्या लेकर आते हैं? हिंदी सिनेमा के लिए यह रोमांचक समय है। मोहित सूरी और यशराज फिल्म्स को बधाई! यह एक गेमचेंजर फिल्म है।

पहली ही फिल्म से अहान ने छोड़ा दर्शकों पर असर

फिल्म सैयारा रोमांटिक लव स्टोरी फिल्म है। अहान पांडे ने पहली ही फिल्म से अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया है। शुरुआती आंकड़ो में फिल्म का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन भी शानदार है। पहले दिन सैयारा ने डबल डिजिट में ओपनिंग ली है।

अपने दम पर बॉलीवुड में कमाया नाम, फिर हासिल किया टिकट टू हॉलीवुड; अब बनीं इंटरनेशनल स्टार

उत्तर प्रदेश के छोटे से शहर बरेली से निकलीं प्रियंका चोपड़ा अब एक इंटरनेशनल स्टार बन गई हैं। मॉडलिंग, फिर मिस वर्ल्ड का खिताब, उसके बाद बॉलीवुड में डेब्यू और फिर इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस और कई अवॉर्ड्स। उसके बाद सीधे टिकट टू हॉलीवुड। किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है प्रियंका चोपड़ा की असल जिंदगी। प्रियंका अपना 43वां जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर वो अपने पति निक जोनस के साथ एंजॉय कर रही हैं।

बॉलीवुड में अपने पहले साल ही दी बड़ी हिट

प्रियंका चोपड़ा की बॉलीवुड में शुरुआत साल 2000 में मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद हुई। प्रियंका ने साल 2003 में आई फिल्म 'द हीरो– लव स्टोरी ऑफ ए स्पाई' से की। इसमें उनके साथ सनी देओल और प्रीति जिंटा जैसे स्टार भी शामिल थे। इसके बाद इसी साल प्रियंका अक्षय कुमार और लारा दत्ता के साथ फिल्म 'अंदाज' में नजर आईं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही और प्रियंका इंडस्ट्री की नजरों में आ गईं। उसके बाद साल 2004 में प्रियंका सलमान खान–अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'मुझसे शादी करोगी' जैसी एक और सफल फिल्म में बतौर लीड एक्ट्रेस आईं। इसी साल प्रियंका 'ऐतराज' में निगेटिव रोल में नजर आईं और अवॉर्ड भी जीता। इसके बाद प्रियंका इंडस्ट्री में पूरी तरह से स्थापित हो गईं।

शाहरुख–सलमान और ऋतिक के साथ दीं हिट फिल्में, बनीं हाइएस्ट पेड एक्ट्रेस

अपने डेब्यू के बाद प्रियंका के खाते में कुछ फ्लॉप फिल्में भी आईं, लेकिन प्रियंका लगातार इंडस्ट्री के बड़े एक्टर्स के साथ काम करती रहीं। साल 2006 में प्रियंका को अपने करियर में जबरदस्त सफलता मिली जब उनके खाते में 'कृष' और 'डॉन' जैसी दो ब्लॉकबस्टर फिल्में आईं। इनमें प्रियंका ऋतिक और शाहरुख खान जैसे सुपरस्टार्स के साथ नजर आईं। इसके बाद कई फ्लॉप देने के बाद प्रियंका को 2008 में सफलता हाथ लगी जब वो मधुर भंडारकर की फिल्म 'फैशन' में नजर आईं। इस फिल्म में मॉडलिंग की दुनिया के पीछे की सच्चाई को दिखाया गया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही और प्रियंका को नेशनल अवॉर्ड समेत कई अवॉर्ड्स मिले। बाद में इसी साल प्रियंका कॉमेडी–ड्रामा फिल्म 'दोस्ताना' में नजर आईं। ये भी बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही। अब प्रियंका बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस में शामिल हो गई थीं। बाद में 'कमीने', 'डॉन 2', 'सात खून माफ', 'अग्निपथ' और 'बर्फी' जैसी फिल्मों की सफलता ने प्रियंका को इंडस्ट्री की हाइएस्ट पेड एक्ट्रेस बना दिया।

शाहरुख से लेकर शाहिद तक, कई एक्टर्स के साथ जुड़ा नाम

प्रियंका चोपड़ा अपनी फिल्मों के साथ–साथ अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी काफी चर्चाओं में रहीं। अपनी दूसरी फिल्म 'अंदाज' के बाद ही प्रियंका का नाम अक्षय कुमार के साथ जोड़ा गया। दोनों ने साथ में कई फिल्मों में काम भी किया। इसके बाद एक वक्त में उनका नाम शाहरुख खान के साथ काफी जोड़ा गया। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दोनों के अफेयर की भी खबरें सामने आईं। हालांकि, दोनों स्टार्स ने ऐसी खबरों पर कभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और एक–दूसरे को अच्छा दोस्त ही बताया। इसके अलावा प्रियंका का नाम शाहिद कपूर के भी साथ जोड़ा गया। ऐसा कहा जाता है कि दोनों का अफेयर काफी वक्त तक चला था।

10 साल छोटे निक जोनस से की शादी

हॉलीवुड में अपनी जर्नी शुरू करने के बाद प्रियंका अधिक वक्त वहीं गुजारने लगीं और धीरे–धीरे वो बॉलीवुड से भी दूर होती गईं। इसी दौरान वो निक जोनस के संपर्क में आईं और दोनों का अफेयर शुरू हुआ। जिसके बाद साल 2018 में प्रियंका ने सबको चौंकाते हुए खुद से 10 साल छोटे निक जोनस से शादी कर ली। निक जोनस एक सिंगर–एक्टर हैं। उनका खुद का बैंड भी है। शादी के चार साल बाद साल 2022 में प्रियंका सरोगेसी के जरिए एक बेटी की मां बनीं। प्रियंका की बेटी का नाम मालती है।

टिकट टू हॉलीवुड

बॉलीवुड में सफलता पाने के बाद और हाइएस्ट पेड एक्ट्रेस बनने के बाद प्रियंका ने रुख किया हॉलीवुड का। साल 2015 में वो पहली बार अमेरिकन टीवी सीरीज 'क्वांटिको' में नजर आईं। इस सीरीज के दो सीजन आए दोनों में प्रियंका नजर आईं और उनके काम की तारीफ भी हुई और उन्हें अवॉर्ड भी मिले। इसके बाद साल 2017 में वो हॉलीवुड की एक्शन–कॉमेडी फिल्म 'बेवॉच' में नजर आईं। 'क्वांटिको' और 'बेवॉच' से प्रियंका ने हॉलीवुड में अपनी जगह बना ली। इसके बाद धीरे–धीरे प्रियंका का रुख बॉलीवुड से ज्यादा हॉलीवुड की तरफ रहने लगा। बाद में वो 'ए किड लाइक जैक', 'द मैट्रिक्स रिसरेक्शन', 'वी कैन बी हीरोज', 'लव अगेन' और हालिया रिलीज 'हेड्स ऑफ स्टेट्स' जैसे कई हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स में अहम भूमिकाओं में नजर आईं।

रुद्र शक्ति शिव-पार्वती की कहानी, परंपरा-आधुनिकता दोनों का मेल

भोजपुरी सिनेमा की जब बात होती है तो अक्षरा सिंह का नाम सबसे पहले जुबां पर आता है। अपनी दमदार अदाकारी और खूबसूरत आवाज से उन्होंने करोड़ों दिलों में खास जगह बनाई है। इन दिनों वह अपनी आने वाली फिल्म रुद्र शक्ति को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में वह एक्टर विक्रांत सिंह के साथ नजर आएंगी। फिलहाल, अक्षरा फिल्म के प्रमोशन में जुटी हुई हैं। आईएएनएस से बात करते हुए अक्षरा ने बताया कि निर्देशक निशांत एस. शेखर और निर्माता सीबी सिंह ने फिल्म को एक अलग सोच के साथ बनाया है। फिल्म की कहानी शिव–पार्वती की पौराणिक और आध्यात्मिकता पर आधारित है। हम सब ने मिलकर बहुत ही अलग किस्म के कॉन्सेप्ट पर काम किया है। यह कहानी परंपरा और आधुनिकता दोनों का मेल है। उम्मीद करती हूं कि लोगों को यह पसंद आएगी। एक्ट्रेस ने बताया कि फिल्म की शूटिंग काशी में बाबा विश्वनाथ के आशीर्वाद से शुरू हुई और वहीं इसका समापन हुआ। इस अनुभव को उन्होंने अद्भुत सफर बताया। अक्षरा भोजपुरी सिनेमा पर लगने वाले आरोपों पर भी खुलकर बोलीं। उन्होंने कहा कि भोजपुरी फिल्में अब सिर्फ अश्लीलता नहीं, आध्यात्मिकता और सिनेमा का मेल भी हैं। अक्षरा ने कहा, जब भी मैं पटना आती हूं, तो यहां की जनता मुझसे सवाल करती है कि भोजपुरी फिल्म कैसी होती है। लोग कहते हैं कि भोजपुरी फिल्में अश्लील होती हैं, लेकिन जब आप कुछ नया और अच्छा देंगे तभी धारणा बदलेगी। मैं बस यही कहना चाहती हूं कि अब एक ऐसी फिल्म आई है, जिसे आप पूरे परिवार के साथ बड़े चाव से देख सकते हैं। रुद्र शक्ति आपको आध्यात्मिकता से जोड़ेगी और सिनेमा का असली स्वाद भी देगी। यह एक संपूर्ण सिनेमा है। आप जरूर देखें और अपना अपार प्यार दें।

आज एक साथ रिलीज हुई करण टैकर की फिल्म और वेब सीरीज

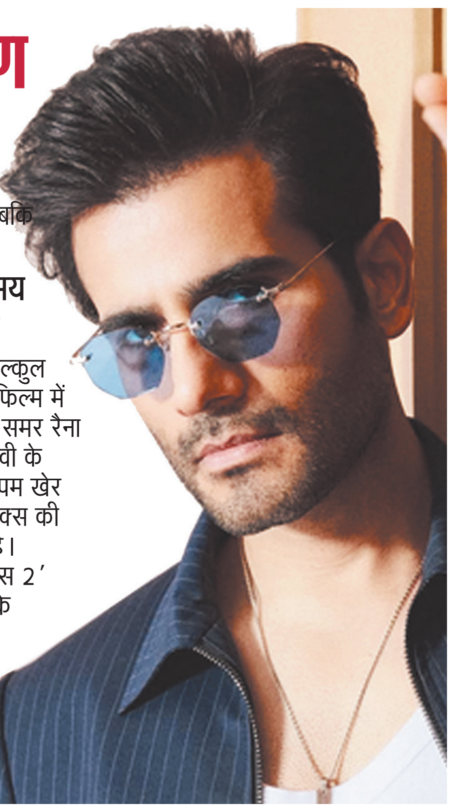

अभिनेता करण टैकर के लिए आज का दिन बहुत ही खास है, क्योंकि आज के दिन उनके दो प्रोजेक्ट्स रिलीज हो रहे हैं। एक ओर जहां सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' में करण टैकर एक अहम किरदार में नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरी ओर ओटीटी पर करण टैकर केके मेनन स्टारर वेब सीरीज 'स्पेशल ऑप्स 2' में भी एक मुख्य भूमिका में दिखाई दे रहे हैं।

'मैं इसे कैसे स्वीकार करूं'

लोगों के करियर में बहुत कम बार ऐसा देखने को मिलता है जब एक ही दिन पर उनके दो प्रोजेक्ट्स रिलीज हों। करण कहते हैं, मेरे करियर में यह पहली बार है कि मेरी दो फिल्में एक ही दिन रिलीज हो रही हैं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं इसे कैसे स्वीकार करूं। मैं बहुत नर्वस और बेचैन हूं क्योंकि दोनों की भूमिकाएं एक–दूसरे से बिल्कुल अलग हैं और दोनों बिल्कुल अलग प्लेटफॉर्म पर हैं। एक फिल्म है, जबकि दूसरी ओटीटी पर।

'तन्वी द ग्रेट' में कैप्टन समय रैना की भूमिका में हैं करण

तन्वी द ग्रेट में करण टैकर एक बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आ रहे हैं। फिल्म में भारतीय सेना के अधिकारी कैप्टन समर रैना की भूमिका में हैं। वह फिल्म में तन्वी के पिता की भूमिका निभा रहे हैं। अनुपम खेर द्वारा निर्देशित इस फिल्म को क्रिटिक्स की मिली–जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। वहां अगर बात करें 'स्पेशल ऑप्स 2' की तो करण टैकर इस सीरीज के पहले सीजन से इससे जुड़े हुए हैं। सीरीज में वो रॉ ऑफिसर फारूक अली के किरदार में नजर आ रहे हैं। सीरीज में उनका किरदार काफी दमदार है।

'मालिक' को मिले रिस्पॉन्स से खुश मानुषी

मानुषी छिल्लर की फिल्म 'मालिक' हाल ही में रिलीज हुई है। 6 दिनों में इस फिल्म ने लगभग 19 करोड़ रुपए से भी अधिक का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया है। 'मालिक' मानुषी के करियर के लिए काफी अहम फिल्म है। अब अमर उजाला ने एक्ट्रेस से इस फिल्म और उनके करियर को लेकर बात की।

अब जब 'मालिक' रिलीज हो चुकी है, तो पीछे मुड़कर देखने पर क्या याद आता है?

सच कहूं तो सबसे ज्यादा वो जर्नी याद आती है, जब हम सबने अपना दिल, मेहनत और पूरी लगन से काम किया था। डायरेक्टर से लेकर कास्ट और प्रोड्यूसर तक, सबका एक साफ और मजबूत विजन था। उस मेहनत को सफल होते देखना सपने जैसा लगता है। यह मेरे करियर का पहला ऐसा मौका था जब मुझे अपनी परफॉर्मेंस के लिए इतनी सराहना मिली। बतौर एक्टर, जब लोग आपके काम को नोटिस करें, तो वो बहुत ही अच्छा लगता है।

कुछ ने फिल्म की तारीफ की तो कुछ ने स्क्रिप्ट पर सवाल उठाए। आपकी नजर में असली प्रतिक्रिया क्या रही?

हर किसी का देखने का नजरिया अलग होता है। मुझे खुशी है कि थिएटर में आई पब्लिक ने पॉजिटिव रिस्पॉन्स दिया। हां, क्रिटिक्स के रिव्यूज जरूर मिक्स्ड रहे, लेकिन वो भी जरूरी हैं। एक्टर के तौर पर मेरा काम है ईमानदारी से किरदार निभाना और अगर वो लोगों तक पहुंचा, तो मेरे लिए वही सबसे बड़ी जीत है। खास बात ये रही कि स्क्रीनिंग के बाद खुद इंडस्ट्री के कुछ लोगों ने कॉल कर के कहा कि उन्होंने मेरा काम एंजॉय किया। ये मेरे लिए बहुत स्पेशल था। कहीं न कहीं मुझे लगा, चलो, मेहनत दिखी।

फिल्म, बिजनेस और सोशल वर्क तीनों कैसे संभालती हैं?

मैं हमेशा से मल्टीटास्कर रही हूं। मिस इंडिया की तैयारी के साथ पढ़ाई भी करती थी, तो बैलेंस करना मेरी आदत बन गई है। शूटिंग के दौरान पूरा फोकस फिल्म पर होता है, लेकिन जैसे ही मौका मिलता है, मैं अपने वेलनेस प्रोजेक्ट, ब्रांड्स और बाकी काम संभाल लेती हूं।

क्या आपको लगता है कि इंडस्ट्री में लोगों का नजरिया आपके प्रति बदला है? खासकर पृथ्वीराज से लेकर मालिक तक?

हां, अब नजरिया बदला है। पृथ्वीराज के वक्त लोगों ने कहा था कि ये मेरी पहली फिल्म जैसी नहीं लग रही। स्क्रीन प्रेजेंस और कैमरे के सामने कॉन्फिडेंस की तारीफ हुई, लेकिन शायद वो असर नहीं पड़ा जो मैं चाहती थी। मालिक के बाद पहली बार ऐसा लगा कि लोगों ने सिर्फ मुझे देखा नहीं, मेरे काम को महसूस भी किया।

अगर मौका मिले, तो वो कौन–सा आइकॉनिक किरदार है जिसे आप पर्दे पर निभाना चाहेंगी?

बहुत से रोल्स हैं जो मुझे बतौर एक्टर एक्साइट करते हैं, लेकिन अगर मुझे एक क्लासिक किरदार चुनना हो, तो मैं 'देवदास' की पारो को निभाना चाहूंगी। उसमें इमोशन है, ग्रेस है और एक गहरी ट्रैजिक ब्यूटी है।

फेमस होने के बाद क्या आपमें कोई पर्सनल चेंज आया है?

मैं अब भी वही इंसान हूं। फर्क बस इतना आया है कि अब मैं कैमरे और पब्लिक अटेंशन के साथ ज्यादा कम्फर्टेबल हो गई हूं। शुरुआत में जब मिस वर्ल्ड बनी थी, वो चेंज बहुत अचानक आया। कभी–कभी छोटी–छोटी चीजें जैसे कि डिनर पर जाना भी एक अटेंशन पॉइंट बन जाती थी। लोग टेबल की ओर देखने लगते हैं, बातें करते हैं, फोटो मांगते हैं तो वो शुरुआत में थोड़ा अजीब लगता था। अब धीरे–धीरे मैं उस सबकी आदत हो गई।

इंडस्ट्री में काम करते हुए आपका सबसे बड़ा सबक क्या रहा?

सबसे बड़ा सबक यह मिला है कि आपको अपने गोल्स के प्रति पूरी तरह स्पष्ट रहना होगा। लोग सलाह दे सकते हैं, लेकिन आखिर में फैसला आपका ही होगा। मुझे कभी ये नहीं लगा कि मुझे रोल सिर्फ इसलिए मिलेगा क्योंकि मैं किसी को जानती हूं। मौका तब मिलेगा जब मेरी मेहनत और काबिलियत सामने आएगी। इसलिए मेरा फोकस हमेशा खुद को बेहतर बनाने पर रहता है। यही माइंडसेट मुझे यहां तक लेकर आया है और आगे भी ले जाएगा।

क्या इंडस्ट्री में खुद के लिए सही मौका तलाश रही हैं?

मेरे लिए 'मालिक' वही मौका था। मैं इंडस्ट्री में आउटसाइडर हूं, इसलिए कभी ये उम्मीद नहीं की थी कि डेब्यू के साथ ही ड्रीम रोल मिल जाएगा। लेकिन 'शालिनी' का किरदार मुझे इसीलिए खास लगा क्योंकि इसमें मुझे पहली बार परफॉर्मेंस का असली मौका मिला। ये फिल्म मेरे लिए सिर्फ एक रोल नहीं थी, बल्कि एक ऐसा चांस था जहां मैं सिर्फ 'अच्छी दिखने' से आगे जाकर, कुछ महसूस करवा सकूं।

घरेलू क्रिकेट में वापसी को तैयार शमी

बंगाल के संभावित खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल किया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को आगामी 2025-26 घरेलू सत्र के लिए बंगाल के 50 संभावित खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल किया गया है। चोट की चिंताओं के चलते शमी को इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम से बाहर रखा गया था। 34 वर्षीय मोहम्मद शमी ने इंडियन प्रीमियर लीग-2025 के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। इस सीजन में उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद का प्रतिनिधित्व किया था, लेकिन उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके। शमी भारत की ओर से मार्च 2025 में आखिरी बार खेले थे। यह चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला था। इस टूर्नामेंट में शमी ने पांच मुकाबले खेलते हुए नौ विकेट अपने नाम किए थे। वनडे वर्ल्ड कप-2023 में मोहम्मद शमी ने 24 विकेट अपने नाम किए थे। इसके बाद उन्होंने टखने की सर्जरी करवाई। हाल ही में शमी ने प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में सफल वापसी करते हुए रणजी ट्रॉफी में बंगाल को मध्य प्रदेश के खिलाफ 11 रन से रोमांचक जीत दिलाई। इस मैच में शमी ने 7 विकेट लेने के अलावा बल्ले से 37 रन भी बनाए। 34 वर्षीय शमी ने 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ भारत के लिए सीमित ओवरों के चार मुकाबले खेलते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सफल वापसी की। चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने शमी के पूरी तरह से फिट नहीं होने की जानकारी देते हुए उन्हें एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए टीम में नहीं चुना। शमी आखिरी बार जून 2023 में टेस्ट फॉर्मेट खेले थे। यह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल मैच था। इंग्लैंड के लिए भारतीय टीम का ऐलान करते हुए अगरकर ने खुलासा किया था कि शमी की फिटनेस संबंधी समस्याओं और टेस्ट मैच में वर्कलोड मैनेजमेंट की बढ़ती चुनौतियों को देखते हुए शमी का चयन नहीं हो पाया।

बंगाल ने जिन 50 संभावित खिलाड़ियों की लिस्ट जारी की, उसमें अभिमन्यु ईश्वरन, आकाश दीप, मुकेश कुमार, शाहबाज अहमद और अभिषेक पोरेल जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

आंद्रे रसेल का इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा

2016 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल को बताया सबसे गर्व का पल

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने ऐलान किया है कि वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 20 और 22 जुलाई को होने वाले दो टी20 मैचों के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। यह दोनों मैच जमैका के सबीना पार्क में खेले जाएंगे, जो रसेल का घरेलू मैदान है। रसेल ने वेस्टइंडीज के लिए 141 मैच खेले और अपनी सबसे यादगार पारी 2016 टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ मुंबई में खेली। उस मैच में भारत ने 193 रन बनाए थे। रसेल जब नंबर 5 पर बल्लेबाजी के लिए आए, तब वेस्टइंडीज को 41 गेंदों में 77 रन की जरूरत थी। रसेल ने नाबाद 43 रन सिर्फ 20 गेंदों में बनाए और आखिरी ओवर में विराट कोहली की गेंद पर छक्का मारकर वेस्टइंडीज को जीत दिलाई।रसेल ने वेस्टइंडीज क्रिकेट को दिए इंटरव्यू में कहा,2016 वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल मेरी जिंदगी का सबसे गर्व भरा पल था। उस समय भारत का पूरा स्टेडियम अपनी टीम को सपोर्ट कर रहा था, जिससे थोड़ा दबाव था। लेकिन पिच अच्छी थी और ड्रेसिंग रूम में हमें आत्मविश्वास था। इसी भरोसे ने मुझे खुलकर खेलने की आजादी दी।

लगाया जुर्माना तो बिफरीं ये क्रिकेटर, कहा- हंगामा करना ठीक नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल पर इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने एक्शन लेते हुए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया. प्रतिका की इंग्लिश खिलाड़ियों लॉरेन फाइलर और सोफी एक्लेस्टोन से टक्कर हो गई, जिसके चलते आईसीसी ने ये एक्शन लिया. प्रतिका के खाते में आईसीसी ने एक डिमेरिट अंक भी जोड़े हैं. अब प्रतिका रावल ने इस पूरे मामले पर सफाई दी है. प्रतिका ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उनका कंधा अनजाने में इंग्लिश खिलाड़ियों से टकराया था और वह केवल अपनी लाइन में दौड़ रही थीं. इसे लेकर हंगामा करना ठीक नहीं है. रावल ने कहा, यह बिल्कुल भी जानबूझकर नहीं था. मैं सिर्फ अपनी दिशा में दौड़ रही थी और यह टकराव बस हो गया. इस पर ज्यादा प्रतिक्रिया देने या हंगामा करने की जरूरत नहीं है. इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे मैच में भारतीय पारी के 18वें और 19वें ओवर में ये वाकया हुआ. 18वें ओवर में प्रतिका रावल रन लेते वक्त इंग्लैंड की तेज गेंदबाज लॉरेन फाइलर से टकरा गईं. वहीं 19वें ओवर में सोफी एक्लेस्टोन की गेंद पर आउट होने के बाद उनकी गेंदबाज से बहस हुई और इस दौरान कंधा भी टकराया.

त्रिकोणीय टी20 सीरीज

कॉन्वे के नाबाद 59 रनों की बदौलत न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे को 8 विकेट से हराया

हरारे, एजेंसी। त्रिकोणीय टी20 सीरीज में मेजबान जिम्बाब्वे को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा है। दक्षिण अफ्रीका से हारने के बाद जिम्बाब्वे को शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में न्यूजीलैंड ने 8 विकेट से हरा दिया। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था। जिम्बाब्वे ने पहले बैटिंग करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 120 रन बनाए।जिम्बाब्वे के लिए सर्वाधिक 36 वेस्ले मेधवेरे ने बनाए। ब्रायन बेनेट ने 21, सिकंदर रजा और रेयान बर्ल ने 12-12 और टोनी मुनयोंगा ने 13 रन बनाए। बल्लेबाज शुरुआत मिलने के बाद भी बड़ी पारी नहीं खेल पाए और यही वजह रही कि टीम 121 रन का मामूली लक्ष्य न्यूजीलैंड के सामने रख पाई। न्यूजीलैंड के लिए मैट हेनरी ने एक बार फिर घातक गेंदबाजी की। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने 4 ओवर में 26 रन देकर 3 विकेट लिए। इसके अलावा एडम मिल्ने, मिशेल सेंटनर, माइकल ब्रेसवेल और रचिन रवींद्र को 1-1 विकेट मिला। न्यूजीलैंड ने 13.5 ओवर में 2 विकेट पर 122 रन बनाकर मैच 8 विकेट से जीत लिया। कीवी टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने टिम सिफर्ट के रूप में 5 के स्कोर पर अपना पहला विकेट खो दिया। दूसरे विकेट के लिए डेवोन कॉन्वे और रचिन रवींद्र ने 59 रन की साझेदारी की। टीम का स्कोर जब 64 था, उस समय रवींद्र 19 गेंद पर 4 छक्के और 1 चौके लगाते हुए 30 रन बनाकर आउट हुए। कॉनवे ने इसके बाद डेरिल मिचेल के साथ 58 रन जोड़ते हुए टीम को 8 रन से जीत दिला दी। कॉनवे 40 गेंद पर 2 छक्के और 4 चौके की मदद से 59 रन और मिचेल 19 गेंद पर 1 छक्का और 1 चौके की मदद से 26 रन बनाकर नाबाद रहे। कॉन्वे को उनकी 59 रन की नाबाद पारी के लिए मैच का श्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

ऋतुराज ने यॉर्कशायर के साथ चैंपियनशिप करार से नाम वापस लिया

लीड्स, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ व्यक्तिगत कारणों के चलते इस सीजन यॉर्कशायर की ओर से काउंटी चैंपियनशिप नहीं खेलेंगे। गायकवाड़ ने यॉर्कशायर के साथ पांच मुकाबलों के लिए डील की थी। काउंटी चैंपियनशिप की शुरुआत 22 जुलाई से होने जा रही है। यॉर्कशायर की टीम अपना पहला मैच सरे के खिलाफ खेलेगी।

यॉर्कशायर के हेड कोच एंथनी मैक्ग्राथ ने बताया कि काउंटी टीम ऋतुराज गायकवाड़ के विकल्प पर विचार कर रही है। एंथनी मैकग्राथ ने कहा, दुर्भाग्य से गायकवाड़ व्यक्तिगत कारणों के चलते अभी टीम से नहीं जुड़ रहे हैं। वह स्कारबोरो या बाकी सीजन में टीम के लिए नहीं खेल पाएंगे। यह निराशाजनक है। मैं आपको इसके कारणों के बारे में कुछ नहीं बता सकता, लेकिन हमें उम्मीद है कि सब कुछ ठीक होगा।

सीनियर महिला राष्ट्रीय शिविर के लिए 40 खिलाड़ी चयनित, हॉकी इंडिया ने की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले शिविर में शामिल सभी खिलाड़ियों को इसमें भी मौका दिया गया है। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने एक विज्ञप्ति में कहा, यह शिविर काफी अहम समय पर लगाया जा रहा है। हॉकी इंडिया ने यहां 21 जुलाई से 29 अगस्त तक भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र (साइ) पर होने वाले सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिये 40 खिलाड़ियों के नाम की घोषणा की। पांच सितंबर से चीन के हांगझोउ में होने वाले महिला एशिया कप को देखते हुए यह शिविर काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है । यह टूर्नामेंट 2026 एफआईएच महिला विश्व कप में सीधे क्वालीफाई करने का भी जरिया होगा ।

पिछले शिविर में शामिल सभी खिलाड़ियों को इसमें भी मौका दिया गया है। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने एक विज्ञप्ति में कहा, यह शिविर काफी अहम समय पर लगाया जा रहा है । एशिया कप प्रतिष्ठित टूर्नामेंट होने के साथ विश्व कप 2026 में सीधे जगह बनाने का जरिया भी है । हमारा पूरा फोकस मानसिक और शारीरिक रूप से खुद को तैयार करने पर होगा। उन्होंने कहा, हमने प्रदर्शन में निरंतरता बनाये रखने के लिये पिछले शिविर के कोर ग्रुप को बरकरार रखा है । यूरोप में प्रो लीग में हमें मनचाहे नतीजे नहीं मिले लेकिन इस शिविर से हमे आत्ममंथन करके मजबूती से वापसी का मौका मिलेगा। भारतीय सीनियर कोर ग्रुप की सूची इस प्रकार है।

गोलकीपरः सविता, बिछू देवी खारीबम, बांसरी सोलंकी, माधुरी किंडो, समीक्षा सक्सेना।

डिफेंडरः महिमा चौधरी, निक्की प्रधान, सुशीला चानू, उदिता, इशिका चौधरी, ज्योति छत्री, ज्योति, अक्षता ढेकाले, अंजना डुंगडुंग, सुमन देवी।

मिडफील्डरः सुजाता कुजूर, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नेहा, सलीमा टेटे, मनीषा चौहान, अजमीना कुजूर, सुनेलिटा टोप्पो, लालरेम्सियामी, शर्मिला देवी, बलजीत कौर, महिमा टेटे, अलबेला रानी टोप्पो, पूजा यादव।

फॉरवर्डः दिपिमोनिका टोप्पो, रितिका सिंह, दीपिका सोरेंग, नवनीत कौर, संगीता कुमारी, दीपिका, रूतुजा पिसल, ब्यूटी डुंगडुंग, मुमताज खान, अन्नु, चंदना जगदीश, काजल अत्पडकर।

डब्ल्यूसीएल 2025

इंडिया-पाक मैच से पहले मचा बवाल; युवराज, रैना, धवन पर भड़के फैंस

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 की शुरुआत 18 जुलाई से हो चुकी है और इसमें इंडिया चैंपियंस टीम भी हिस्सा ले रही है। इस सीजन में एक बार फिर से युवराज सिंह की कप्तानी में ये टीम अपने खिताब को डिफेंड करने उतरेगी। इंडिया ने इस लीग के

पहले सीजन में फाइनल में पाकिस्तान को हराकर पहली बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। अब इस सीजन में इंडिया का पहला मैच पाकिस्तान के साथ 20 जुलाई को होना है, लेकिन इससे पहले बवाल मच गया है। पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले इंडिया चैंपियंस के लिए खेल रहे खिलाड़ियों पर क्रिकेट फैंस बुरी तरह से भड़क गए हैं और सोशल मीडिया पर इन खिलाड़ियों को जमकर ट्रोल किया जा रहा है।दरअसल कुछ दिनों पहले पहलगाम हमले में 26 भारतीय नागरिकों की हत्या कर दी गई थी और उसके बाद भारत-पाकिस्तान संबंध में और तनाव पैदा हो गया था। भारत ने इस घटना के बाद कई कड़े कदम उठाए

एशिया कप 2025 पर गहराया संकट

बीसीसीआई ने कहा- टीम इंडिया नहीं लेगी हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 को लेकर संकट के बादल गहराने लगे हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने एशियन क्रिकेट काउंसिल की 24 जुलाई को बांग्लादेश की राजधानी ढाका में प्रस्तावित सालाना बैठक को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। बीसीसीआई ने साफ कर दिया है कि अगर बैठक का स्थान नहीं बदला गया, तो वह बैठक में लिए गए किसी भी फैसले को स्वीकार नहीं करेगा। सूत्रों के मुताबिक, बीसीसीआई ने बांग्लादेश में मौजूदा हालात और वहां बढ़ते राजनीतिक तनाव को देखते हुए पहले ही एसीसी से बैठक का स्थान बदलने की मांग की थी। हालांकि, एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। बता दें कि मोहसिन नकवी फिलहाल पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष होने के साथ-साथ एसीसी के भी अध्यक्ष हैं। बीसीसीआई से जुड़े सूत्रों का कहना है कि एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी भारत पर अनावश्यक दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, हमने ढाका में मौजूदा हालात को देखते हुए समय रहते बैठक का स्थान बदलने की अपील की थी। लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। ऐसे में अगर एसीसी ढाका में बैठक आयोजित करता है, तो बीसीसीआई उस बैठक में लिए गए किसी भी फैसले को नहीं मानेगा।

कोई ऑस्ट्रेलिया से, कोई भारत से... इन 11 खिलाड़ियों के दम पर इटली ने पाया टी20 वर्ल्ड कप टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी। इटली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अगले साल होने वाले मेन्स टी20 वर्ल्ड कप में अपनी जगह पक्की कर ली थी. इटली की टीम ने पहली पार किसी क्रिकेट वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई किया, ऐसे में ये उसके लिए ऐतिहासिक पल रहा. इटली ने टी20 वर्ल्ड कप यूरोप क्वालिफायर 2025 में दूसरा स्थान हासिल करके ये उपलब्धि हासिल की. अब इतालवी खिलाड़ी भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अपना जलवा बिखेरेंगे. इटली में फुटबॉल काफी लोकप्रिय है, हालांकि पिछले दो स्र्ढ्ढस्न वर्ल्ड कप के लिए इटली की फुटबॉल टीम क्वालिफाई नहीं कर पाई. वहीं 2026 के वर्ल्ड कप में भी इटली की फुटबॉल टीम का भाग लेना तय नहीं है. फुटबॉल टीम क्वालिफाई करे या ना करे. लेकिन क्रिकेट टीम ने जरूर टी20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई कर लिया है.

इटली को टी20 वर्ल्ड कप टिकट दिलाने में बाहरी खिलाड़ियों का अहम रोल रहा है. नीदरलैंड्स के

खिलाफ मैच में जिन 11 खिलाड़ियों ने भाग लिया, उसमें से 5 का ताल्लुक ऑस्ट्रेलिया से था. वहीं दो खिलाड़ी एशियाई मूल थे. जबकि दो खिलाड़ियों का संबंध ब्रिटेन से भी है. जबकि 2 प्लेयर इतालवी मूल के थे.

1. थॉमस ड्रेकाः सिडनी में जन्मे थॉमस ड्रेका ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के मेगा ऑक्शन के लिए अपना नाम रजिस्टर कराया था, जिसके चलते वो सुर्खियों में आए थे. ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज डेनिस लिली इस खिलाड़ी के अंकल माने जाते हैं. ड्रेका की मां इतालवी मूल की हैं और उनका ताल्लुक नेपल्स के पास के एक गांव से है. इसी कारण ड्रेका को इटली के लिए खेलने का मौका मिला.

2. जो बर्न्सः इस खिलाड़ी के नाम से तो फैन्स अच्छी तरह वाकिफ होंगे. बर्न्स ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 23 टेस्ट और 6 वनडे मुकाबले खेले. साल 2024 में अपने बड़े भाई डोमिनिक के निधन के बाद उन्होंने इटली के लिए खेलने का निर्णय लिया. बर्न्स के नाना-नानी कैलाब्रिया से थे, जिसके चलते उन्हें इटली के लिए खेल पाने में आसानी हुई.

3. हैरी जॉन मैनेंटः बिग बैश लीग में हैरी मैनेंटी एडिलेड स्ट्राइकर्स का प्रतिनिधित्व करते हैं. हैरी इटली के ऐसे पहले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने किसी टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में 5 विकेट झटके. ऑस्ट्रेलिया में जन्मे हैरी की क्रिकेट जर्नी ग्रासरूट लेवल से शुरू हुई थी. ऑलराउंड प्रदर्शन के चलते हैरी टी20 वर्ल्ड कप यूरोप क्वालिफायर में प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे.

4. बेन मैनेंटीः हैरी मैनेंटी के बड़े भाई बेन भी इटली के लिए खेलते हैं. ऑफ स्पिन गेंदबाज बेन ऑस्ट्रेलिया में सिडनी सिक्सर्स और तस्मानिया के लिए खेल चुके हैं. हैरी और बेन की दादी इतालवी मूल की थी. इसी चलते दोनों भाइयों को इटली के लिए खेलने का अवसर मिल गया.

5. ग्रांट स्टीवर्टः ऑस्ट्रेलिया में जन्मे ग्रांट स्टीवर्ट की मां इटालियन हैं, जिसके कारण वो इटली की टीम में शामिल हुए. स्टीवर्ट ने साल 2017 में केंट के लिए फर्स्ट क्लास डेब्यू किया. स्टीवर्ट फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 2000 से ज्यादा रन बना चुके हैं, साथ ही उन्होंने 100 से ज्यादा विकेट भी चटकाए हैं.

6. एमिलियो गेः 25 साल के एमिलियो का जन्म इंग्लैंड के ब्रेडफोर्ड में हुआ था. बाएं हाथ के बल्लेबाज एमिलियो की मां इतालवी हैं, जिसके चलते उन्हें इटली के लिए खेलने में आसानी हुई है. एमिलियो ने हाल ही में इंग्लैंड लॉयन्स की ओर से भारत-ए के खिलाफ दो फर्स्ट क्लास मुकाबले खेले थे. उसके कुछ दिनों बाद ही उनकी इतालवी टीम में एंट्री हुई.

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के द्वारका में करंट लगने से शख्स की मौत, पुलिस जांच के दौरान कुछ और ही कहानी सामने आई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के द्वारका में 36 साल के एक शख्स की करंट लगने से मौत हो गई, हालांकि जांच के दौरान मिले सबूतों के बाद पुलिस ने इसे हादसा ना मानते हुए इसे हत्या की वारदात बताया है। पुलिस के अनुसार, शख्स की हत्या कथित तौर पर उसकी पत्नी और उसके साथी ने की, जो कि मृतक के चाचा का बेटा है। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान करण देव के रूप में हुई है। इस बारे में जानकारी देते हुए शुक्रवार को एक अधिकारी ने बताया कि करण देव की मौत के संबंध में उत्तम नगर स्थित माता रूपरानी मग्गो अस्पताल से 13 जुलाई को एक पीसीआर कॉल आई थी। जब पुलिस वहां पहुंची तो अस्पताल की तरफ से बताया गया कि करण को बेहोशी की हालत में अस्पताल लाया गया था और मेडिको-लीगल केस में मौत का कारण बिजली का करंट लगना बताया गया। हालांकि करण के परिवार ने उसकी मौत की परिस्थितियों के आधार पर उसकी पत्नी पर हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया। इस बारे में बुधवार को करण के छोटे भाई कुणाल देव ने पुलिस से संपर्क किया और अपने भाई की मौत की परिस्थितियों पर संदेह व्यक्त किया। कुणाल ने पुलिस को बताया कि उसे करण की पत्नी और उसके साथी के बीच की चैट मिली है, जिससे पता चलता है कि उन दोनों ने मिलकर करण की हत्या की साजिश रची थी। इसके बाद हुई जांच के बाद पुलिस ने बताया कि मृतक करण की पत्नी और उसके साथी ने कथित तौर पर करण को नींद की गोलियां देकर उसे बिजली का करंट लगाकर मार डाला। पुलिस ने बताया कि हत्या के बाद महिला पास ही में रहने वाले अपने ससुराल वालों के घर गई और उनके सामने रोने का नाटक करते हुए बताया कि करण को करंट लग गया है, जिसके बाद वे लोग उसे लेकर अस्पताल पहुंचे जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने अब इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103 (हत्या के लिए दंड) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) अंकित सिंह ने कहा, शुरुआत में करण के परिवार ने कोई आरोप नहीं लगाया और यहां तक कि उन्होंने पोस्टमार्टम कराने से भी इनकार कर दिया। हालांकि, उसकी कम उम्र को देखते हुए और किसी भी तरह की गड़बड़ी की आशंका को दूर करने के लिए दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) अस्पताल में उसका पोस्टमार्टम किया गया। पुलिस ने फिलहाल इस मामले में जांच जारी रहने की बात कही है।

थाने बुलाए गए फाजिलपुरिया, 2 घंटे तक क्राइम ब्रान्च ने की पूछताछ

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणवी गायक और रैपर राहुल यादव उर्फ फाजिलपुरिया पर फायरिंग मामले में शुक्रवार को अपराध शाखा की टीम ने उनसे दो घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ की। पुलिस ने हमले की जिम्मेदारी लेने वाले सुनील सरधानिया और उनके साथ काम कर चुके दीपक नांदल के बारे में जानकारी हासिल की। फाजिलपुरिया को सुबह 11 बजे बुलाया गया था। इस मामले में गिरफ्तार आरोपी विशाल से फाजिलपुरिया के कथित संबंधों और सोशल मीडिया पर उनकी पोस्ट को लेकर भी पूछताछ की गई। बता दें कि फाजिलपुरिया गुरुवार देर रात वृंदावन से दर्शन कर गुरुग्राम पहुंचे थे। अपराध शाखा के अधिकारियों ने उनसे विशेष रूप से उनकी सोशल मीडिया गतिविधियों और दीपक नांदल नामक व्यक्ति से उनके संबंधों के बारे में सवाल किए। पुलिस ने पूछताछ के दौरान राहुल फाजिलपुरिया को बताया कि हाल ही में गिरफ्तार किए गए आरोपी विशाल के फोन से काफी अहम जानकारी मिली है। उसके मोबाइल फोन में फाजिलपुरिया की गाड़ी, तस्वीरें और एक निश्चित समय से संबंधित जानकारी मिली है। इन सब जानकारी के बाद 14 जुलाई को एसपीआर रोड पर फायरिंग की गई थी। फाजिलपुरिया बाल-बाल बच गए थे। आरोपी विशाल मूल रूप से सोनीपत का रहने वाला है और पहले बैंक में काम करता था। बताया जा रहा है कि इस मामले में शामिल होने के लिए वह अपने परिवार से बाहर घूमने जाने का बहाना बनाकर आया था। फिलहाल, इस मामले से जुड़े अन्य आरोपी अभी भी फरार चल रहे हैं, जिनकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। विशाल ने पूछताछ में बताया कि आरोपी उसने तीन से चार बार सोनीपत से गुरुग्राम आकर फाजिलपुरिया के बारे में रेकी कर जानकारी जुटाई गई थी। आरोपी विशाल अलग- अलग गेस्ट हाउस में रुकता था। गायक से मिली जानकारी का खुलासा नहीं हुआ।

हो सकता है फिर भाजपा की मदद करें केजरीवाल के इंडिया छोड़ने पर कांग्रेस बोली

नई दिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस नेता उदित राज ने अरविंद केजरीवाल और उनकी आम आदमी पार्टी (आप) पर एक बार फिर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस के कारण ही आप का जन्म हुआ है। उदित राज ने कहा कि अरविंद केजरीवाल फिर से बाहर से भाजपा की मदद कर सकते हैं। वह दलित विरोधी हैं और सामाजिक न्याय के भी खिलाफ हैं।

उदित राज ने 'आप' सांसद संजय सिंह के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आप का जन्म भाजपा और आरएसएस की वजह से हुआ। अन्ना हजारे एक व्यक्ति थे और अरविंद केजरीवाल का एक एनजीओ था, लेकिन पर्दे के पीछे से ताकत देने वाले बीजेपी, आरएसएस, बजरंग दल, वीएचपी और एबीवीपी थे। बीजेपी ने उन्हें एक सजाया-संवारा आंदोलन और मंच दिया और इस तरह उनका (आप) जन्म हुआ।

कांग्रेस नेता ने कहा कि 'आप' विचारधारा बीजेपी और आरएसएस की है। अरविंद केजरीवाल दलित विरोधी हैं और सामाजिक न्याय के भी विरोधी हैं। हमारी विचारधाराएं मेल नहीं खातीं, लेकिन संविधान बचाने के लिए हम

साथ आए। अब यह उन पर निर्भर है कि वे गठबंधन छोड़ना चाहते हैं या नहीं। हो सकता है कि वे फिर से बीजेपी की बाहर से मदद करें। हो सकता है कि वे भविष्य में फिर से इंडिया अलायंस में शामिल हों, लेकिन उनके हटने का मतलब यह नहीं है कि इंडिया अलायंस कमजोर हो गया है।

'आप' ने शुक्रवार को 'इंडिया' गठबंधन से अपनी दूरी बनाते हुए कहा कि अब वह विपक्षी गठजोड़ का हिस्सा नहीं है और इसका नेतृत्व करने में कांग्रेस पार्टी की भूमिका पर सवाल उठाया। राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने देश में मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर चर्चा के लिए शनिवार शाम 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों के नेताओं की डिजिटल माध्यम से होने वाली बैठक से एक दिन पहले यह टिप्पणी की।सोमवार से शुरू हो रहे संसद के मॉनसून सत्र से ठीक पहले यह बैठक होने जा रही है। 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) गठबंधन के घटक दल लंबे समय के बाद देश की राजनीतिक स्थिति पर मिलकर विचार-विमर्श करेंगे। संजय सिंह ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, ''आम आदमी पार्टी ने अपना रुख साफ कर दिया है। 'इंडिया' गठबंधन लोकसभा चुनाव (2024) के लिए था। हमने दिल्ली और हरियाणा विधानसभा चुनाव अपने बूते लड़ा। हम बिहार विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने जा रहे हैं। हमने पंजाब और गुजरात में उपचुनाव अपने बूते लड़ा। 'आप' 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा नहीं है। हम लोकसभा में जोरदार तरीके से मुद्दे उठाएंगे। हमने हमेशा एक मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाई है।''

अरविंद केजरीवाल नीत पार्टी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन करके दिल्ली और हरियाणा में 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ा था। कांग्रेस की आलोचना करते हुए, उन्होंने विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व करने में उसकी भूमिका पर सवाल उठाया। उन्होंने सवाल किया, ''यह बच्चों का खेल नहीं है। क्या लोकसभा चुनाव (2024) के बाद उन्होंने कोई बैठक की? क्या 'इंडिया' गठबंधन के विस्तार की कोई पहल हुई? कभी वे अखिलेश यादव की आलोचना करते हैं, कभी उद्धव ठाकरे की, तो कभी ममता बनर्जी की। 'इंडिया' को एकजुट रहना चाहिए था। कांग्रेस इस गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी है।

दिल्ली में 47 किमी लंबा ट्रांजिट कॉरिडोर बनाने का प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली को जाम मुक्त बनाने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने 47 किलोमीटर का ट्रांजिट कॉरिडोर बनाने की योजना बनाई है। इसके तहत दिल्ली के अलग-अलग हिस्से में आठ नए फ्लाईओवर या अंडरपास बनाएं जाएंगे। इनसे इन इलाकों में यातायात का दबाव कम होगा और जाम से राहत मिलेगी। इस योजना के लिए शहर के सबसे अधिक जाम वाले मार्गों को चिह्नित कर उसके अध्ययन के निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। पीडब्ल्यूडी ने अत्यधिक भीड़भाड़ वाली जिन सड़कों या स्थानों को चिह्नित किया है, उसमें सबसे व्यस्त आईटीओ चौराहा भी शामिल है। आईजीआई एयरपोर्ट के सामने एनएसजी चौराहा, शादीपुर डिपो के पास फ्लाईओवर (पंचकुईयां रोड), नानकसर गुरुद्वारा टी-पॉइंट से दिल्ली-यूपी की सीमा तक, शिवाजी मार्ग पर फ्लाईओवर, सुखी नहर के ऊपर रेलवे लाइन पर फ्लाईओवर और नजफगढ़-फिरनी रोड पर एक फ्लाईओवर या एलिवेटेड रोड शामिल है।

51 साल की हुईं सीएम रेखा गुप्ता, अपने पैतृक गांव में मनाया बर्थडे; हरियाणा सरकार ने दीं कई सौगात

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज हरियाणा के जुलाना स्थित अपने पैतृक गांव नंदगढ़ में अपना 51वां जन्मदिन मनाया। उनका जन्म 19 जुलाई 1974 को इसी गांव में हुआ था। हरियाणा सरकार ने इस मौके पर नंदगढ़ में बड़े कार्यक्रम का आयोजन किया। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पार्टी के अन्य नेताओं ने जुलाना में जन्मदिन के मौके पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का भव्य स्वागत किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रेखा गुप्ता को उनके जन्मदिन के तोहफे के रूप में नंदगढ़ गांव को विकास की कई सौगातें दीं। इसके लिए रेखा गुप्ता ने उनका आभार भी जताया।

इस मौके पर रेखा गुप्ता ने नंदगढ़ से जुड़ी अपने बचपन की यादों से लेकर अपने

लेकर दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्रसंघ चुनाव से लेकर दिल्ली की सीएम बनने तक के सफर को भी याद किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य शीर्ष केंद्रीय मंत्रियों तथा भाजपा नेताओं ने रेखा गुप्ता को जन्मदिन पर बधाइयां दीं। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता जी को उनके जन्मदिन पर हार्दिक बधाई। दिल्ली की सेवा में वह हमेशा सक्रिय रही हैं। मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी के कल्याण के लिए कई पहल की हैं। ईश्वर उन्हें दीर्घायु और स्वस्थ जीवन प्रदान करे। गुप्ता ने प्रधानमंत्री मोदी को उनके जन्मदिन पर बधाई देने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि उनका ''सदैव प्रेरणादायक'' मार्गदर्शन उनकी (गुप्ता की) सार्वजनिक सेवा यात्रा के लिए निरंतर शक्ति और प्रेरणा का स्रोत है। रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मुख्यमंत्री के रूप में मैं सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के आपके दृष्टिकोण को सार्थक परिणामों में बदलने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं। केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी ने भी दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को उनके जन्मदिन पर बधाई दीं। हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने अपने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर लिखा, दिल्ली की मुख्यमंत्री, हरियाणा की बेटी श्रीमती रेखा गुप्ता जी को जन्मदिवस की अशेष शुभकामनाएँ एवं बधाई। आपका कुशल नेतृत्व और समाज के प्रति समर्पण राजधानी में सुशासन और सशक्तिकरण का प्रतीक बन चुका है।

इजरायल और सीरिया के बीच हुआ युद्धविराम, अमेरिकी राजदूत ने की घोषणा

अंकारा, एजेंसी।
इजरायल के द्वारा सीरिया पर हमला करने के बाद मिडिल ईस्ट में एक बार फिर तनाव के हालात बन गए थे। हालांकि, अब इजरायल और सीरिया सीजफायर के लिए मान गए हैं। यह दावा है अमेरिकी राजदूत का। शुक्रवार को उन्होंने सीरिया के लड़ाकों से हथियार न उठाने की गुजारिश की है।

तुर्किए में अमेरिका के राजदूत टॉम बैरक के अनुसार, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और सीरिया के नए लीडर अहमद-अल-शराआ ने युद्ध विराम पर सहमति दर्ज की है। पड़ोसी देश जॉर्डन और तुर्किए ने भी इस सीजफायर का समर्थन किया है। सीजफायर की जानकारी देते हुए टॉम बैरक ने एक्स पर लिखा, हम ड्रूज, बैडोइन और सुन्नियों से कहना चाहते हैं कि सभी अपने हथियार डाल दें। अन्य अल्पसंख्यकों के साथ मिलकर नए सीरिया का निर्माण करते हैं, जो पड़ोसियों के साथ मिलकर शांति और समृद्धि की तरफ अग्रसर रहे। इजरायल ने बुधवार को सीरिया की राजधानी दमिश्क पर हमला कर दिया था। इस दौरान इजरायल ने सीरियाई सेना के मुख्यालय पर भी बम बरसाए थे। इजरायली एअर स्ट्राइक ने सीरिया पर जमकर तबाही मचाई थी।

स्लोवेनिया ने सहायता प्राप्त मृत्यु कानून किया पारित

ल्युबल्याना , एजेंसी। यूरोपीय देश स्लोवेनिया ने शुक्रवार को सहायता प्राप्त मृत्यु की अनुमति देने वाले कानून को मंजूरी दे दी। इसके साथ ही वह उन देशों में शामिल हो गया है, जो गंभीर रूप से बीमार वयस्कों को अपना जीवन समाप्त करने का अधिकार देते हैं। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, नीदरलैंड और बेल्जियम उन देशों में शामिल हैं, जिन्होंने सहायता प्राप्त मृत्यु को अनुमति दी है। कुछ अमेरिकी राज्य में भी यह कानून लागू है। स्लोवेनिया के सांसद में इस विधेयक के पक्ष में 50 तो विपक्ष में 34 मत पड़े। तीन सासंदों ने मतदान से परहेज किया। यह विधेयक पिछले साल हुए एक जनमत संग्रह के बाद आया है।

तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें डिग्री दूंगी

ताइपे, एजेंसी।
ताइवान में एक ब्लड डोनेशन घोटाला सामने आया है, जहां एक यूनिवर्सिटी की महिला फुटबॉल कोच पर छात्राओं ने डिग्री के बदले उन्हें ब्लड डोनेशन करने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है। सोशल मीडिया पर इस इस कोच वैम्पायर बोला जा रहा है और लोग जमकर आलोचना कर रहे हैं।

साथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस कांड के बाद विवाद खड़ा हो गया है। यह घटना तब सामने आई, जब जियान नाम की एक छात्रा ने सर्वजनिक रूप से कोच पर आरोप लगाए। नेशनल ताइवान नॉर्मल यूनिवर्सिटी (एनटीएनयू) में पढ़ने वाले जियान ने कहा कि छात्रों को उनकी कोच झोउ ताई-यिंग ने बल्ड डोनेशन के लिए मजबूर किया था।

जियान ने आरोप लगाया, कभी-कभी तो वो ब्लड डोनेशन के लिए लगातार 14 दिनों तक बैठी रहती थी। कभी-कभी तो दिन में तीन बार, सुबह 5 बजे लेकर रात 9 बजे तक। एस समय तो ऐसा आया जब सुई डालने के लिए नस तक नहीं मिल रही थी। झोउ ताई-यिंग ने छात्राओं को असीमित संख्या में ब्लड डोनेशन कैंप में हिस्सा लेने के लिए मजबूर किया। झोउ ताई-यिंग ताइवान फुटबॉल प्रोग्राम की एक प्रमुख हस्ती हैं।छात्रा का

दावा है कि ब्लड अनट्रेंड लोग ले रहे थे और दावा कर रहे थे कि इसका इस्तेमाल कैंपस में रिचर्स एक्सपेरिमेंट के लिए किया जाएगा। विवाद बढ़ने पर यूनिवर्सिटी ने 13 जुलाई को घोषणा की कि झोउ को बर्खास्त कर दिया गया है और उन्हें किसी भी खेल टीम का नेतृत्व करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। दरअसल, यूनिवर्सिटी में छात्रों को ग्रेजुएट होने के लिए एकेडमिक क्रेडिट हासिल करना जरूरी था और 32 ऐसे छात्रा थे जो इन ब्लड डोनेशन कैंप्स से बंधे थे। जिन छात्रों ने कोच

आसमान में विमान का दरवाजा खोलने लगा यात्री !

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में एक घरेलू विमान में उस वक्त अफरातफरी मच गई जब एक यात्री ने उड़ान के दौरान न सिर्फ चालक दल के सदस्य से झगड़ा किया बल्कि आपातकालीन दरवाजा खोलने की भी कोशिश की। इस खतरनाक हरकत की वजह से पायलट को विमान की दिशा बदलकर आपात स्थिति में उसे उतरवाना पड़ा। घटना स्काइवेस्ट एयरलाइन की उड़ान संख्या 3612 में हुई, जो नेब्रास्का के ओमाहा से डेट्रायट जा रही थी। विमान बृहस्पतिवार शाम करीब 5:30 बजे ओमाहा से रवाना हुआ था। कुछ देर बाद ही विमान में बैठे एक 23 साल के युवक ने हंगामा शुरू कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, युवक ने फ्लाइट अटेंडेंट से अचानक झगड़ा शुरू कर दिया। देखते ही देखते मामला हाथापाई तक पहुंच गया। इसी दौरान उसने आपातकालीन दरवाजा खोलने की कोशिश भी की। पायलट ने तुरंत **पूर्वी आयोवा के सिडार रैपिड्स एयरपोर्ट टावर से संपर्क कर आपात लैंडिंग की अनुमति मांगी। पायलट की एटीसी से बातचीत रिकॉर्ड में साफ सुना गया ''वह अभी फ्लाइट अटेंडेंट से लड़ रहा है और दरवाजा खोलने की कोशिश कर रहा है।'' अगर दरवाजा हवा में खुल जाता तो विमान में सवार सभी यात्रियों और चालक दल की जान को बड़ा खतरा हो सकता था। लेकिन पायलट और चालक दल ने स्थिति को संभालते हुए विमान को सुरक्षित सिडार रैपिड्स एयरपोर्ट पर उतार दिया।

जैसे ही विमान रनवे पर उतरा, स्थानीय पुलिस और एयरपोर्ट सुरक्षा टीम ने तुरंत कार्रवाई की और हंगामा करने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान ओमाहा निवासी 23 वर्षीय युवक के रूप में हुई है। स्काइवेस्ट एयरलाइन ने अपने बयान में कहा कि सभी यात्रियों की सुरक्षा पहली प्राथमिकता थी। विमान को सुरक्षित उतारने के बाद आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया गया।

ट्यूब स्टेशन पर मारपीट में फर्श पर फैंका बच्चा, मंजर देख दहल गए यात्री

लंदन, एजेंसी।
ब्रिटेन में लंदन के मशहूर ईबरी एंड इस्लिंगटन ट्यूब स्टेशन पर गुरुवार शाम को जो हुआ, उसने यात्रियों को दहला दिया। शाम करीब 5:30 बजे स्टेशन पर तीन आदमियों में जमकर मारपीट हुई और इस दौरान एक नन्हा बच्चा वहीं फर्श पर छूट गया।इस घटना का वीडियो एक राहगीर ने अपने मोबाइल फोन से रिकॉर्ड किया और सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। वीडियो के वायरल होते ही ब्रिटिश ट्रांसपोर्ट पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

गवाहों के मुताबिक, दो लोग अच्छे कपड़ों में थे और एक तीसरा शख्स सामान्य कपड़ों में था। स्टेशन पर किसी बात को लेकर तीनों में कहासुनी शुरू हुई और देखते ही देखते झगड़ा हाथापाई में बदल गया। वीडियो में साफ दिख रहा है कि तीनों आदमी एक-दूसरे को मुक्के और लात मार रहे हैं। इसी दौरान सफेद कपड़ों में एक छोटा बच्चा फर्श पर सीढ़ियों के पास बैठा हुआ दिखा। आसपास खड़ी महिलाएं डर के मारे चिल्लाती रहीं। कई प्रत्यक्षदर्शियों ने दावा किया है कि

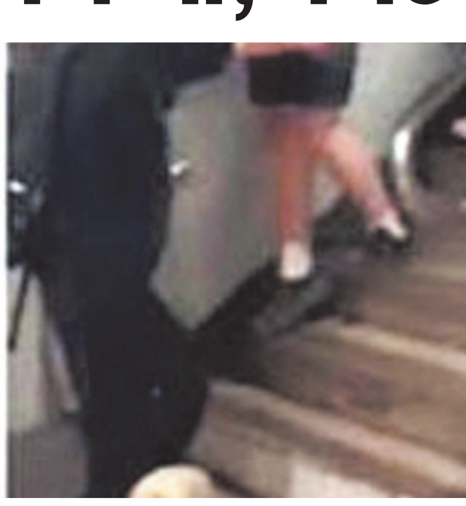

झगड़े में एक आदमी ने बच्चे को गोद में उठा रखा था। तभी दूसरे आदमी ने उस पर मुक्का मार दिया। इससे बच्चा उसके हाथ से फिसलकर जमीन पर गिर गया। इसके बाद भी झगड़ा रुका नहीं बल्कि एक शख्स ने उस आदमी को जमीन पर गिराकर उस पर पैर से वार किया। बच्चा वहीं नीचे पड़ा रहा। वीडियो में दिख रहा है कि एक महिला, जो पीले रंग की औपचारिक ड्रेस में थी, उसने तीनों को रोकने की कोशिश की। कई यात्रियों ने भी मारपीट रोकने की कोशिश की लेकिन तीनों बेकाबू थे। झगड़े में एक आदमी को भीड़ में किसी ने इतनी जोर से धक्का दिया कि वह हवा में उछलकर जमीन पर गिरा। ब्रिटिश ट्रांसपोर्ट पुलिस ने कहा है कि घटना की जांच की जा रही है और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को सबूत के तौर पर लिया गया है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि बच्चे की हालत कैसी है और उसे किसी तरह की चोट आई या नहीं। फिलहाल पुलिस ने झगड़े की असली वजह और शामिल लोगों की पहचान उजागर नहीं की है।

000000000000000_page 12 29.05.2025.qxd 19-07-2025 22:08 Page 1

पर्यावरण नियमों का शत प्रतिशत करें अनुपालन : उपायुक्त

स्थानीय हित में मजबूत सीएसआर नीति की जरूरत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। शनिवार को गोपनीय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा ने ईएसएल स्टील लिमिटेड (वेदांता) चंदनकियारी प्रबंधन के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की।

बैठक में उपायुक्त ने पर्यावरणीय नियमों एवं प्रावधानों के अक्षरशः अनुपालन का कंपनी को निर्देश दिया।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि औद्योगिक गतिविधियों के दौरान प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दिशा-निदेर्शों का पालन हर हाल में सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि कंपनी द्वारा ईजरी नदी के जल को प्रदूषित करने की शिकायत प्राप्त हो रही है, इसमें अविलंब सुधार करें। नदियों, तालाबों व अन्य जल स्त्रोतों को प्रदूषणमुक्त बनाए रखने हेतु कंपनी समुचित कदम उठाए। यदि किसी कंपनी के कारण जल स्त्रोत प्रदूषित होता हैं तो उसकी जवाबदेही तय की जाएगी। जल स्त्रोतों की स्वच्छता, आसपास के गांवों में जनहित से जुड़ी पहल एवं पर्यावरण संतुलन की जिम्मेदारी केवल प्रशासन की नहीं, कंपनियों की भी समान रूप से है।

उपायुक्त ने ईएसएल स्टील लिमिटेड चंदनकियारी प्रबंधन से कारपोरेट सोशल रिस्पांसबिल्टी (सीएसआर) मद से संचालित योजनाओं की अद्यतन जानकारी प्राप्त की और उसे और अधिक पारदर्शी, प्रभावी व स्थानीय आवश्यकताओं के अनुकूल बनाने

का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि कंपनी को स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास, पेयजल और रोजगार परक योजनाओं पर प्राथमिकता से ध्यान देना चाहिए।

उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन, कंपनी और स्थानीय समुदाय के बीच बेहतर समन्वय से ही सतत और समावेशी विकास संभव है। उन्होंने कंपनियों से प्रशासन के साथ मिलकर सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी तत्परता से करने की बात कहीं। बैठक में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढ़ांडा, डिप्टी सीईओ ईएसएल स्टील लिमिटेड रविश शर्मा, सीएसआर नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, हेड झ पीआर एंड स्टेक होल्डर संजय सिन्हा, डायरेक्टर सेंट्रल इंजीनियरिंग एंड एचएसई तपेश चंद्र नस्कर, सिनीयर मैनेजर पी एन पाठक सहित संबंधित पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

विधायक ने लंबित मामलों को लेकर डीसी को सौंपा ज्ञापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। चंदनकियारी विधायक उमाकान्त रजक ने शनिवार को उपायुक्त अजय नाथ झा से मुलाकात कर भू-अधिकार संबंधी धारा-87 के तहत वर्षों से लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन के लिए ज्ञापन सौंपा।

उन्होंने कहा कि भूमि विवादों के मामलों में किसानों को बार-बार कोर्ट का चक्कर लगाना पड़ रहा है, जिससे वे अत्यधिक परेशान हैं। इन मामलों में तारीख-दर-तारीख मिलती रहती है और न्याय की प्रक्रिया अत्यधिक विलंबित हो रही है।

ज्ञापन प्राप्त करते हुए उपायुक्त ने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए सहायक बंदोबस्ती पदाधिकारी (एएसओ) के साथ समीक्षा बैठक कर धारा-87 के मामलों की शीघ्र सुनवाई और निष्पादन सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि किसानों को अनावश्यक परेशानी न हो, इसके लिए मामलों की सुनवाई में तेजी लाई जाएगी।

मुठभेड़ में जान बचाकर कर भागे

नक्सलियों का हथियार बरामद

बोकारो। बोकारो के गोमिया थाना क्षेत्र स्थित बिरहोरडेरा के जंगल में सुरक्षा बल और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ के बाद से ही कोबरा बटालियन 209 और झारखंड जगुआर के द्वारा लगातार सर्च अभियान चलाया जा रहा है। सर्च अभियान के दौरान आज बड़ी कामयाबी मिली है। मुठभेड़ के बाद भागने के क्रम में नक्सलियों के द्वारा जंगल में छुपा कर रखे गए एक एसएलआर राइफल, 20 एसएलआर की गोली, एक इंसास और उसकी एक मैगजीन, कोडेक्स वायर दो बंडल और एक पीस डेटोनेटर भी बरामद किया गया है।

एसपी हरविंदर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि यह पुलिस के लिए एक बड़ी कामयाबी है क्योंकि नक्सली भागने के दौरान हथियारों को छुपा कर रखने का काम किए थे। जिसे बरामद कर लिया गया है। सर्च अभियान अभी भी जारी है और भी सफलता मिलने की संभावना है।

उपायुक्त ने दिवंगत नेता चंद्रशेखर दुबे को दी श्रद्धांजलि

बोकारो। उपायुक्त अजय नाथ झा ने बी.एस. सिटी के सेक्टर थ्री स्थित दिवंगत नेता चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे के आवास पर शनिवार को आयोजित श्रद्धांजलि सभा में सम्मिलित होकर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने दिवंगत नेता के सामाजिक योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें जनसेवा को समर्पित व्यक्तित्व बताया। सभा में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और आम नागरिक उपस्थित थे।

वाहन जांच में डीटीओ ने वसूला गया जुर्माना

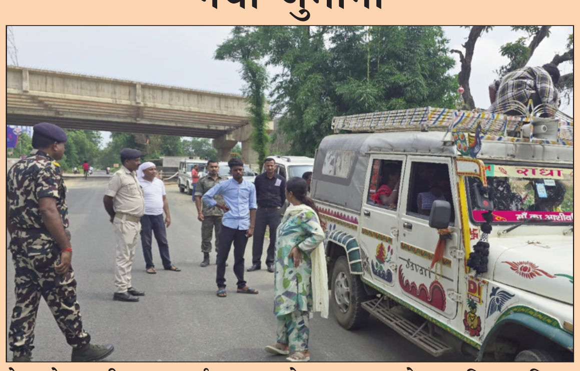

बोकारो। राष्ट्रीय राज्यमार्ग 320 पर पेटरवार थाना क्षेत्र पर जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा आज चलाएं गए सघन वाहन जांच अभियान के दौरान कुल 05 वाहनों से 1.20 लाख रुपए का जूमार्ना लिया गया। उक्त वाहन जांच अभियान बैठक में उपायुक्त अजय नाथ झा द्वारा दिए गए निर्देश के आलोक में किया गया।

उपायुक्त अजय नाथ झा के निर्देश पर जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना सेजवलकर द्वारा जांच अभियान चलाकर मोटरवाहन अधिनियम के विभिन्न नियमों के उल्लंघन में कुल 05 वाहन से 1.20 लाख रुपए जुमार्ना वसूला गया।

डीटीओ के नेतृत्व में अभियान के तहत कुल 23 वाहनों की जांच की गई, जिसमें फिटनेस सर्टिफिकेट, रिफ्लेक्टिव टेप, ओवर लोडिंग एवं टैक्स फेल होने को लेकर 05 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए जुमार्ना वसूला गया। साथ ही डीटीओ वंदना सेजवलकर ने पेटरवार प्रखंड के विभिन्न जगहों पर दो पहिया वाहनों सहित चार पहिया वाहनों की जांच की गई, जिसमें हेलमेट, रजिस्ट्रेशन, पॉल्यूशन, लाइसेंस, सीट बेल्ट, रिफ्लेक्टिव टेप सहित अन्य की जांच की। इस दौरान दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट लगाने के साथ चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने का निर्देश दिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम काला हीरा का विधायक ने किया उद्घाटन

धनबाद। ऑल इंडिया मल्टीलिंगुअल ड्रामा, डांस, ड्राइंग एंड म्यूजिक कंपटीशन फेस्टिवल 'काला हीरा' का उद्घाटन मुख्य अतिथि धनबाद विधायक राज सिन्हा, विशिष्ट अतिथि महेश मोदी, काला हीरा के संस्थापक राजेंद्र प्रसाद समेत अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। राजेंद्र प्रसाद ने सभी अतिथियों को अंग वस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित कर स्वागत किया।

पांच दिवसीय काला हीरा कार्यक्रम का शुरूआत गणेश वंदना के द्वारा किया गया। तत्पश्चात आज आयोजित कवि सम्मेलन में हिंदी के प्रख्यात कवियों में डॉ संगीता नाथ,अगम अनु, प्रीति कर्ण, रीना यादव, सुनील वर्मा, बरनवाल मनोज अंजन अपनी दमदार प्रस्तुति देकर दर्शकों की वाहवाही लूटी। सभी कवियों को स्मृति चिन्ह देकर एवं अंग वस्त्र ओढ कर सम्मानित किया गया। कवि सम्मेलन का संचालन अनंत महेंद्र ने बखूबी किया। इसके पश्चात नृत्य गायन की प्रस्तुतियां स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुत की गई। डाल्टनगंज के मसम आर्ट की प्रस्तुति होगी।

गुजरात से दो डांस की टीमें में अपनी शानदार और मनमोहक प्रस्तुतियां पेश करेंगे। शाहजहांपुर की टीम हर साल की भांति अपनी प्रस्तुति देंगे। अंतिम दिन 22 जुलाई को सभी प्रतिस्पधाओं के विजेताओं एवं नाट्य विजेता टीमों में विजेता टीम एवं सर्वश्रेष्ठ कलाकारों घोषणा निर्णायक मंडली द्वारा की जाएगी।

रेलवे सलाहकार समिति की बैठक

बोकारो। बोकारो रेलवे सलाहकार समिति की बैठक बोकारो रेलवे स्टेशन कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में स्टेशन पर चल रहे कार्यों एवं यात्री सुविधा बहाल करने पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में भाजपा नेता कमलेश राय ने कहा कि बोकारो से बेंगलुरु की ट्रेन नियमित चलाया जाए क्योंकि बोकारो के बहुत से बच्चे पढ़ते और वहां जॉब करते हैं। सीधी ट्रेन बोकारो से नहीं होने के कारण अभिभावक और बच्चों को कॉफी परेशानी उठाना पड़ता है। दो नंबर प्लेटफार्म पर शौचालय की व्यवस्था नहीं होने से यात्रियों को काफी परेशानी होती है। स्टेशन पर व्हीलचेयर की संख्या दो है उसको बढ़ाने की बात की गई। एक नंबर प्लेटफार्म पर चल रहा है। कार्य में रुफ लीकेज की शिकायत आने पर कड़ी आपत्ति की गई। नागरिक सुविधा जैसे सुरक्षा, पानी शौचालय की सफाई पर ध्यान देने की बात कही गई। बैठक में वर्तमान जिला उपाध्यक्ष दिलीप श्रीवास्तव, स्टेशन मास्टर ए के हलधर, उत्तम कुमार, संतोष कुमार प्रवीण कुमार, समर सेन, अरविंद कुमार इत्यादि अधिकारी उपस्थित थे।

स्कूल के आस पास की दुकानों में तम्बाकू उत्पाद की हुई जांच

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। सिविल सर्जन बोकारो के निर्देशन में जिला परामर्शी तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम बोकारो मो असलम एवं हरला थाना प्रभारी अनिल कच्छप द्वारा तम्बाकू उत्पाद अधिनियम के तहत हरला थाना क्षेत्र अन्तर्गत सरदार पटेल पब्लिक स्कूल, सरस्वती स्कूल एवं रामडीह मार्केट व उसके आस पास विशेष जांच अभियान चलाया गया, जिसमें कुल 63 दुकानों की जांच की गई, जिसमें 16 दुकानों/ व्यक्तियों द्वारा कोटपा कानून उल्लघंग करते हुए पाया गया जिनसे अर्थदण्ड के रूप में कुल 43 सौ रुपए की वसूली की गई।

जिला परामर्शी मो असलम द्वारा सभी दुकानदारो को सुझाव दिया गया कि खुला सिगरेट की बिक्री न करें और अपने दुकानों के सामने इक्कीस वर्ष के बच्चों को तम्बाकू उत्पाद बेचना या बिचवाना दण्डनीय

अपराध है का बोर्ड अवश्य लगायें साथ ही किसी भी तम्बाकू उत्पाद का प्रचार प्रसार वाला पोस्टर अपने दुकानों पर न लगायें। स्कूल के 100 मीटर के दायरे में तम्बाकू उत्पाद की बिक्री न करें। यदि इन सब में से कोई भी व्यक्ति उल्लंघन करता है तो उसे कोटपा कानून के तहत 1000रू का जुमार्ना या कारावास भी हो सकता है।

हरला थाना प्रभारी द्वारा सभी आमजनमानस से अपील किया गया कि यदि कोई भी व्यक्ति ई-सिगरेट की बिक्री या हुक्काबार का संचालन कर रहा है तो उसकी सूचना थाना प्रभारी को अवश्य दें ताकि समय रहते उन पर कानूनी कार्रवाई की जा सके। इस अवसर पर हरला थाना प्रभारी अनिल कच्छप स्वास्थ्य विभाग से मो0 असलम जिला परामर्शी तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम बोकारो के साथ हरला थाना का छापामारी दल उपस्थित थे।

पुलिस प्रशासन जनता के द्वार कार्यक्रम में उमड़े लोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। हुसैनाबाद अनुमंडल पुलिस प्रशासन की ओर से शनिवार को महुडंड के लोहबंधा स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय में जन समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पलामू के एएसपी राकेश सिंह, हुसैनाबाद के एसडीएम ओमप्रकाश गुप्ता, एसडीपीओ मोहम्मद याकूब सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

प्रशासनिक सेवाओं को सीधा ग्रामीणों तक पहुंचाने के उद्देश्य से लगाए गए शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनी गई। साथ ही त्वरित समाधान किया गया। शिविर सुबह 11 बजे शुरू हुआ व शाम 4 बजे तक चला। शिविर में लगभग 350 से 400 ग्रामीणों ने भाग लिया। शिविर में जमीन विवाद, वृद्धा पेंशन, शिक्षा, आंगनबाड़ी, नक्सली आत्मसमर्पण योजना जैसी जनसमस्याओं को प्राथमिकता से सुनकर समाधान किया गया। शिविर के दौरान पूर्व नक्सली अजय यादव की पुत्री नेहा कुमारी ने अपने विचार से सभी को भावुक कर दिया। नेहा ने कहा कि नक्सलवाद समाज के लिए एक गंभीर व घातक बीमारी है। उसके पिता भी कभी मुख्यधारा से भटक गए थे। नक्सलियों की राह पर चल पड़े थे। लेकिन उन सब को क्या मिला। एक दिन वे मारे गए व हमारे सिर से हमेशा के लिए पिता का साया उठ गया। बचपन से लेकर अब तक उसने सिर्फ संघर्ष व खालीपन देखा है। वह हर युवा से कहना चाहती है कि नक्सलवाद से दूर रहें। सरकार की योजनाओं से जुड़कर अपनी जिंदगी बेहतर बनाएं। शिक्षा व विकास ही असली रास्ता है। वह पलामू पुलिस का धन्यवाद करती हैं। पुलिस उनके गांव तक पहुंच कर उनकी बात सुन रही है। साथ ही उन सबको सही दिशा दिखा रही है। नेहा की यह बात न केवल गहरी संवेदना से भरी थी बल्कि युवाओं के लिए एक सशक्त प्रेरणा भी बनी।

बच्चों के विवाद में दिव्यांग की हत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बच्चों के बीच हुए विवाद में मारपीट हुई। विवाद इतना बढ़ गया कि गाली गलौज का विरोध करने पर दिव्यांग कमल दास की लाठी डंडों से पीट उसकी हत्या कर दी गई। हत्या का आरोप शिबू दास नामक व्यक्ति पर लगा है जो चास मुफस्सिल थाना क्षेत्र के अलकुशा बस्ती जा निवासी है।

घटना कल की बताई जा रही है। इलाज को रांची ले जाने के दौरान रास्ते में कमल दास की मौत हो गई।

पीड़ित के परिवार वालों ने आरोपी शिबू दास की गिरफ्तारी को लेकर चास मुफस्सिल थाना पहुंचकर हंगामा शुरू कर दिया। परिजनों ने पुलिस पर हत्यारे को बचाने का आरोप लगाया। विरोध को देखते हुए पुलिस ने परिजनों के साथ आरोपी के रिश्तेदार के यहां छापेमारी करना शुरू कर दिया है। मृतक की पत्नी ने सुशनी देवी ने आरोपी को फांसी दिए जाने की मांग की है। वहीं घटना के समय मौजूद प्रहलाद दास ने बताया कि बच्चों के विवाद में आरोपी शिबू दास के द्वारा मृतक की पत्नी को गंदी-गंदी गाली दे रहा था। इसी का विरोध कमल ने किया था। जिसके बाद उसी का डंडा छीनकर उसके माथे में वार कर दिया जिस कारण उसकी मौत हो गई।

घर में घुसकर किशोरियों के साथ मारपीट

बोकारो। चास थाना क्षेत्र के इस्पात कॉलोनी में मारपीट का मामला सामने आया है। घर में घुसकर तीन लड़कियों के साथ मारपीट की गई। मारपीट करने वालों ने किशोरियों चचेरा भाई सहित अन्य लोगों शामिल थे।

घटना के बाद पीड़ित किशोरिया एसपी आवास पहुंच गईं। पुलिस ने उन्हें इलाज हेतु सदर अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़ित लड़कियों का कहना है कि इससे पहले भी मेरे भाई और पिता को मार कर गंभीर रूप से घायल किया गया है। लेकिन चास पुलिस इस मामले में कार्रवाई नहीं कर रही है।।

कई बार एसपी के यहां भी शिकायत की गई थी। हालांकि एसपी ने कार्रवाई का भरोसा दिया है। आरोपी पक्ष लड़कियों पर कई तरह के आरोप पुलिस के सामने लगते हैं लेकिन इस पर पुलिस को एक्शन नहीं ले रही है पीड़ित लड़कियों का कहना है कि अगर पुलिस इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं करती है तो हम लोग आप हत्या करने को मजबूर हो जाएंगे। क्योंकि पुलिस हम लोगों का साथ नहीं दे रही है।

वरीय पदाधिकारियों ने पंचायतों का किया भ्रमण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। उपायुक्त अजय नाथ झा के निदेर्शानुसार जिले में हमारा गांव -हमारे लोग अभियान के तहत शनिवार को जिले के वरीय पदाधिकारियों ने विभिन्न प्रखंडों की चयनित पंचायतों का क्षेत्रीय भ्रमण कर योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान पदाधिकारियों ने सीएचसी/पीएचसी, आंगनबाड़ी केंद्र, विद्यालय, जलापूर्ति योजनाएं, पीएम आवास योजना, मनरेगा कार्य स्थल आदि का जायजा लिया और स्थानीय ग्रामीणों से संवाद कर योजनाओं की अद्यतन स्थिति व समस्याओं की जानकारी ली।

निरीक्षण क्रम में पदाधिकारियों ने स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टर की उपस्थिति - दवाइयों की उपलब्धता - मरीज पंजी आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों की उपस्थिति - पोषण आहार वितरण की गुणवत्ता, विद्यालयों में शैक्षणिक उपस्थिति - मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था, मनरेगा में स्थलों पर कार्यरत मजदूर - भुगतान की स्थिति एवं पंचायत क्षेत्र में जल जीवन मिशन की प्रगति की जानकारी ली।

उपायुक्त के निदेर्शानुसार उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने चास प्रखंड के भतुआ पंचायत, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अहमद ने जरीडीह प्रखंड के बारु, निदेशक - जिला ग्रामीण विकास शाखा मेनका ने चंद्रपुरा प्रखंड के तेलो मध्य पंचायत, जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना

शेजवलकर ने पेटरवार प्रखंड के दारिद पंचायत, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढ़ांडा ने चंदनकियारी प्रखंड के सियालजोरी पंचायत, जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खालखो ने बेरमो प्रखंड के जरीडीह पूर्वी पंचायत, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी द्वारिका बैठा ने कसमार प्रखंड के बरईकला पंचायत एवं अनुमंडल पदाधिकारी, बेरमो (तेनुघाट) मुकेश मछुआ ने नावाडीह प्रखंड के चीरूडीह पंचायत का निरीक्षण किया।

पदाधिकारियों ने निरीक्षण क्रम में सीधे ग्रामीणों से संवाद कर यह जाना कि उन्हें योजनाओं से कितना लाभ मिला है, कौन-सी योजनाएं रुकी हैं या जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच पाई हैं। कुछ स्थानों पर कार्य प्रगति धीमी पर, मजदूरी भुगतान में विलंब, पोषण वितरण में असमानता जैसी समस्याएं भी उजागर हुईं, जिन्हें संबंधित विभागों को दूर करने का निर्देश दिया।

अधिवक्ता एवं लिपिकों को दी गई ई -फाइलिंग की ट्रेनिंग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। ई-कोर्ट्स भारत में न्यायिक प्रक्रिया को डिजिटलीकरण और तकनीकी रूप से सक्षम बनाने की एक पहल है। यह परियोजना ई-गवर्नेंस के तहत न्यायपालिका में पारदर्शिता, दक्षता और तेजी लाने के लिए माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा वर्ष 2007 में शुरू की गई है इसके तहत न्यायालयों में ई-फाइलिंग, ऑनलाइन केस ट्रैकिंग, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और डिजिटल दस्तावेज प्रबंधन को बढ़ावा दिया जा रहा है. उपरोक्त बातें शनिवार को धनबाद सिविल कोर्ट में

आयोजित ई कोर्टस ट्रेनिंग प्रोग्राम के दौरान धनबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेन्द्र कुमार तिवारी ने कहा. इसके पूर्व कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्जवलित कर जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार तिवारी, जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनीष, मनीषरंजन, ने किया.अधिवक्ता एवं लिपिकों को संबोधित करते हुए धनबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि ई कोर्ट सेवा का उद्देश्य लंबित मामलों को कम करने और न्यायिक प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाना, नागरिकों की पहुंच आसान बनाना, लोगों को घर बैठे अपने केस की स्थिति जानने, आदेश डाउनलोड करने और डिजिटल माध्यम से सुनवाई में भाग लेने की सुविधा, पारदर्शी और जवाबदेही तरीके से प्रदान करना है। मास्टर ट्रेनर दीप नारायण एवं जय केसरी ने अधिवक्ता एवं अधिवक्ता लिपिकों को ईकोर्ट्स के सम्बन्ध मे जानकारी दी. अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि लोग अब अपने मुकदमों के सम्बन्ध में ऑनलाइन केस ट्रैकिंग और आदेश डाउनलोड कर पाएगें..इस मौके पर जिले के तमाम न्यायिक पदाधिकारी अधिवक्ता ,अधिवक्ता लिपिक, एलएडीसीएस की टीम उपस्थित थी

पशु कल्याण समिति गठन करने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। शनिवार को गोपनीय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा ने पशु कल्याण से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि जिला एवं अनुमंडल स्तरीय पशु कल्याण समिति का शीघ्र गठन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी तरह के पशुओं के प्रति संवेदनशीलता, करुणा और सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है।

उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन किसी भी प्रकार की पशु क्रूरता को स्वीकार नहीं करेगा और इस दिशा में कानूनी प्रावधानों का सख्ती से पालन कराया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आमजनों के हितों और उनकी सुरक्षा भी प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए दोनों पक्षों में संतुलन बनाते हुए निर्णय करें।

उपायुक्त ने पिछले दिनों मालती अपार्टमेंट में उत्पन्न हुई समस्या और अब तक की प्रगति की भी जानकारी ली। कहा कि गठित समिति वहां नियमित रूप से बैठक आयोजित करें। जिसमें प्रशासनिक पदाधिकारी के साथ पुलिस प्रशासन के भी लोग शामिल रहे। उन्होंने कहा कि समिति आवास करने वाले सभी लोगों से संवाद स्थापित करें, उनके सुझावों को संकलित करें और पशुओं से जुड़ी समस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस पहल करें। वहीं, पूर्व में उपचार के लिए गए कुत्तों को वापसी को लेकर जरूरी दिशा - निर्देश दिया।

उपायुक्त ने बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों को कहा कि किसी भी निर्णय में मानवीय दृष्टिकोण अपनाया जाए, ताकि न तो किसी पशु को अनावश्यक कष्ट हो और न ही आमजन को असुविधा हो। उन्होंने कहा कि पशु कल्याण एक सामूहिक दायित्व है जिसमें प्रशासन, नागरिक समाज, पशु प्रेमी और आमजन सभी की सहभागिता जरूरी है। उन्होंने कमेटी गठन को लेकर उप विकास आयुक्त को जरूरी दिशा - निर्देश दिया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी.कॉर्प.लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर 31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादकः मनोज विशाल फोन नंबरः 9431145865, 8210783623, आर.एन.आई. पंजीकरण संख्याः JHAHIN/2017/72655, Email : bokaronbt@gmail.com

CMYK